हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 5 जुलाई 2026

The Future of AI Starts Here.
Specialise in
GEN AI & Agentic AI.

Be among the first to experience **Rungta University's** cutting-edge program in GEN AI & Agentic AI. Get real-world skills with our industry-driven curriculum and secure your place in tomorrow's top careers.

Launching

B.TECH - CSE
SPECIALIZATION IN AI & ML
(Super Specialisation in GEN AI & Agentic AI)

In association with
Microsoft

Assured PLACEMENTS to All Eligible Candidates

Paid INTERNSHIP Opportunities for Eligible Students

From Chhattisgarh to the Global AI Stage

Rungta University student shares screen with

Google CEO
Sundar Pichai

Joint Degrees with Global Leaders

Get real-world skills and global recognition. Our programmes, created with industry leaders, help you build a degree that matters to your future.

Google | Microsoft | Apple | IBM | EC-Council | ACCA | Meta | Harvard Business School | University of Cambridge | University of London | coursera | NVIDIA | University of Michigan | Duke University | tableau | ie Business School | University of Minnesota | Tally

Select **RUNGTA COLLEGE OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY, BHILAI** as your preferred choice in **DTE Engineering Counselling**

School of Computer Science and Engineering
- **B.Tech.** (Computer Science & Engineering) in association with Google
- **B.Tech.** CSE (AIML) in association with Microsoft (Super Specialisation in GEN AI & Agentic AI)
- **B.Tech.** CSE (AIML) in association with IBM
- **B.Tech.** CSE (AI / AIML / Data Science) in association with Google
- **B.Tech.** (Cyber Security) in association with EC Council
- **M.Tech.** (Computer Science & Engineering)
- **Diploma** (Computer Science & Engineering)

School of Management & Commerce
- **BBA / BBA** (Global)
- **BBA** (Business Analytics) in association with IBM
- **BBA** (AI & Emerging Technologies) in association with Google
- **BBA** (Digital Branding & Advertising)
- **MBA / MBA** (Global)
- **B.Com. / B.Com** with ACCA in Association with Grant Thornton (GT)
- **B.Sc.** (Hons) Healthcare Management & AI
- **MBA** (Health Care Management)

School of Information Technology
- **BCA** (AIML / Data Science / Full Stack) in association with Google
- **MCA** (AIML / Data Science / Full Stack) in association with Google
- **PGDCA**
- **DCA**

School of Engineering and Technology
- **B.Tech.** (Civil / Electrical / Electronics & Telecommunication / Mechanical / Mining)
- **M.Tech.** (Structural)
- **Diploma** (Electrical / Mechanical)
- **B.Tech.** Civil Engineering (Working Professionals)
- **B.Tech.** Electrical Engineering (Working Professionals)
- **B.Tech.** Mechanical Engineering (Working Professionals)

School of Life Sciences
- **B.Sc.** (Biotechnology with Zoology / Botany)
- **B.Sc.** (Forensic Science)
- **M.Sc.** (Biotechnology)
- **M.Sc.** (Forensic Science)
- **B.Sc.** (Hons) Cosmetic Science
- **Diploma** (Forensic Science)
- **Master** in Public Health

School of Pharmacy
- **B.Pharmacy**
- **D.Pharmacy**
- **M.Pharmacy** (Pharmaceutics / Pharmacology / Pharmaceutical Chemistry)
- **B.Pharmacy** (Practice)

School of Law
- **B.A. LL.B** (Hons.)
- **B.Com. LL.B** (Hons.)
- **LL.M.** (Corporate & Commercial Law / AI, Cyber & Technology Law)

School of Humanities
- **B.A.** with Integrated UPSC coaching
- **Ten-Month IAS Programme**

School of Skills
- **B.Voc** in Industrial Safety
- **Advanced Diploma / Diploma** in Industrial Safety
- **Diploma** in Aviation & Hospitality Management
- **B.Voc** (Electrical / Civil / Computer Science / Mechanical / Information Technology / Electronics Telecommunication)

School of Sustainable Development
- **BBA** - Sustainable Development, ESG & CSR
- **B.Voc** - Sustainable Development, ESG & CSR
- **MBA** - Sustainable Development, ESG & CSR
- **Executive MBA** - Sustainable Development, ESG & CSR

School of Film & Media
- **B.A. / B.Voc.** (Film Making)
- **D.Voc.** (Film Making)

School of Research Programmes
- **PhD** (Engineering / Applied Sciences / Pharmacy / Computer Science / Humanities, etc.)

School of Education
- **D.Ed.**
- **B.Ed.**
- **M.Ed.**

ACCREDITED WITH GRADE A NAAC

ADMISSIONS OPEN

www.rungta.ac.in

Bhilai Campus
Rungta R1 Educational Campus, Kohka-Kurud Road
9016 11 33 33

Raipur City Office
Shop No. FF-1 & FF-2, First Floor, Shyam Plaza, Pandri
8880 48 88 70

RUNGTA INTERNATIONAL SKILLS UNIVERSITY
Approved by UGC u/s 2(F)

27 YEARS OF DEVELOPING BRIGHT FUTURES

R1

Deepak Advertisers

तरकश

संजय के दीक्षित

सीबीआई जांच के पीछे

छत्तीसगढ़ सरकार ने कोरिया के चर्चित तिहरे हत्याकांड की जांच सीबीआई के सुपूर्द कर दिया। सरकार के इस फैसले पर लोगों को हैरानी हो सकती है...हुई भी। मगर रेत के नाम पर सूबे में जो खेल चल रहा, उसमें सरकार की बदनाम हो रही और मंत्री, मिनिस्टर, नेताजी लोग मौज काट रहे। असल में, कोरिया हत्याकांड में दोनों पक्ष रुलिंग पार्टी से जुड़ा हुआ है। इसमें अगर पुलिस जांच करती तो अनेक सवाल खड़े होते। अलबत्ता, सिस्टम के पास इनपुट्स ये भी थे कि रायपुर में बैठे कई नेता, मंत्रीजी जिलों में रेत माफियाओं को खुला संरक्षण दे रहे हैं...बकायदा जिला तक बांट लिया गया है...यहां हमारा आदमी, वहां आपका। सरगुजा में जो रेत का खेल चल रहा, उसमें भी रायपुर के कनेक्शन से इंकार नहीं किया जा रहा। वहां संघर्ष की स्थिति इसलिए बन रही कि रायपुर वाले चाहते हैं हमारे आदमी को संरक्षण मिले और लोकल नेता चाहते हैं कि उनके आदमी रेत का काम करें। पक्ष-बिपक्ष के विधायकों के बीच वर्चस्व की लड़ाई चल रही, सो अलग। इससे सरगुजा की लॉ एंड आर्डर की स्थिति बिगड़ती जा रही। लिहाजा, राज्य सरकार ने रेत माफियाओं के खेल पर ब्रेक लगाने तिहरे मर्डर कांड को सीबीआई को सौंप दिया। मुमकिन है, सीबीआई की तफ्तीश में कई बड़े खुलासे होंगे, तो कई बड़े नाम लोगों को चौंका सकते हैं।

गरीब विधायक, गरीब अफसर

मुख्यमंत्री रहने के दौरान अजीत जोगी ने छत्तीसगढ़ के संदर्भ में एक स्लोगन दिया था...'अमीर धरती के गरीब लोग।' अब इस स्लोगन को बदल 'अमीर धरती के गरीब विधायक, गरीब अफसर' करना पड़ेगा. वो इसलिए कि छत्तीसगढ़ के विधायक, अफसर ऐसे गरीब होते चले गए कि बिना सरकारी जमीन के मकान नहीं बना सकते. हर विधानसभा के विधायकों को जमीन चाहिए तो हर बैच के आईएएस अफसरों को. ऐसे में सवाल उठता है...आखिर कब तक विधायकों और अफसरों को घर बनाने बेशकीमती जमीनें मुहैया कराई जाती रहेगी? कहीं पर भी तो इसका एंड होगा? प्रश्न यह भी खड़ा होता है कि गरीब विधायकों और अफसरों पर तरस खाते हुए सरकार ने कौड़ियो के मोल प्लॉट दिया, तो उसमें घर क्यों नहीं बनाए गए? अनेक लोगों ने उसे बेच क्यों दिया? जो अधिकारी यहां से रिटायर होकर या किसी अन्य वजहों से बाहर चले गए, उनकी बात अलग है, जो छत्तीसगढ़ में है, उनमें भी ऐसे लोगों की संख्या बड़ी है, जो सरकार से जमीन तो ली मगर उसे कई गुना अधिक रेट में सेल कर दिया। ऐसे में, सिस्टम को विचार करना चाहिए कि सरकारी जमीनों को इन्वेस्टमेंट के लिए देना कितना जरूरी है।

चीफ जस्टिस और नैतिकता

अफसरशाही ने बड़ी चतुराई से अधिकारियों को प्लॉट देने से पहले ज्यूडिशिरी से नाम मांगा था। ताकि, मामला कोर्ट-कचहरी में जाए, तो उसका इंतज़ाम रहे। इसके लिए हाई कोर्ट को पत्र लिख लिस्ट मांगी गई। मगर चीफ जस्टिस रमेश सिनहा ने सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश का हवाला देकर फाइल को आगे बढ़ने से रोक दिया। उन्होंने लिखा...सुप्रीम कोर्ट ने चूकि रियायत दर पर 'किसी को भी' जमीन देना अवैधानिक बताया है, इसलिए न्यायपालिका के लोगों को इससे बचना चाहिए। चीफ जस्टिस का यह फैसला न्यायपालिका के लोगों को कैसा लगा, ये नहीं पता। लेकिन, इस चक्कर में अफसरों का प्लॉट आबंटन भी रुक गया। राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसर जोर-जुगाड़ लगाकर इससे पहले सेरीखेड़ी के प्राइम लोकेशन पर प्लॉट लेने में जरूर कामयाब हो गए। जाहिर है, सरकारी प्लॉट विशुद्ध रूप से इंवेस्टमेंट का एक तरीका होता है। कोई उसमें मकान बनाता नहीं। चूकि, सरकारी कॉलोनियों में सड़क समेत मूलभूत सुविधाएं अच्छी होती है...पानी, बिजली और रोड का काम फोकट में हो जाता है, मगर लोकेशन बढ़ियां होने से रेट अच्छा मिल जाता है। वीआईपी रोड के पास धरमपुरा में 200 रुपए फुट में जमीन मिली थी। अब 4000 में बेच रहे हैं। प्लॉट भी छोटा-मोटा नहीं। चार-चार हजार साइज का। अफसर अगर प्रभावशाली तो इससे बड़े साइज का भी हथिया लिए।

गरीबों की आड़ में...

नकटी में गरीबों का बेजा कब्जा टूटा। बेशक, किसी का घर टूटेगा, आशियाना ढहेगा तो पीड़ा तो होगी ही। सिस्टम को उनकी व्यवस्थापन के लिए बेहतर व्यवस्था करनी चाहिए. मगर इसके साथ यह भी सत्य है...कमजोर लोगों की आड़ में कई बड़े लोगों ने बड़े स्तर पर सरकारी जमीन पर कब्जा कर लिया था। तहसील कार्यालय ने नाम के साथ कब्जा किए गए जमीनों का रकबा जारी किया है, उसे देख कोई भी हैरान हो जाएगा। 77 घर टूटे हैं, उनमें से 39 लोगों का पांच हजार से लेकर 30 हजार वर्गफुट तक जमीनों पर कब्जा था। इनमें डेढ़ दर्जन से अधिक तो 10 हजार से लेकर 29 हजार फुट वाले थे। अलबत्ता, बेचारे गरीबों का कब्जा था 500 से 1000 फुट। जाहिर है, 29 हजार वर्गफुट जमीन पर रायपुर के कई अरबपतियों का भी घर नहीं होगा। बेजा कब्जा मामलों में आमतौर पर सभी जगह ऐसा ही होता है। गरीबों की बस्तियों के बीच आसपास के भूमाफिया बड़ी जमीनों पर कब्जा कर कई-कई घर बना लेते हैं। खुद रायपुर के झुग्गी-झोपड़ियों में कई रंगदार किस्म के लोग किराये में घर चला रहे। नेताओं के ये इसलिए प्रिय होते हैं कि उनके लिए वोट की ठेकेदारी करते हैं। बेजा कब्जा टूटता है, तो यही लोग बवाल काटते हैं। असल में, विस्थापन का नियम है कि जो घर में रह रहा, उसे मकान मिलता है। ऐसे में, जब अतिक्रमण हटता है, तो सब से अधिक इन्हीं माफियाओं का नुकसान होता है। बहरहाल, नकटी में जो हुआ, उसके लिए सरकारी तंत्र भी कम जिम्मेदार नहीं है। एयरपोर्ट के सामने सरकारी जमीन पर कब्जा होता रहा. पिछले तीन चार साल में संख्या और बढ़ गईं, इसलिए कि बात फ़ैल गईं थी कि सरकार हटाने वाली है और हटाएगी तो पक्का मकान देगी. बावजूद इसके राजस्व महकमे ने आंखों पर काला चश्मा चढ़ा लिया था. ऊपर से आधार कार्ड, वोटर आईडी बनते रहे. पीएम आवास से घर तक बन गए.

बस्तर में नया नक्सलवाद

बस्तर का अपना समृद्धशाली इतिहास रहा है। मगर यह विडंबना है कि माओवादियों के जमाने से ही यह तीन विचारधाराओं में बंटना प्रारंभ हो गया था। पहला वे आदिवासी, जो अपने को हिन्दू मानते हैं। दूसरा, जो आदिवासी तो हैं मगर अपने को हिन्दू नहीं मानते। और, तीसरा धर्म बदल आदिवासी से ईसाई बने लोग...खासकर, कांकेर, नारायणपुर इलाकों में इनका प्रभुत्व है। कई बार इसको लेकर वर्ग संघर्ष और हिंसा तक भड़क चुकी है। ताजा अपडेट यह है कि नक्सलवाद के खात्मे के बाद एक खास विचारधारा के लोग लोकल और बाहरी बस्तरिया के नाम पर अपनी रोजी-रोटी का बंदोबस्त करने में जुट गए हैं। खुफिया रिपोर्ट है, दंतेवाड़ा और उसके आसपास करीब आधा दर्जन छोटी घटनाएं हुई, उसे सीधे लोकल और बाहरी से जोड़कर उत्पात मचाने का प्रयास किया गया। मसलन, स्कूटर दुर्घटना को भी बाहरी से जोड़ डाला। नक्सलवाद के बाद यह प्रभुत्व कायम करने की नई कोशिशें है, सरकार को इस खुफिया रिपोर्ट को गंभीरता से लेनी चाहिए। क्योंकि, बस्तर में नए सिरे से डेवलपमेंट कार्य शुरू होना है...केंद्रीय गृह मंत्री का दावा है कि बस्तर को देश का सबसे समृद्ध आदिवासी संभाग बनाया जाएगा। मगर लोकल-बाहरी का चक्कर आया तो फिर यह नामुमकिन हो जाएगा।

नौकर-चाकर वाला बंगला

रमन सरकार के दौर में सरकारी बंगले में 40 एसी लगाने को लेकर चर्चित हुए बीजेपी के एक सीनियर नेता को पिछली कांग्रेस सरकार में जीएडी कॉलोनी में एक बड़ा, विशाल बंगला अलॉट हुआ था। हालांकि, उसमें वे कभी रहे नहीं, उन्हें ईश्वर ने इतना दिया है कि उन्हें वहां रहने की जरूरत भी नहीं। आईएएस, आईपीएस कॉलोनी के इस बंगले में पिछले साढ़े सात साल से नेताजी के नौकर-चाकर रह रहे हैं। और, रात में कई बार इतना हुड़दंग मचा डालते हैं कि आसपास के लोगों की शामत आ जाती है। पिछली सरकार में नेताजी की पहुंच इतनी तगड़ी थी कि कोई मुंह नहीं खोल सकता था और अब तो बीजेपी की ही सरकार है। वहां रहने वाले अधिकारियों को अब निहारिका बारिक से उम्मीद बनी है। सरकार ने उन्हें गृह विभाग की जिम्मेदारी सौंपी है। निहारिका रहती भी वहीं...जीएडी कॉलोनी में। और उन्हीं के विभाग में संपदा भी आता है। सो, हो सकता है, हिम्मत जुटाकर वे मकान खाली करा लें।

प्लेसमेंट, करप्शन और बदनामी

छत्तीसगढ़ के सरकारी सिस्टम में पिछले एक दशक में बड़ा चेंज आया है। खासतौर से मुलाजिमों के मामले में। सूबे में ऐसा कोई महकमा नहीं, जहां 10, 20, 50 कर्मचारी प्लेसमेंट के नहीं। कुछ विभागों में तो पूरा सेक्शन-का-सेक्शन प्रायवेट लोगों के हाथों में है। जाहिर है, प्लेसमेंट एजेंसियों के जरिये कर्मचारियों के रखने से सरकार के खजाने पर ज्यादा लोड नहीं पड़ रहा मगर यह भी सही है कि छत्तीसगढ़ में करप्शन बढ़ने का एक कारण प्लेसमेंट एजेंसियां हैं। इसे आप ऐसे समझ सकते हैं। कारपोरेट के इस दौर में भी सरकारी नौकरियों का अपना आकर्षण है। वो चाहे डेली वेजेज या प्लेसमेंट की ही क्यों न हो। समाज में उसका अपना रुतबा होता है। सम्मानजनक ढंग से शादी-ब्याह हो जाता है। प्लेसमेंट एजेंसियां इसी का फायदा उठा रहीं। एक विभाग में भर्ती के लिए एजेंसी दो से पांच लाख वसूल रही हैं। अब, जरा बताइये, जो लोग कई लाख देकर प्लेसमेंट में नौकरी करने आएंगे तो वे गरिमा और मर्यादा थोड़े ही देखेंगे। उन्हें अपना मूलधन भी तो निकालना है। अब तो आलम यह है कि रुटीन फाइल को सरकाने के लिए भी पैसों की डिमांड की जा रही। सरकार ने सिस्टम को भले ही ऑनलाइन कर दिया है मगर आज भी एक बड़े वर्ग की निर्भरता च्वाइस सेंटरों पर ज्यादा है। सरकार ने राजस्व में बड़ा रिफार्म किया है। मगर राजस्व विभाग के एक छोटे से काम के लिए च्वाइस सेंटर जाइये, वहां बैठा आदमी कहेगा, इतना पैसा तहसील कार्यालय के फलां का और इतना मेरा। अब आम और गरीब आदमी कहां इसकी शिकायत करने जाएगा। मगर वो मन में सिस्टम की यही छबि लेकर जाएगा कि कहा कुछ जाता है, होता कुछ है। कायदे से सरकारी नुमाइंदों को प्लेसमेंट एजेंसियों की भर्ती पर नजर रखने कोई सिस्टम बनाना चाहिए। इससे न बेरोजगार लूटे जाएंगे और न इतना करप्शन बढ़ेगा। लेकिन, इस पर बड़े स्तर पर निर्णय लेने होंगे क्योंकि, सिस्टम में बैठे लोग ही इन प्लेसमेंट एजेंसियों को पाल रहे।

लाखों नौकरी

चूकि सरकारी भर्तियां लगभग बंद हैं इसलिए प्लेसमेंट के नाम पर गजबे खेल हो रहे हैं। कई विभागों में बिना कोई प्रक्रिया के कई-कई लाख मासिक पगार पर भर्तियां की जा रही। प्लेसमेंट में आपको 10 हजार से लेकर पांच लाख वेतन तक आदमी मिल जाएंगे। कई विभागों में स्थिति यह है कि वहां मैनपावर होने के बाद भी करोड़ों के काम प्रायवेट एजेंसियों को दिए जा रहे ताकि उससे अपना हित सध सकें। कर्मचारियों की संख्या में भी बड़ा झोल है। जितनी संख्या में कर्मचारी मुहैया कराने की करार होती है, कुछ विभागों में काफी कम संख्या में लोग काम कर रहे मगर पैसा पूरे का पेमेंट किया जा रहा। याने कागजों में कर्मचारी...।

ब्यूरोक्रेसी के हेल्थ गुरू

छत्तीसगढ़ के सिकेट्री रैंक के आईएएस अवनीश का इंस्टाग्राम पर बॉडी ट्रांसफार्मेशन की फोटो आई है, तब से हेल्थ और फिटनेस के फील्ड में सनसनी मची हुई है। देश के नेशनल मीडिया में भी यह खबर सुर्खिया बटोरी...इसे फिटनेस और हेल्थ गोल्स की एक नायाब केस स्टडी बताई जा रही। जाहिर है, कौन नहीं चाहता कि उसका हेल्थ अच्छा रहे...वो भी आज के दौर में। हालांकि, खुद अवनीश ने भी नहीं सोचा होगा कि इंस्टाग्राम की बॉडी ट्रांसफार्मेशन वाली फोटो गजब ढा देगी। उनके पास देश भर से फोन आ रहे...अनेक सवाल पूछे जा रहे...कैसे किए...किस जिम में जाते हो...कौन सा प्रोटीन सेक लेते हैं...डाइट क्या है? अलबत्ता, मुमकिन यह भी है, कई हेल्थ सप्लीमेंट्स कंपनियां भी उनसे संपर्क करने का प्रयास करें। अच्छा है। अवनीश ने अपना एक फील्ड और तैयार कर लिया। जनवरी 2042 में रिटायर होने के बाद हेल्थ गुरू बनने का विकल्प उनके सामने रहेगा।

आईएएस का बड़ा बैच

छत्तीसगढ़ में 2019 बैच के सभी आईएएस कलेक्टर बन गए। 6 मई को सात जिले के कलेक्टर बदले गए थे, उनमें इस बैच के विश्वदीप और रैना जमील को भी जिले में पोस्टिंग मिल गई। स्वाभाविक है, अब 2020 बैच का कलेक्टर बनना प्रारंभ होगा। 2020 बैच छत्तीसगढ़ का अब तक का सबसे बड़ा बैच हैं। इसमें आठ आईएएस हैं। हालांकि, 2019 बैच में आठ प्रमोटी आईएएस भी हैं। अब देखना है, सरकार 2019 के प्रमोटी आईएएस में से एकाध को पहले मौका देगी या फिर 2020 बैच शुरू कर देगी। चूकि 20 बैच सबसे बड़ा है, लिहाजा इस साल खाता भले खुल जाए मगर कंप्लीट होना नामुमकिन है। अगले साल मई-जून तक जाकर ये बैच कलेक्टरी में पूरा हो पाएगा। तब तक वेट करना पड़ेगा.

पोस्टिंग और मिम्स

आईएएस जयंत नाहटा को पिछली सरकार में दंतेवाड़ा का एसडीएम बनाया गया था। उसके बाद वहां तीन कलेक्टर बदल गए। विनीत नंदनवार के समय एसडीएम की पोस्टिंग हुई थी। उसके बाद मयंक चतुर्वेदी, कुनाल दुदावत और अब देवेश धुरव कलेक्टर हैं। मगर एसडीएम नहीं बदले। अब वे वहीं पर जिला पंचायत सीईओ हैं। दंतेवाड़ा में इस पर खूब मिम्स बनाए जा रहे, एसडीएम, सीईओ के बाद क्या नाहटा दंतेवाड़ा में ही कलेक्टर बनाए जाएंगे। हालांकि, नाहटा ही नहीं, कई जिला पंचायत सीईओ का तीन साल से ऊपर हो गया है. राज्य प्रशासनिक सेवा में भी ऐसे कई दृष्टांत है...कई अफसर चार साल से एक ही जगह पर बोर हो गए हैं। विधानसभा चुनाव 2023 के समय जिनका दो बरस पूरा नहीं हुआ था, वे ट्रांसफर से बच गए थे। इसके बाद सरकार उन्हें भूल सी गई. जाहिर है, बेहतर रिजल्ट के लिए टाइम पर अफसरों का रोटेशन होते रहना चाहिए।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. छत्तीसगढ़ में 13 मंत्री हैं, मगर बीजेपी और विपक्ष के टारगेट पर सिर्फ ओपी चौधरी क्यों?
2. कुर्सी बचाने के लिए किस मंत्री ने कामख्या के एक तांत्रिक से बकरा बलि अनुष्ठान कराया है?

मानसून सत्र में विधायकों ने लगाए 1033 सवाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा का पांच दिवसीय मानसून सत्र 13 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। सत्र के लिए विधायकों ने कुल 1033 सवाल लगाए हैं। विपक्षी दल कांग्रेस ने अपनी रणनीति तेज कर दी है और सरकार को कई अहम मुद्दों पर घेरने की तैयारी कर ली है। कांग्रेस पहले ही संकेत दे चुकी है कि किसानों, युवाओं और आम जनता से जुड़े मुद्दों को सदन में प्रमुखता से उठाया जाएगा। पांच दिन के इस मसनसून सत्र में विपक्ष के तेवर आक्रामक रहने के संकेत हैं। प्रश्नकाल, शून्यकाल और ध्यानाकर्षण प्रस्तावों के दौरान सरकार और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिल सकती है। विपक्ष का सबसे बड़ा हमला प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर होने की संभावना है। हाल के दिनों में हत्या, चाकूबाजी, महिलाओं के खिलाफ अपराध और नशे के बढ़ते मामलों को लेकर कांग्रेस सरकार से जवाब मांगेगी। विपक्ष का आरोप है कि प्रदेश में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं है। मानसून सत्र में किसानों को खाद-बीज की उपलब्धता, सिंचाई व्यवस्था, बिजली आपूर्ति, धान खरीदी की तैयारियों और कृषि से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी सरकार को घेरा जाएगा। विपक्ष का कहना है कि खरीफ सीजन के दौरान किसानों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। रायपुर के नकटी गांव में भूमि अधिग्रहण, बेदखली और विधायक कॉलोनी के प्रस्तावित निर्माण को लेकर चल रहा विवाद भी सदन में गूंज सकता है। हाल ही में भाजपा सांसद ने भी विस्थापन की कार्रवाई पर अपनी ही सरकार से सवाल उठाए, जिससे मामला और राजनीतिक हो गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली कटौती, पेयजल संकट, स्कूलों से जुड़े विवादित फैसले तथा मानसून के दौरान बाढ़, जलभराव और राहत कार्यों की स्थिति भी विपक्ष के एजेंडे में शामिल है। हाल की बारिश और आपदा प्रबंधन को लेकर भी सरकार से जवाब मांगा जा सकता है।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

बाघ की मुंडी भी जब्त

चार से अधिक बाघों के शिकार की आशंका पर जांच आगे बढ़ी

सबसे ज्यादा कांकेर और बस्तर में शिकार

टाइगर निशाने पर क्योंकि अंग बिकते हैं महंगे

अबूझमाड़ से महाराष्ट्र सीमा तक फैला तस्करों का जाल, आधा दर्जन और शिकारी दबोचे गए

गिरीश केशरवानी ▶▶| रायपुर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की सरहद पर सक्रिय बाघ की खाल और अंगों की तस्करी करने वाले एक अंतरराज्यीय रैकेट का एंटी पोचिंग स्क्वाड ने बड़ा भंडाफोड़ किया है। इंद्रावती टाइगर रिजर्व में बाघ की खाल के साथ गिरफ्तार हुए दो पुलिसकर्मियों से मिली कड़ी के बाद संयुक्त टीम ने अबूझमाड़ और महाराष्ट्र सीमा पर छापामार ▶▶| शेष पेज 6 पर

नक्सलियों के पूर्व मददगार अब बने तस्करों के 'कुरियर ब्वाय'

इस पूरे मामले में एक बेहद गंभीर और चौंकाने वाला पहलू सामने आया है। राज्य में जनवरी से नक्सलवाद के खात्मे की शुरुआत के बाद एक नया ट्रेंड देखा जा रहा है। पूर्व में जो लोग बस्तर के अंदरूनी इलाकों में नक्सलियों के मददगार (लोकल नेटवर्क) के रूप में काम करते थे, वे अब आत्मसमर्पण या नक्सली बैकफुट के बाद इस अंतरराष्ट्रीय शिकारी रैकेट के ▶▶| शेष पेज 6 पर

अंतरराष्ट्रीय बाजार का 'रेट कार्ड'

करोड़ों में बिकते हैं बेजुबानों के अंग

सूत्रों के अनुसार बाघ और तेंदुआ (खाल और हड्डियां) अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक बाघ की खाल 15 लाख से 50 लाख तक में बिकती है। वहीं, इसकी हड्डियों की कीमत 3 लाख से 5 लाख रुपए प्रति किलो है। चीनी पारंपरिक दवाओं में बाघ की हड्डियों का इस्तेमाल 'दर्द निवारक' और 'मर्दाना ताकत' बढ़ाने के अंधविश्वास में किया जाता है। इनके नाखून और दांत 10,000 से 50,000 में 'बुरी नजर' से बचने के लॉकेट के रूप में बिकते हैं। शिकारी भालू को मारकर उसका पित्ताशय (गॉल ब्लैडर) निकाल लेते हैं, जो 1 लाख से 3 लाख में बिकता है। इसमें पाए जाने वाले 'उर्सोडॉक्सीकोलिक एसिड' का इस्तेमाल चीन में कैंसर और लीवर की महंगी दवाएं बनाने में होता है। पैंगोलिन दुनिया में सबसे ज्यादा तस्करी का शिकार होने वाले इस जीव के शल्क 50,000 से 1 लाख रुपये प्रति किलो तक बिकते हैं। अंधविश्वास है कि इसके शल्क से तांत्रिक कवच और कामोत्तेजक दवाएं बनती हैं। सरगुजा और धरमजयगढ़ बेल्ट में हाथी दांत की तस्करी के लिए हाथी निशाना बनते हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाथी दांत 2 लाख से 4 लाख प्रति किलो तक बिकता है, जिससे चीन और जापान में स्टेटस सिंबल की मूर्तियां और मुहरें (हांको) बनाई जाती हैं।

आंकड़ों में शिकार

- कांकेर जिलाः तस्करों का सबसे बड़ा गढ़
- 30 नवंबर 2014ः 2 बाघों की खाल जब्त
- 18 दिसंबर 2014ः 1 बाघ की खाल जब्त
- 06 जनवरी 2015ः दोबारा एक साथ 2 बाघों की खालें बरामद
- 21 अप्रैल 2016ः 1 बाघ की खाल जब्त
- 08 दिसम्बर 2019ः 1 बाघ की खाल जब्त। ▶▶| शेष पेज 6 पर

सोने का सच्चा भाव

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%)	₹109708/-
22 कैरेट रेट (91.60%)	₹133990/-
24 कैरेट रेट (99.99%)	₹146262/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

aNaND Jewels

Pandri, Raipur

सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले भारतीय क्रिकेटर

वैभव ने रचा इतिहास

आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने का मिला रिवॉर्ड

आईपीएल 2026 में वैभव सूर्यवंशी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब जीता था। उन्होंने 16 मैचों की 16 पारियों में 776 रन बनाए थे और ऑरेंज कैप विजेता भी रहे थे।

ध्वस्त कर दिया सचिन का रिकॉर्ड

उम्रः 15 वर्ष, 99 दिन

अंग्रेजों की धरती पर सूर्यवंशी का वैभवशाली आगाज

मैनचेस्टर। आखिरकार तीन मैचों के इंतजार के बाद वैभव सूर्यवंशी का अंतरराष्ट्रीय डेब्यू हो गया। वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 मैच में अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने के साथ ही इतिहास रच दिया है। वे भारत के सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। मैनचेस्टर में खेले जा रहे इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी को संजू सैमसन की जगह भारतीय टीम का हिस्सा बनाया गया। 27 मार्च 2011 को बिहार के समस्तीपुर में जन्में वैभव सूर्यवंशी ने 15 वर्ष और 99 दिन की उम्र में ही इंटरनेशल डेब्यू कर लिया है और सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया है। आज से पहले सचिन तेंदुलकर भारत के लिए सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने वाले क्रिकेटर थे। उन्होंने 18 दिसंबर 1989 को पाकिस्तान के खिलाफ 16 वर्ष और 205 दिन की उम्र में भारतीय टीम के लिए डेब्यू किया था।

बदहाल स्कूलों की खबर पर जागी सरकार जर्जर स्कूलों के दिन बहुरेंगे, करोड़ों स्वीकृत

स्कूल खुलने से पहले जर्जर स्कूलों की दयनीय दशा को लेकर हरिभूमि में खबरों के प्रकाशन का असर हुआ है। शासन ने इसे संज्ञान में लेते हुए जिलों में जर्जर स्कूल भवनों की मरम्मत के लिए राशि स्वीकृत की है। सबसे ज्यादा राशि स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के गृह जिले दुर्ग के लिए मंजूर किए गए हैं। दुर्ग जिले में जर्जर स्कूलों के लिए 5.50 करोड़ मिले हैं। वहीं राजनांदगांव और मैनपुर में भी स्कूलों की मरम्मत के लिए फंड जारी किया गया है। साथ ही निर्देश दिया गया है कि स्कूलों की मरम्मत जल्द से जल्द की जाए।

दुर्ग-देवीलाल साहू/राजनांदगांव-हफीज खान/ मैनपुर- शेख हसन खान की विशेष रिपोर्ट

खबर का असर

दुर्ग जिले में जर्जर स्कूलों की दशा सुधारने के लिए राज्य शासन ने 5.50 करोड़ रुपए दिए हैं। इन पैसों से दुर्ग शहरी क्षेत्र के 66 जर्जर स्कूलों की दशा सुधरेगी। जिले में कुल 159 स्कूल जर्जर हैं। इनमें से 80 पूर्णतः डिसमेंटल योग्य है।

हरिभूमि की जर्जर स्कूलों की खबर स्कूल खुलने से पहले प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। इस खबर को संज्ञान में लेते हुए शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने तत्काल शहरी क्षेत्र के लिए पैसे मंजूर कर भिजवाए हैं। शेष जर्जर स्कूलों के लिए जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद कुमार मिश्रा ने लोक शिक्षण संचालनालय रायपुर को प्रस्ताव भेजा है। 80 डिसमेंटल योग्य स्कूलों को डिसमेंटल करने के लिए विभाग ने संबंधित एजेंसी आरईएस को सूची उपलब्ध करवा दी है। खास बात यह है कि आरईएस की गति इतनी सुस्त है कि जहां जर्जर कमरों ▶▶| शेष पेज 6 पर

शिक्षा मंत्री के गृह जिले दुर्ग को मिले 5.50 करोड़, राजनांदगांव के लिए 64 लाख

सरकारी स्कूलों की होगी मरम्मत

राजनांदगांव जिले में मरम्मत की दरकार वाले जर्जर स्कूलों को लेकर हरिभूमि में खबर प्रकाशित करने के बाद अब इन स्कूलों की मरम्मत के लिए 64 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। जिससे जर्जर स्कूल भवनों का मरम्मत कार्य कराया जाएगा। लगभग दो वर्षों से जिले में जर्जर शाला भवनों को लेकर शिक्षा विभाग द्वारा उच्च स्तर पर मरम्मत के लिए प्रस्ताव भेजा जा रहा था। लेकिन बीते वर्ष इन स्कूलों की मरम्मत नहीं हो पाई थी। जिले में ▶▶| शेष पेज 6 पर

शाला विकास समिति करा सकेगी मरम्मत

शिक्षा विभाग द्वारा शाला भवन प्राइमरी के लिए 80 हजार रुपए, हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूल के लिए 1 लाख 20 हजार रुपए तक का मरम्मत की स्वीकृति दी गई है। मरम्मत शाला विकास समिति द्वारा कराया जा सकता है।

छोटे मरम्मत कार्य के लिए नहीं होगी देरी

जर्जर स्कूलों की मरम्मत के लिए राशि स्वीकृत होने के बाद अब छोटे मरम्मत कार्य जैसे बारिश में दीवार और छत की सीपेज ठीक करवाने इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

पहाड़ी के ऊपर बसे गांव में बन रहा है स्कूल भवन

गरियाबंद जिले के आदिवासी विकासखण्ड मैनपुर क्षेत्र मे बदहाल और जर्जर स्कूल भवन के कारण स्कूली छात्र छात्राओ को भारी परेशानियो का सामना करना पड़ रहा है। इस खबर के हरिभूमि में प्रमुखता से प्रकाशन के बाद अब हायर सेकेण्डरी स्कूल के लिए राज्य सरकार द्वारा 34 लाख रुपए स्वीकृत किया गया है जिससे चार अतिरिक्त कमरे का निर्माण किया जाएगा। वहीं दुर्गम पहाड़ी के ऊपर बसे गांव ताराझर गांव में स्कूल भवन बन रहा है। वहीं मैनपुर विकासखण्ड के बीहड़ पहाड़ी ताराझर, कुरवापानी जैसे गांवो मे आजादी ▶▶| शेष पेज 6 पर

हरिभूमि-आईएनएच का जिला संवाद महासमुंद में होगा आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

जिले की प्रगति और संभावनाओं सहित जनहित से जुड़े मुद्दों पर हरिभूमि-आईएनएच द्वारा आयोजित जिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन बागबाहरा मार्ग स्थित अंबेडकर भवन में 5 जुलाई रविवार शाम 4 बजे होने जा रहा है। कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथि हरिभूमि आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के सवालों का जवाब देंगे। साथ ही जिले के आगामी विकास को लेकर चर्चा होगी। जिले के प्रभारी एवं खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, सांसद महासमुंद श्रीमती रुपकुमारी चौधरी के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि,अधिकारी और शहर के प्रमुख जन अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होंगे। जिला संवाद में चंद्रहास चंद्राकर ▶▶| शेष पेज 6 पर

करंट लगने से 5 लोगों की मौत, बिलासपुर में मां और दो बेटे, रायपुर में दो मजदूर मरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/बिलासपुर

छत्तीसगढ़ में शनिवार को करंट की चपेट में आने से रायपुर और बिलासपुर में पांच लोगों की मौत हो गई। रायपुर के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र, प्रोफेसर कॉलोनी में सुरक्षा उपकरणों के बिना मकान की छत पर सोलर पैनल लगा रहे दुर्ग निवासी दो युवा मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरा हृदयविदारक हादसा बिलासपुर जिले के कोटा थाना क्षेत्र का है, जहां खेत में मवेशियों को रोकने के लिए जीआई तार की घेराबंदी करने के दौरान करंट की चपेट में आने से एक ही ▶▶| शेष पेज 6 पर

घेराबंदी के दौरान करंट दौड़ने से मां और दो बेटों की थमी सांसें

खेत में जीआई तार से घेरा बनाते समय आए करंट के चपेट में

खेत में जीआई तार व रस्सी से घेरा बनाने के दौरान करंट की चपेट में आकर मां व दो बेटों की मौत हो गई है। बोरवेल का तार टूटने से जीआई तार में करंट फैल गया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोटा पुलिस के अनुसार, ग्राम भाड़म निवासी दसन बाई पति सीताराम सिंगरौल 45 साल के ▶▶| शेष पेज 6 पर

मां दो बेटे की मौत

बोरवेल का तार टूट कर जीआई तार पर गिर गया था जिससे करंट फैल गया। करंट की चपेट में आने से मां व दो बेटों की मौत हुई है।

नूपुर उपाध्याय, एसडीओपी ,कोटा

सरकार ने दिए रोक लगाने के आदेश, कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

टेलीग्राम पर फ्री नहीं मिलेंगी फिल्में और वेब सीरीज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने 'टेलीग्राम' ऐप को नोटिस जारी कर उसके मंच के जरिए 'पायरेटेड' (कॉपीराइट धारक की अनुमति के बिना अवैध रूप से इस्तेमाल कर साझा की गई) फिल्मों, ओटीटी ('ओवर-द-टॉप') सामग्री और अन्य दृश्य-श्रव्य सामग्री के 'बड़े पैमाने पर प्रसार' पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। सरकारी अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने टेलीग्राम से इस संबंध में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट 15 दिन के भीतर देने को कहा है। अधिकारियों ने कहा कि सरकार का यह

रुख 'पायरेटेड' सामग्री को टुकड़ों में हटाने के बजाय 'मंच की जवाबदेही' तय करने की दिशा में बदलाव को दर्शाता है। ऐसा बताया जा रहा है कि मंत्रालय ने टेलीग्राम से कहा है कि कॉपीराइट का उल्लंघन केवल दीवानी उल्लंघन नहीं, बल्कि कॉपीराइट अधिनियम, 1957 और सिनेमैटोग्राफ अधिनियम, 1952 के तहत फौजदारी अपराध भी है। टेलीग्राम को जून में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की पुनर्परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र लीक को रोकने के लिए भारत में अस्थायी रूप से एहतियातन 'ब्लॉक' (प्रतिबंधित) कर दिया गया था।

अधिकारियों ने कहा, मंत्रालय ने स्पष्ट कर दिया है कि टेलीग्राम केवल इस बात का इंतजार नहीं कर सकता कि सरकार कॉपीराइट का उल्लंघन करने वाले प्रत्येक चैनल की एक-एक करके पहचान करे। समुचित सावधानी बरतने की बात को साबित करने के लिए केवल शिकायत मिलने पर एक-एक चैनल को हटाने का तरीका पर्याप्त नहीं हो सकता।

यूजरनेम फीचर पर भी नोटिस

गौरतलब है कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने टेलीग्राम और एक अन्य संदेश सेवा ऐप 'सिग्नल' को उनके मौजूदा 'यूजरनेम फीचर' को लेकर नोटिस जारी किए हैं। इस बीच, सूत्रों ने बताया कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने निर्माताओं, ओटीटी मंचों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए टेलीग्राम के शिकायत निवारण तंत्र का विवरण भी मांगा है।

जांच के बाद होगी कार्रवाई

इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा, सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि कॉपीराइट का उल्लंघन करने वाली सामग्री लगातार उपलब्ध रहने, नियमों के पालन से बचने के प्रयास या अधूरा जवाब दिए जाने पर लागू कानूनी ढांचे के तहत आगे जांच और कार्रवाई की जा सकती है। अधिकारी ने कहा कि यह कदम भारत में सामग्री बनाने वालों से जुड़ी अर्थव्यवस्था, फिल्म उद्योग, प्रसारकों, ओटीटी मंचों, निर्माताओं और वितरकों के हितों की रक्षा के लिए उठाया गया है।

अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण आजकल काफी चर्चा में है। इससे करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, विश्वास और श्रद्धा पर गहरी चोट पहुंची है। सवाल उठता है कि इस मामले में कहां चूक हुई और क्या किया जाना चाहिए था, जिसका पालन नहीं हो पाया? आखिर प्रबंधन को लेकर ऐसी क्या व्यवस्था बनाई जाए, जिससे मंदिरों के कामकाज में पारदर्शिता आए, जबकि देश के अनेक प्रमुख मंदिरों खास तौर पर दक्षिण के प्रबंधन इतने अच्छे हैं कि उनमें ज्यादा परिवर्तन या हस्तक्षेप की आवश्यकता ही नहीं है। आज भी वहां समितियों की बैठकें होती हैं और उनके अनुसार निर्णय भी होते हैं। उनकी प्रबंधन समितियां बड़े स्तर पर श्रद्धालुओं और दान का प्रबंधन करती हैं। उत्तर भारत के मंदिर इनसे क्या सबक ले सकते हैं? सभी बड़े धार्मिक संस्थान में दान प्रबंधन को लेकर समय-समय सार्वजनिक जानकारी, नियमित ऑडिट और पारदर्शी वित्तीय रिपोर्टिंग से भ्रम की स्थिति को कम किया जा सकता है। हालांकि राम मन्दिर चन्दा मामले की जांच संबंधित राज्य सरकार द्वारा करवाई जा रही है। दूसरी ओर, क्या राममंदिर चढ़ावा चोरी विवाद भारतीय जनता पार्टी को राजनीतिक रूप से प्रभावित करेगा। यदि हां तो कितना और नहीं तो क्यों नहीं? *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

सरकारी व्यवस्था से परे हो मंदिर प्रबंधन

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

काफी समय से मंदिरों के प्रबंधन को लेकर देश में लगातार बहस और विमर्श चल रहा है। मंदिरों से सरकारी नियंत्रण हटाने को लेकर उच्चतम न्यायालय में याचिका भी पड़ी हुई है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दान चोरी के बाद इस विषय को एक बहुत बड़े वर्ग ने नए सिरे से गर्म करने की कोशिश की है। इनमें नेताओं, निहित स्वार्थी तत्वों, मंदिरों के महत्व से अनभिज्ञों आदि की बड़ी संख्या शामिल है। हालांकि संपूर्ण इतिहास में किसी धार्मिक स्थल की कोई भी व्यवस्था शत- प्रतिशत बेईमानी, पाप, भ्रष्टाचार को रोकने में सफल हुई हो इसके उदाहरण न के बराबर हैं। प्रश्न यही है कि आखिर श्रेष्ठतम व्यवस्था क्या हो सकती है? मंदिरों के आविर्भाव के साथ भारत में इसकी स्थापित परंपराएं हैं।

पिछले काफी समय से मंदिरों के प्रबंधन को लेकर देश में लगातार बहस और विमर्श चल रहा है। मंदिरों से सरकारी नियंत्रण हटाने को लेकर उच्चतम न्यायालय में याचिका भी पड़ी हुई है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दान चोरी के बाद इस विषय को एक बहुत बड़े वर्ग ने नए सिरे से गर्म करने की कोशिश की है। इनमें नेताओं, निहित स्वार्थी तत्वों, मंदिरों के महत्व से अनभिज्ञों आदि की बड़ी संख्या शामिल है। हालांकि संपूर्ण इतिहास में किसी धार्मिक स्थल की कोई भी व्यवस्था शत- प्रतिशत बेईमानी, पाप, भ्रष्टाचार को रोकने में सफल हुई हो, इसके उदाहरण न के बराबर हैं। हां, ऐसा करने वालों को दंड, पाप मोचन तथा सुधार की व्यवस्था सतत् रही है।

इसके बावजूद हमारे मंदिर हर दृष्टि से धार्मिक मान्यताओं और हमारी आस्थाओं के अनुरूप पावन पुण्य स्थल बन रहें, श्रद्धालुओं के मन में वहां से जीवन में शुचिता, नैतिकता, सेवा, दान व ईमानदारी की प्रेरणा मिले इसके लिए मनुष्य के रूप में जितना संभव है, श्रेष्ठतम व्यवस्था होनी चाहिए। प्रश्न यही है कि आखिर श्रेष्ठतम व्यवस्था क्या हो सकती है? मंदिरों के आविर्भाव के साथ भारत में इसकी स्थापित परंपराएं हैं। सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि हमारे मंदिर केवल कर्मकांड, पूजा- पाठ व दर्शन के केंद्र नहीं थे। मंदिरों की भूमिका समाज के मुख्य शक्ति केंद्र के रूप में भी थी। आज भी प्रमुख मंदिरों द्वारा शिक्षालय, अस्पताल, औषधालय,योग आश्रम, विचार प्रसार केंद्र, पुस्तकालय, वाचनालय, प्रकाशन, मुफ्त भोजनालय, समाज के निर्धन निराश्रित लोगों की सहायता सेवा आदि संचालित होते हैं।

यह उसी परंपरा का अंग है। ज्यादातर मंदिर ऐसा करते हुए प्रचार-प्रसार में नहीं पड़ते ते इसलिए दुनिया में ईसाई मिशनरियों ने ही यह भाव फैलाया है कि दान, गरीबों की सेवा, मनुष्य को शिक्षित करने की भूमिका केवल वही निभाते हैं। यह सरासर झूठ है। साफ है कि अगर मंदिरों के प्रबंधन की बात करें तो उसके पूरे व्यापक आयाम को ध्यान में रखकर ही आप किसी निष्कर्ष पर पहुंच सकते हैं।

संपूर्ण देश के लिए एक संरचना उपयुक्त नहीं

वस्तुतः मंदिरों को सरकारी व्यवस्था, ट्रस्ट तंत्र के हवाले करना सच कहें तो धार्मिक विधान के ही विपरीत है और उससे उसकी मूल स्वायत्तता दुष्प्रभावित हो जाती है। झूठे वही खाता बनाने पड़ते हैं। दूसरे, संपूर्ण देश के लिए कोई एक संरचना उपयुक्त नहीं हो सकती।

यह भी ध्यान रखिए कि भारत के अनेक प्रमुख मंदिरों के प्रबंधन इतने अच्छे हैं कि उनमें ज्यादा परिवर्तन या हस्तक्षेप की आवश्यकता ही नहीं है। आज भी समितियों की बैठकें होती हैं और उनके अनुसार निर्णय भी होते हैं। मूल बात हिंदू समाज के सांस्कृतिक पुनर्जागरण की है जो आगे बढ़ रही है। अच्छा हो कि धर्म तंत्र, धार्मिक विशेषज्ञ, समाज क्षेत्र में इसके अन्य ज्ञाता, आस्थावान इतिहासकार सब मिलकर धार्मिक विघ्नों एवं परंपराओं के आरोप स्थानीय स्थान पर व्यवस्था बनाएं। मंदिरों के महत्व, उनकी व्यवस्था को न जानने वाले निहित स्वार्थी तत्वों के हल्ला बोल में पड़ने की आवश्यकता नहीं।

समाज और सत्ता का समन्वय

राजा या वैभवशाली, संपन्नशाली लोग मंदिर अवश्य बनवाते थे और प्रबंधन में उनकी भूमिका भी होती थी, पर संपूर्ण निजी मंदिरों को छोड़कर नियंत्रण जैसी स्थिति नहीं रही। उसके संपूर्ण विधि विधान ही नहीं, प्रबंधन की विधियां भी धर्म क्षेत्र - द्वारा ही निर्धारित होती थी। मंदिर के प्रबंध का सूत्र समाज क्षेत्र और सत्ता तंत्र के समन्वय से होता था। दक्षिण में आगमों के द्वारा मंदिर के पूजा विधान तय होते थे। समाज की समितियां कई बार जिसे सभा - महासभा कहते थे जिनमें विद्वान बुजुर्ग आदि होते थे, प्रतिदिन की व्यवस्था संभालते थे। आज भी हम दक्षिण के कुछ मंदिरों के अंदर धन देख, सुनकर चकित होते हैं और कई प्राचीन राज परिवार अभी भी मंदिरों की प्रमुख भूमिका में हैं। पर उनका नियंत्रण नहीं है। भाव यही है कि हम केवल उस धन के न्यासी हैं, उनमें से रति भर भी स्वयं के लिए उपयोग करने का अधिकार हमें नहीं है।

चैरिटेबल सोसायटी एक्ट

यह भी समझने की आवश्यकता है कि भारत में विविधताओं के बीच मूल भाव एक ही रहा है किंतु स्थानीय प्रकृति , परंपरा, रीति - रिवाज , धार्मिक आस्थाएं, ज्ञान आदि के अनुसार ही मंदिरों के प्रबंधन होते थे। हजार वर्षों के आक्रमणों, परकीय शासनों के कारण समस्याएं पैदा हुई और स्वतंत्रता के बावजूद जीवन का मूल होते हुए भी समाज की प्राथमिकता में नहीं रहा। बावजूद आज भी प्रमुख मंदिरों की व्यवस्था अपनी स्थापित परंपरा के अनुसार अभी भी काफी हद तक उपयुक्त और प्रेरणादायी हैं। दरअसल, अंग्रेजों ने भारत को हर दृष्टि से गुलाम करने के लिए 1860 में चैरिटेबल सोसायटी एक्ट बनाया तथा सभी के लिए इस कानून के तहत निबंधन अनिवार्य किया। इस एक कानून ने पूरे भारत में मंदिरों से लेकर सेवा परंपराओं सहित दान शालाओं, शिक्षा शालाओं की प्रकृति को ही विकृत कर दिया। आज भी ऐसे सरकारी विभागों की दशा कैसी है, वे कैसा व्यवहार करते हैं यह अनुभव दिल दहलाने वाला है।

व्यवस्था में भ्रष्टाचार का दलदल

कम से कम इस तरह के प्रबंधन से मंदिरों की स्वतः स्फूर्त सुधार व्यवस्था के साथ-साथ पूरा कर्मकांड तक दुष्प्रभावित होता है। राज्यों के धार्मिक न्यास बोर्डों के हस्तक्षेप के कारण धार्मिक, सत्यनिष्ठ, नैतिक लोगों के लिए भी मंदिर का संचालन कठिन हो जाता है। मंदिरों में तात्कालिक कई खर्च ऐसे होते हैं जो दे दिए पर उनका हिसाब-किताब रखना कठिन होता है। कई बार कुछ निर्माण होते हैं जिनके सम्पूर्ण व्यय को लिखना लगभग असंभव होता है।

न्यास बोर्डों को उनके फॉर्मेट के अनुरूप के साथ हिसाब - किताब चाहिए होता है। इनको पुजारी की नियुक्ति से लेकर प्रबंधन तक में हस्तक्षेप का अधिकार कई राज्यों में है। इस कारण पूरी व्यवस्था भ्रष्टाचार के दलदल में फंस गई। हिंदू समाज के पतन के कारण गांवों व शहरों के बड़ी संख्या में मंदिरों की संपत्तियों पर स्थानीय लोगों, बाहुबलियों और प्रभावी लोगों का कब्जा हो गया है और मंदिर पतन की अवस्था में हैं।

निगरानी, जवाबदेही और पूर्ण पारदर्शिता जरूरी

व्यवस्था

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

सनातन संस्कृति में कोई भी मंदिर लोगों की आस्था, विश्वास और श्रद्धा का प्रतीक होता है। मगर जब मंदिरों की कुव्यवस्था को लेकर स्वर उठने लगते हैं तो आस्था, विश्वास और श्रद्धा पर गहरी चोट पहुंचती है। अयोध्या के राम मंदिर में यही हुआ है। दान की चोरी का मामला बेहद निंदनीय है। करोड़ों लोगों की आस्था, लंबे संघर्ष और सामाजिक-राजनीतिक संघर्ष के बाद यह मंदिर दोबारा अस्तित्व में आया था। यह मंदिर केवल धर्म-अध्यात्म का केंद्र ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति का प्रतीक है। इसलिए दान में चोरी का मामला वित्तीय अनियमितता से ज्यादा गंभीर है। अयोध्या का राम मंदिर मामला इन दिनों सुर्खियों में है। हर कोई इस घटना की निंदा कर रहा है। अपनी चिंताएं व्यक्त कर रहा है। चढ़ावे या चंदे की लूट की चर्चा धर्मानुरागियों को आहत कर रहा है। इस मामले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि इसके दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। यह एक असाधारण और अति निंदनीय घटना है, जिसमें माफी की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। उन्होंने मंदिर प्रबंधन और सरकार से इस मामले में सख्त कार्रवाई करने की अपील भी की। इससे राम भक्तों की भावनाएं आहत हुईं हैं। पूछताछ और जांच की कार्रवाई चल रही है। राम मंदिर में चढ़ावा की जांच कर रही एसआईटी टीम ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पिछले पांच सालों के खातों को फिर से आडिट करेगा, क्योंकि शुरूआती जांच में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं के संकेत मिले हैं। देश में ऐसे कई मंदिर हैं जो कई बार चढ़ावे या चंदा गबन के कारण चर्चा में रहे हैं। ऐसे में न केवल उन मंदिरों के प्रबंधन को भी चुस्त—दुरूस्त रहना चाहिए, बल्कि स्थानीय प्रशासन और सरकार को निगरानी बढ़ाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जनवरी 2024 को अयोध्या के राम मंदिर का उद्घाटन किया था। तभी से मंदिर में बड़ी मात्रा में चढ़ावा आ रहा है। साल 2024-25 में मंदिर ट्रस्ट ने कुल 327 करोड़ रुपए की आमदनी बताई थी, जिसमें 153 करोड़ चढ़ावे के रूप में मिली थीं। सब कुछ ठीक चल रहा था लेकिन 7 जून 2026 को समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक पवन पांडेय ने आरोप लगाया कि राम मंदिर के दान पात्रों से लगभग 7 करोड़ से ज्यादा रुपए का गबन हुआ है। इन आरोपों से पूरी अयोध्या में राजनीतिक भूचाल आ गया। इसके बाद भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा और कथित चंदा चोरी मामले की सीबीआई जांच की मांग की। तुरंत बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस कथित चंदा चोरी जांच के लिए तीन सदस्यों वाली एसआईटी का गठन कर दिया। एसआईटी ने कैश हैंडलिंग प्रक्रिया और डोनेशन बॉक्स की जांच की, सीसीटीवी फुटेज खंगाला और वहां के कर्मचारियों से बात की तो कई विरोधाभास नजर आया। एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट के बाद राज्य सरकार ने सख्ती दिखाई। नतीजतन, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने कुछ कर्मचारियों सहित आठ संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इसी कारण ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को भी अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। पूरी कहानी से यह स्पष्ट होता है कि इस प्रसिद्ध मंदिर में आस्था, विश्वास और श्रद्धा का जो सैलाब उमड़ा, उनसे जो चढ़ावा मिला, उसे मंदिर ट्रस्ट सही रूप से व्यवस्थित रखने में नाकाम साबित हुआ। हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि मंदिर ट्रस्ट को मई अंतिम सप्ताह में ही कथित चंदा चोरी की भनक लगी थी, जब बैंकों में जमा हो रही रकम और दान पेटियों में कम चढ़ावा मिलने का शक हुआ था। उसके बाद वहां हिडन कैमरे लगा दिए थे और चौकसी बढ़ा दी गई थी। बावजूद इसके, कुछ लोभी प्रवृत्ति के लोगों ने इस घोटाले को अंजाम दिया। यह घोटाला अब सरकार और जनता की अदालत से आगे कानून की अदालत तक पहुंच चुका है। इस मामले में चाक-चौबंद व्यवस्था होती तो शायद यह दिन नहीं देखना पड़ता। राम मंदिर में अब तक जो भी दान प्राप्त हुआ, वह करोड़ों लोगों की आस्था की अमानत है। दान राशि के प्रबंधन में पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है। श्रद्धालुओं को नियमित रूप से यह जानकारी मिलनी चाहिए कि कितनी राशि प्राप्त हुई और उसका उपयोग किन कार्यों में किया जा रहा है। इसके लिए स्वतंत्र ऑडिट, वार्षिक वित्तीय रिपोर्ट, सार्वजनिक आय-व्यय विवरण और डिजिटल दान प्रणाली को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। किसी भी धार्मिक संस्था की सबसे बड़ी पूंजी लोगों का विश्वास होता है और यह विश्वास पारदर्शिता एवं नियमित संवाद से ही मजबूत होता है। हालांकि राम मंदिर ट्रस्ट ने दलील दी है कि तमाम आरोप निराधार हैं। मंदिर निर्माण और दान राशि का पूरा लेखा-जोखा निर्धारित प्रक्रियाओं के आधार पर रखा जा रहा है। अब तक सभी वित्तीय लेनदेन कानूनी प्रक्रिया और दस्तावेजों के आधार पर किए गए हैं। जबकि विपक्षी दलों और कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा दान राशि और भूमि खरीद से जुड़े कुछ मामलों पर पारदर्शिता बढ़ाने तथा स्वतंत्र जांच की लगातार मांग की जा रही है। सभी बड़े धार्मिक संस्थान में दान प्रबंधन को लेकर समय-समय सार्वजनिक जानकारी, नियमित ऑडिट और पारदर्शी वित्तीय रिपोर्टिंग से भ्रम की स्थिति को कम किया जा सकता है। सनद रहे कि मंदिर चढ़ावा विवाद का असर बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर पर भी पड़ा है।

धार्मिक संस्थान में दान प्रबंधन को लेकर समय-समय सार्वजनिक जानकारी, नियमित ऑडिट और पारदर्शी वित्तीय रिपोर्टिंग से भ्रम की स्थिति को कम किया जा सकता है। सनद रहे कि मंदिर चढ़ावा विवाद का असर बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर पर भी पड़ा है।

लोकहित में व्यय की जाए दान की रकम

मंथन

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

अयोध्या के श्रीरामलला मंदिर के चढ़ावे की चोरी के खुलासे के बाद दक्षिण भारत के मंदिरों के प्रबंधन की ओर ध्यान जाना स्वाभाविक है। समाज के एक वर्ग की ओर से उत्तर भारत के मंदिरों को भी सबक लेने और उनकी ही तर्ज पर प्रबंधन चलाने की मांग उठ रही है। इसकी वजह यह है कि दक्षिण भारत के बड़े मंदिरों, तिरूपति, अयप्पा, सबरीमाला, मीनांबकम् आदि के चढ़ावे की हेराफेरी की कोई जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। यह नहीं भूलना चाहिए कि श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की गिनती और उसे उचित बैंक तक पहुंचाने का भी तकरीबन वैसा ही इंतजाम किया गया है, जैसा शिरड़ी के साईं मंदिर या दक्षिण भारत के मंदिरों में किया गया है। असल समस्या मंदिर प्रबंधन में तैनात कर्मचारियों के चरित्र की है।

अगर कर्मचारी और अधिकारी ईमानदार होंगे तो फिर कड़ी व्यवस्था की जरूरत नहीं रह जाती। जहां तक दक्षिण भारत के मंदिरों के प्रबंधन की बात है तो वहां के मंदिरों का प्रबंधन मोटे तौर पर संबंधित राज्य के कानून के जरिए बनाए गए हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती बोर्ड करते हैं। हालांकि कुछ मंदिरों का प्रबंधन और संचालन उत्तर भारत के मठों की तरह वंशानुगत महंतों और ट्रस्टियों द्वारा भी किया जाता है। राज्य सरकार द्वारा गठित बोर्ड मंदिर की आय, दान, पुजारियों की नियुक्ति और प्रशासनिक व्यवस्था संभालते हैं। मोटे तौर पर यह व्यवस्था तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल और तेलंगाना के ज्यादातर बड़े मंदिरों में लागू है। इसके तहत सरकार की ओर से मंदिर के लिए एक आयुक्त और कार्यकारी अधिकारी नियुक्त होता है, जो मंदिर के रोजाना का प्रशासन, सुरक्षा और कर्मचारी आदि की व्यवस्था देखते हैं। सरकार की ओर से नियुक्त बोर्ड में स्थानीय प्रतिष्ठित लोगों, विद्वानों और सरकारी प्रतिनिधि शामिल होते हैं। बोर्ड प्रबंधन मंदिरों के चढ़ावे पर कड़ी निगरानी रखते हैं। इसके लिए विशेष तौर पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। वहां सुरक्षा बलों की भी तैनाती है। चढ़ावे से प्राप्त रकम के आय-व्यय का लेखा-जोखा राज्य सरकार हर साल कर करती है। केरल के प्रसिद्ध पद्मनाभस्वामी मंदिर और कर्नाटक के उडुपी के मठ का प्रबंधन वहां के पारंपरिक शाही परिवार या उत्तर भारत की तरह वंशानुगत मठ के महंत के जरिए होता है, लेकिन इन मंदिरों के चढ़ावे आदि पर राज्य सरकार की निगरानी होती है। दक्षिण भारत के ज्यादातर बड़े मंदिरों के आर्थिक और प्रशासनिक मामलों में राज्य सरकारों का हस्तक्षेप होता है। हालांकि मंदिर की पूजा-पद्धति, अनुष्ठान, स्थानीय त्योहार आदि के आयोजन में राज्य सरकार की कोई दखलंदाजी नहीं होती। इस पर फैसले लेने का अधिकार वहां के पुजारियों को होता है। कुछ इसी तरह का प्रबंधन उत्तर भारत के भी कुछ बड़े मंदिरों का भी होता है। उज्जैन का महाकाल मंदिर मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 1982 में पारित श्रीमहाकालेश्वर मंदिर अधिनियम के तहत गठित 'महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति' करती है। उज्जैन के जिलाधिकारी इसके पदेन अध्यक्ष होते हैं। इस समिति में उज्जैन नगर निगम के पार्षद, राज्य सरकार द्वारा नामित संस्कृत के विद्वान और पुजारी सदस्य होते हैं। जिलाधिकारी इसकी दिन-प्रतिदिन की व्यवस्था और प्रबंधन के लिए एक प्रशासक को नियुक्त करते हैं। तिरूपति देवस्थान बोर्ड की ओर से करीब 35 स्कूल, कॉलेज और उच्च शिक्षण संस्थान संचालित किए जा रहे हैं। उत्तर भारत का प्रसिद्ध वैष्णोदेवी मंदिर का भी संचालन कुछ इसी तरह होता है। 1986 में सरकार द्वारा बनाया गया श्री माता वैष्णोदेवी श्राइन बोर्ड मंदिर और उसके चढ़ावे आदि का प्रबंधन करता है। श्री माता वैष्णोदेवी श्राइन बोर्ड जम्मू-कश्मीर के कटरा में श्री माता वैष्णोदेवी विश्वविद्यालय संचालित करता है। बोर्ड कटरा में श्री माता वैष्णोदेवी गुरुकुल का भी संचालन करता है। पटना के महावीर मंदिर का प्रबंधन भी इसी तरह से जनहित के लिए महावीर कैंसर संस्थान, महावीर नेत्रालय, महावीर आरोग्यालय आदि का संचालन करता है। दक्षिण भारत के मंदिरों के प्रबंधन की तरह श्रीरामलला मंदिर के प्रबंधन की मांग का एक वर्ग विरोध भी कर रहा है। इसके लिए दक्षिण भारत के मंदिरों की व्यवस्था का उत्तर वालों को गहन अध्ययन करना चाहिए और उसी तरह की व्यवस्था को अपनाना चाहिए। चूंकि चढ़ावे की रकम आम लोगों के दान की रकम होती है, लिहाजा इस रकम को लोकहित में स्कूल और अस्पताल चलाने, गरीबों को रोजगार आदि दिलाने का इंतजाम करने के मद में खर्च किया जाना चाहिए।

दक्षिण भारत के ज्यादातर बड़े मंदिरों के आर्थिक और प्रशासनिक मामलों में राज्य सरकारों का हस्तक्षेप होता है। हालांकि मंदिर की पूजा-पद्धति, अनुष्ठान, स्थानीय त्योहार आदि के आयोजन में राज्य सरकार की कोई दखलंदाजी नहीं होती। इस पर फैसले लेने का अधिकार वहां के पुजारियों को होता है।

आपदा प्रबन्धन में माहिर है भाजपा

दान चोरी प्रकरण

सुनील अमर

स्वतंत्र पत्रकार

देश का माहौल इन दिनों अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में हुए चढ़ावा चोरी प्रकरण से उद्वेलित है। मामले की जांच भी हो रही है। अपने देश का मिजाज ही कुछ ज्यादा धार्मिक है, इसलिए धर्म-कर्म होते रहते हैं और स्वाभाविक है कि उनमें अव्यवस्थाएं भी होती रहती हैं। अयोध्या का राम मन्दिर कांड कोई पहला नहीं है। देश के कई प्रमुख मन्दिरों में इससे पहले भी ऐसे कांड होते रहे हैं जिनमें तिरुमला वेंकटेश्वर मन्दिर, सबरीमला मन्दिर, जगन्नाथ मन्दिर तथा बीते जून महीने में ही हुए योग नरसिम्हा स्वामी मन्दिर का चढ़ावा चोरी मामले चर्चित हैं। अयोध्या मन्दिर का मामला इसलिए ज्यादा उबाल ले रहा है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी ने अयोध्या आन्दोलन की नाव पर चढ़कर अपना राजनीतिक अभीष्ट प्राप्त किया।

दूसरे, सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद प्रधानमन्त्री कार्यालय ने ही इस ट्रस्ट का गठन किया, इसके सदस्यों का चयन किया और खास बात यह कि इस ट्रस्ट की गतिविधियों को सूचना के अधिकार के बाहर कर दिया। रही बात राम मन्दिर चढ़ावा चोरी कांड से जनता पर असर पड़ने की तो अगर अतीत में हम देखें तो पता चलता है कि इस देश की जनता की राजनीतिक याददाश्त और भावनाएं दोनों बहुत टिकाऊ नहीं हैं। आखिर इसी देश में आपातकाल लगा, तमाम ज्यादतियां हुईं और मौका मिलने पर जनता ने कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंका, लेकिन कुछ ही महीनों के भीतर जनता सारे दुःख भूल गई और दोबारा उसी कांग्रेस की सरकार को सत्ता में स्थापित कर दिया। असल सवाल है जनता को बहलाने-फुसलाने का और भाजपा का प्रचार तंत्र इसमें माहिर है। भाजपा को राजनीतिक और धार्मिक दोनों मोर्चों पर लड़ना आता है। सांगठनिक तौर पर भाजपा आज देश की सबसे ताकतवर पार्टी है। एक समय था कि वामदलों को कॉडर आधारित दल कहा जाता था। कांग्रेस के पास भी सेवादल हुआ करता था। बसपा संस्थापक कांशीराम ने भी पहले बामसेफ ही बनाया था लेकिन आज ये दल अपने इस मूलभूत ढांचों को खो बैठे हैं, जबकि भाजपा के साथ उसका मातृ संगठन आरएसएस अपने समस्त आनुषांगिक संगठनों के साथ आज पूरी क्षमता से कार्यरत है। ऐसे ताकतवर इन्फ्रास्ट्रक्चर से अन्य दल क्या मुकाबला कर पाएंगे।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की बात करें तो भाजपा के पास अभी आपदा प्रबन्धन का थोड़ा समय है और भाजपा इसमें पारंगत है। आखिर बीते लोकसभा चुनाव में फैजाबाद संसदीय सीट, जिसके अन्तर्गत ही अयोध्या भी आती है, सपा के हाथों हार जाने के बाद भाजपा ने इसकी एक विधानसभा सीट मिल्कीपुर को उपचुनाव में येन-केन-प्रकारेण जीत ही लिया था और प्रचारित किया था कि अयोध्या की जनता भाजपा से नाराज नहीं है। दूसरे, चुनावी प्रक्रिया इधर के वर्षों में बहुत हाईटेक और बहुत ज्यादा खर्चीली हो गई है। इस लिहाज से देखें तो भाजपा के मुकाबले कोई भी राजनीतिक दल टिकता ही नहीं है। लेकिन ये राजनीतिक और पेचीदगी की बातें अपनी जगह। हिन्दू धर्म में दान की परम्परा बहुत उदारमना है। यहां तो 'त्वदीयं वस्तु गोविन्द तुभ्यमेव समर्पये' कहकर भगवान को चढ़ावा अर्पित किया जाता है। एक आस्थावान हिन्दू दान करने के बाद उसे भूल जाता है और फिर आगे उसका हिसाब नहीं रखता। जैसे भिखारी को भिक्षा देकर उस पर यह शर्त नहीं थोपी जाती कि वह इसे कैसे खर्च करेगा। यही वजह है कि देश के अन्य हिस्सों की बात छोड़ दें तो इस मुद्दे पर अयोध्या में स्थानीय स्तर पर जनता का कोई भी मुखर विरोध नहीं है। जो विरोध है वह संस्थागत स्तर पर ही है और भाजपा जनता की इस अमुखरता को भुनाएगी ही। राम मन्दिर चन्दा मामले की जांच राज्य सरकार द्वारा करवाई जा रही है। आने वाले समय में भाजपा पर इसका क्या राजनीतिक असर दिखेगा, यह कहना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन यह महत्वपूर्ण होगा कि जांच का नतीजा क्या निकला। जिम्मेदार किसे ठहराया गया, सजा किसे हुई तथा व्यवस्था में परिवर्तन क्या किया गया और इन सबका जनता पर असर कैसा हुआ। भाजपा किसी लकीर को छोटा साबित करने के लिए बड़ी लकीर खींचने में माहिर है। चुनाव में अभी समय है और संभावना है कि तब तक भाजपा कोई ऐसा राजनीतिक/ सामाजिक तूफान खड़ा कर सकती है, जिसमें यह मन्दिर चढ़ावा चोरी ओझल ही हो जाए।

हिन्दू धर्म में दान की परम्परा बहुत उदारमना है। यहां तो 'त्वदीयं वस्तु गोविन्द तुभ्यमेव समर्पये' कहकर भगवान को चढ़ावा अर्पित किया जाता है। तात्पर्य यह है कि एक आस्थावान हिन्दू दान करने के बाद उसे भूल जाता है और फिर आगे उसका हिसाब नहीं रखता।

बिलासपुर
रविवार, 5 जुलाई 2026
आषाढ़, कृष्ण पक्ष षष्ठी
वर्ष : 26, अंक : 104
पृष्ठ : 12+6 =18 मूल्य : 5.00***
मौसम
अधि. 34.1
न्यून. 25.4
haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

5
केप वर्दे ने छुड़ाए अर्जेंटीना के पसीने, मेस्सी सेना ने ...
आजकल
सरकारी व्यवस्था से परे हो ...

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले पीएम मारने की धमकी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 जुलाई को प्रस्तावित ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। मेलबर्न में आयोजित होने वाले 'मेलबर्न मीट्स मोदी' कार्यक्रम को लेकर सोशल मीडिया पर मिली जान से मारने की धमकी के बाद ऑस्ट्रेलियन फेडरल पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। धमकी फेसबुक पर उस पोस्ट के नीचे दी गई थी, जिसमें मेलबर्न के कम्युनिटी प्रोग्राम का प्रचार किया जा रहा था।

'वायु वज्र' से टकराई बस, कई यात्री घायल

बेंगलुरु। बेंगलुरु के केआर सर्किल में शनिवार सुबह बेंगलुरु महानगर परिवहन निगम की एक बस 'वायु वज्र' बस से पीछे से टकरा गई, जिससे कई यात्री घायल हो गए। हादसे में बस चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दुर्घटना सुबह करीब आठ बजे उस समय हुई जब बीएमटीसी की वातानुकूलित बस वायु वज्र ट्रैफिक सिग्नल पर खड़ी थी। इसी दौरान पीछे से आ रही बीएमटीसी की दूसरी बस खड़ी बस से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टकराने वाली बस का आगे का हिस्सा और वायु वज्र बस का पीछे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के समय बस में लगभग 20 यात्री सवार थे। दुर्घटना में कई यात्रियों को चोटें आईं, जबकि पीछे से टक्कर मारने वाली बस के चालक के सिर में गंभीर चोट लगी।

अकासा एयर के बेड़े में 40वां विमान शामिल

नई दिल्ली। एयरलाइन कंपनी अकासा एयर ने अपने बेड़े में 40वां विमान शामिल कर लिया है। उसे 40वें विमान के रूप में बोइंग 737 मैक्स 8-200 की डिलीवरी मिल गई है, जिसका पंजीकरण नंबर वीटी-वाईबीक्यू है। इस विमान की डिलीवरी उड़ान का पहला चरण अमेरिका के सिएटल से आइसलैंड के रेकजाविक तक था, जबकि अंतिम चरण मिस्र के काहिरा से बेंगलुरु तक की उड़ान के साथ संपन्न हुआ।

हर्ष फायरिंग से मौत विधायक को सजा

नई दिल्ली। दिल्ली की एमपी-एमएलए कोर्ट ने वर्ष 2018 के चर्चित जश्न में फायरिंग मामले में बिहार के साहेबगंज से भाजपा विधायक राजू कुमार सिंह को चार साल के साधारण कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उन पर 25 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। यह राशि मृतका के परिजनों को मुआवजे के तौर पर दी जाएगी। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने शनिवार को सजा का ऐलान करते हुए कहा कि राजू कुमार सिंह को भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (भाग-2) के तहत चार साल के साधारण कारावास की सजा दी जाती है।

पूर्व गृह सचिव ने की थी दान, दावे के बाद हड़कंप

बद्रीनाथ में भी दान चोरी के आरोप, वहीं राम मंदिर से पांच करोड़ की सोने की रामचरितमानस गायब!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

उत्तराखंड के विश्वप्रसिद्ध श्री बद्रीनाथ धाम में चढ़ावे और दान से जुड़ी कथित अनियमितताओं के आरोपों ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े विवाद के बाद अब बद्रीनाथ धाम का मामला भी चर्चा में है। इधर, राममंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर जारी विवाद के बीच भारत सरकार के पूर्व गृह सचिव एस. लक्ष्मीनारायण के आरोपों से नई सनसनी फैल गई है। उन्होंने मंदिर से अपनी 800 ग्राम सोना जड़ित राम चरित मानस के गायब होने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि उन्होंने मंदिर में मानस भेंट की थी लेकिन उन्हें इसकी रसीद नहीं मिली।

खास खबर

अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपों को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। इस मामले की जांच पुलिस और एसआईटी कर रही है। आठ आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं और रोज नए-नए खुलासे हो रहे हैं। इस बीच, मध्य प्रदेश कैडर के 1970 बैच के आईएएस अधिकारी भारत सरकार के पूर्व गृह सचिव रहे एस. लक्ष्मीनारायण के बयान से सनसनी फैल गई है। एस.लक्ष्मीनारायण का कहना है कि उन्होंने परिवार की राय से करीब सवा कुंतल की श्रीरामचरित मानस भेंट की थी जिसमें करीब आठ सौ ग्राम सोना था। बाद में पता चला कि वह गायब हो गई। पूर्व गृह सचिव का कहना है कि उन्होंने कई बार चंपत राय से शिकायत की, पत्र भी लिखे लेकिन उनसे ठीक ढंग से बात भी नहीं की गई। मीडिया से बातचीत में पूर्व गृह सचिव एस. लक्ष्मीनारायण ने कहा कि मेरे घर में करीब 15 सौ साल से ऊपर की रामायण अभी भी मौजूद है, जिसकी मेरे पूर्वज पूजा करते रहे। इसके अलावा मेरी ससुराल में भी जो सबसे पहले ▶▶|शेष पेज 6 पर

आज तक नहीं मिली कोई रसीद

पूर्व आईएएस एस. लक्ष्मीनारायण ने कहा कि वह एक बार फिर अयोध्या गए। चार घंटे इंतजार के बाद चंपत राय से मुलाकात भी हुई लेकिन उन्होंने राम चरित मानस को रखने एक बार फिर मना कर दिया। बकौल एस.लक्ष्मीनारायण हारकर उन्होंने यह मान लिया कि दान दे दिया है और अब भूल जाएं, लेकिन जब समाचार पत्रों में चढ़ावा प्रकरण की खबरें पढ़ीं तो मुझे लगा कि अब तो हमें कोशिश करनी चाहिए। एस.लक्ष्मीनारायण का कहना है कि आज तक मुझे कोई रसीद भी नहीं मिली है। हालांकि उन्होंने कहा-मैंने मांगा भी नहीं था।

800 ग्राम सोना जड़ित थी रामचरित मानस

5 साल के खातों का होगा री-ऑडिट

एसआईटी पिछले 5 साल के खर्चों, मंदिर निर्माण पर हुए भुगतान और मिले हुए सोने-चांदी का नए सिरे से री-ऑडिट कराने जा रही है। एसआईटी ने चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव से भी तीखे सवाल किए हैं।

बद्रीनाथ मामले में जांच के आदेश

बद्रीनाथ धाम मामले की शुरुआत हिंदूवादी संगठन भैरव सेना के संस्थापक अध्यक्ष संदीप खत्री द्वारा बीकेटीसी के सीईओ सोहन सिंह रांगड़ को लिखे गए शिकायत पत्र से हुई। शिकायत और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे आरोपों का संज्ञान लेते हुए बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने आंतरिक जांच के आदेश दिए हैं। 3 जुलाई को भेजे गए पत्र में दावा किया गया कि उन्हें जानकारी मिली है कि बद्रीनाथ धाम में चढ़ावे की गणना के दौरान कथित रूप से चोरी की घटना हुई है।

गहनों को पिघलाकर बनाए सोने के बिस्कुट

मंदिर से चोरी हुए सोने के आभूषणों का सुराग लगाने में जुटी एसआईटी को शक है कि पकड़े जाने के डर से आरोपियों ने इन गहनों को पिघलाकर सोने के बिस्कुट में तब्दील कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, ऐसा इसलिए किया गया ताकि गहनों की असली पहचान हमेशा के लिए मिटाई जा सके और पुलिस उन तक न पहुंच पाए। कई जगहों पर छापेमारी के बाद भी जब गायब आभूषण बरामद नहीं हुए, तो जांच टीम का यह शक और गहरा हो गया है। मामले की तह तक जाने के लिए एसआईटी के आला अधिकारी खुद राम मंदिर पहुंचे। वहां रामलला के दर्शन करने के बाद टीम ने मंदिर के प्रभारी के.डी. बाबू से लंबी पूछताछ की। अधिकारियों ने मंदिर में आने वाले चढ़ावे, गहनों के रख-रखाव और उनके स्टोरेज की पूरी व्यवस्था को समझा। इसके साथ ही जांच टीम ने सरकारी टकसाल (भारत सरकार मिंटिंग कॉर्पोरेशन) और बैंकों को भेजे गए सोने-चांदी का पूरा ब्योरा तलब किया है।

ढक में सिर्फ कैश का हिसाब, गहनों की अनदेखी?

जांच में एक और बड़ी लापरवाही सामने आई है। सूत्रों की मानें तो श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की हर तीन महीने में होने वाली बैठकों में सिर्फ नकदी और आमदनी की ही समीक्षा की जाती थी। भक्तों की ओर से चढ़ाए गए सोने, चांदी और दूसरे कीमती आभूषणों की कुल मात्रा, उनकी कीमत और स्टॉक को लेकर कभी गंभीरता से विस्तृत चर्चा नहीं हुई। जबकि ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने खुद सार्वजनिक रूप से कहा था कि मंदिर को दान में लगभग 13 क्विंटल चांदी और करीब 20 किलो सोना मिल चुका है। अब इसी ढीली व्यवस्था का फायदा उठाकर आरोपियों ने इस बड़ी वारदात को अंजाम दे दिया।

25 दिवसीय सत्र में 19 बैठकें

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त तक

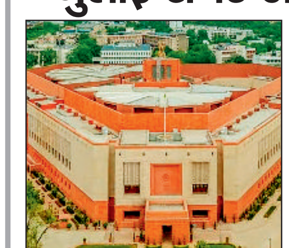

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलेगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को यह जानकारी दी। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों में सत्ताधारी भाजपा की जीत के बाद 19 बैठकों वाला यह 25 दिवसीय संसदीय सत्र हो रहा है।

तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (उबाठा) में हुई बगावत का असर भी आने वाले सत्र में देखने को मिलेगा। तृणमूल के 20 तथा शिवसेना (उबाठा) के छह सांसदों को अलग गुट के तौर पर मान्यता देने की मांग पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा निर्णय लिया जाना अभी बाकी है। राज्यसभा में नवनिर्वाचित और पुनर्निर्वाचित सदस्यों के शपथ लेने के बाद, राजनीतिक समीकरण सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पक्ष में और झुक गया।

निराशाजनक रहा पिछला सत्र

भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार के लिए पिछला सत्र निराशाजनक रहा, क्योंकि 2029 में विधायिका में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने और लोकसभा में सीट की संख्या बढ़ाने से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक निचले सदन में पारित नहीं हो पाया। सरकार अब इस विधेयक का नया प्रारूप तैयार कर रही है, जिसके तहत सभी राज्यों में लोकसभा सीट की संख्या एक समान रूप से 50 प्रतिशत तक बढ़ाई जा सकती है। आबादी के आधार पर सीट में बढ़ोतरी दक्षिणी राज्यों की पार्टियों के लिए एक बड़ी चिंता का विषय रही है।

राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

रीजीजू ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि सरकार की संस्तुति पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मानसून सत्र 2026 के लिए संसद के दोनों सत्रों को आहूत करने की मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक बहस, चर्चा और निर्णयों के लिए यह सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा और 13 अगस्त तक चलेगा।

दो महीने में भी नहीं हो पाया रपटा का निर्माण

पुल टूटा, जान जोखिम में डालकर बच्चे नदी पार कर जा रहे स्कूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर/प्रतापपुर

लगभग दो महीने पहले टूटे हुए पुल के निर्माण हेतु अब तक कोई पहल नहीं हुई। आलम यह है कि एसईसीएल और प्रशासन एक अस्थायी रपटा का निर्माण भी नहीं करा पाया है। चूंकि अब बारिश का सीजन शुरू हो चुका है और फुलझर नदी का जल स्तर बढ़ गया है। ऐसे में बच्चे अपनी जान जोखिम में डालकर स्कूल आने जाने को मजबूर है। इसके साथ ही गांव के लोग भी इसी नदी को पार कर आवागमन कर रहे है। बारिश और बाढ़ की स्थिति के कारण खतरनाक तरीके से नदी को पार करने से खतरा बढ़ गया है। हैरानी की बात तो यह है कि पुल टूटने के बाद वैकल्पिक वयवस्था को लेकर कोई ठोस ▶▶|शेष पेज 6 पर

बढ़ गया जान का खतरा

फुलझर नदी पर इस तरह प्रतिदिन ग्रामीण और बच्चों के आवागमन से जान का खतरा बढ़ गया है। नदी का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है। इसके साथ ही कभी भी तेजी से नदी का जल स्तर बढने के साथ ही बाढ़ जैसे हालत निर्मित हो सकते है। नदी का जल स्तर अचानक बढ़ता है। ऐसे में यदि बच्चों या ग्रामीणों के नदी पार करते समय जल स्तर बढ़ा तो जान का खतरा बढ़ जाएगा। ग्रामीणों ने जल्द से जल्द रपटा निर्माण की मांग की है ताकि लोगों को समस्या का सामना ना करना पड़े।

रपटा निर्माण की गति धीमी

12 मई की रात पुल टूटने की घटना और आवागमन को लेकर होने वाली परेशानी की खबर को हरिभूमि ने 14 मई के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इस दौरान कलेक्टर सूरजपुर श्रीमती रेना जमील ने सेतु निगम के अधिकारियों, एसईसीएल प्रबंधन को जल्द से जल्द रपटा निर्माण के निर्देश दिए थे। एसईसीएल और सेतु निगम द्वारा टूटे हुए पुल के बगल में रपटा का निर्माण कराया जा रहा है लेकिन इस रपटा निर्माण की गति इतनी धीमी है कि अब तक काम पूरा नहीं हुआ। अब बारिश शुरू होने के साथ ही इस मार्ग से आवागमन करना मुश्किल हो गया है।

जत्थे में 966 महिलाएं

4,812 अमरनाथ यात्रियों का तीसरा जत्था रवाना

एजेंसी ▶▶| जम्मू

अमरनाथ की वार्षिक यात्रा में शामिल होने के लिए 4,812 श्रद्धालुओं का तीसरा जत्था शनिवार को यहां भगवती नगर आधार शिविर से दो अलग-अलग काफिलों में कश्मीर रवाना हुआ। इस जत्थे में 966 महिलाएं शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार को अनंतनाग जिले के पहलगाम और गांदरबल जिले के बालटाल मार्ग से शुरू हुई 57 दिन की वार्षिक यात्रा के पहले दिन 12,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र गुफा में दर्शन और पूजा-अर्चना की। उन्होंने बताया कि तीसरे जत्थे में 244 साधु और 157 साध्वियां भी शामिल थीं।

नकटी ग्राम पर बोली भाजपा- कांग्रेस लोगों को बरगला कर राजनीतिक रोटी सेक रही

कांग्रेस सरकार में ही किया गया था विधायकों के लिए घर बनाने के लिए नकटी ग्राम का चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

नकटी ग्राम के विस्थापन को लेकर चल रहे सियासी घमासान के बीच भाजपा ने शनिवार को प्रेस कान्फ्रेंस कर पक्ष रखा। भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कण्डेय और प्रदेश प्रवक्ता गौरीशंकर श्रीवास ने कहा, नकटी ग्राम में अतिक्रमण हटाने के मामले में कांग्रेस सिर्फ और सिर्फ ▶▶|शेष पेज 6 पर

कांग्रेस ने किया 122 को बेघर

डॉ. मार्कण्डेय ने कहा, कांग्रेस अपनी एक करतूत को छिपाने के लिए दूसरों पर आरोप मढ़ रही है। कांग्रेस ने अपने शासनकाल में 122 परिवारों को सेरीखेड़ी में बेघर किया। कांग्रेस का राजनीतिक चरित्र इतना पतित हो गया है कि उस समय गरीबों को सेरीखेड़ी में हटाया गया, उन गरीबों को न एक इंच जगह तक दी गई और न ही एक कोई मकान दिया।

भाजपा नेता जख्मों पर नमक छिड़क रहे

भाजपा की प्रेसवार्ता पर प्रतिक्रिया में प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा, भाजपा नेता नकटी के बेघर हुए लोगों की जिम्मेदारी लेने से भाग रहे हैं। नकटी मामले में चारों तरफ हो रहे भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध से बचने आदत अनुसार पूर्व कांग्रेस सरकार पर झूठा आरोप लगाकर नकटी के बेघर हुए लोगों के जख्मों पर नमक छिड़क रही है। सच्चाई यह है, सदन में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने भाजपा विधायक धरमजीत सिंह के विधायक, सांसदों के आवास पर पूछे गये सवाल के जवाब में कहा, अभी विधायक सांसदों को आवास देने की योजना तय नहीं है।

डिजिटल गवर्नेंस, उभरती तकनीकों, कृषि समृद्धि और नेतृत्व विकास पर मंथन

चिंतन शिविर से तैयार होगी सुशासन के अगले चरण की रूपरेखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

चिंतन शिविर 3.0 का उद्देश्य शासन-प्रशासन को अधिक प्रभावी, आधुनिक, पारदर्शी और जनहितैषी बनाते हुए विकसित छत्तीसगढ़ के लिए दूरदर्शी नीति-निर्माण की मजबूत आधारशिला तैयार करना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर में सुशासन एवं अभिसरण विभाग तथा आईआईएम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय मंत्रिमंडल चिंतन शिविर में मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद के सदस्य तथा देश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने शासन के विभिन्न आयामों ▶▶|शेष पेज 6 पर

मूल्य-आधारित नेतृत्व और संवेदनशील प्रशासन की आवश्यकता

मुख्यमंत्री ने कहा, चिंतन शिविर के पहले दिन नेतृत्व विकास, सुशासन, उभरती प्रौद्योगिकियों तथा कृषि समृद्धि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत सत्र आयोजित किए गए। प्रसिद्ध आध्यात्मिक चिंतक गौर गोपाल दास ने नेतृत्व, भावनात्मक संतुलन, सेवा-भाव और जनप्रतिनिधियों के नैतिक दायित्वों पर अपने विचार रखे। उन्होंने मूल्य-आधारित नेतृत्व और संवेदनशील प्रशासन को प्रभावी सुशासन की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया।

तकनीकी आधारित सेवा और नवाचार पर चर्चा

शिविर में नीति आयोग के सदस्य प्रो. अभय करंदीकर ने 'इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज़' विषय पर संबोधित करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, 5जी, ड्रोन, जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजी, ब्लॉकचेन तथा डेटा-आधारित प्रशासन के माध्यम से शासन व्यवस्था को अधिक दक्ष, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाने की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने तकनीक आधारित सेवा वितरण, नवाचार, रोजगार सृजन तथा डिजिटल समावेशन के लिए छत्तीसगढ़ के समक्ष उपलब्ध अवसरों की भी चर्चा की।

क्या कभी हो पाएगी एलियन से मुलाकात!

क्या एलियन कभी पृथ्वी पर आएंगे? क्या उनसे हमारी मुलाकात हो पाएगी? इस सवाल का फिलहाल कोई सीधा 'हां' या 'ना' में जवाब देना मुश्किल है। एलियंस का धरती पर आना भले ही अभी विज्ञान कथाओं की तरह लगता हो, लेकिन वैज्ञानिक प्रयासों से भविष्य में, असंभव सा लगने वाला कुछ भी संभव हो सकता है।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

रात के समय जब हम आसमान में टिमटिमाते हुए तारों को देखते हैं, तो हमारे मन में एक सवाल बार-बार उठता है, 'क्या इस विशाल ब्रह्मांड में हम अकेले हैं?' या फिर किसी दूर के ग्रह पर हमारे जैसे ही या हमसे भी ज्यादा समझदार जीव रहते हैं? इन्हीं बाहरी दुनिया के जीवों को हम 'एलियन' या 'एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल' कहते हैं। गणितीय संभावनाओं को देखें तो ब्रह्मांड में कहीं न कहीं जीवन जरूर होना चाहिए। लेकिन अंतरिक्ष की असीम दूरियों को देखते हुए, उनका हमारे पास आना या हमारा उन तक पहुंचना बहुत ही कठिन काम है। वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले कुछ दशकों में, जैसे-जैसे हमारी तकनीक और बेहतर होगी, हम शायद सौर मंडल के किसी चांद या बाहरी ग्रह पर जीवन के छोटे अंश (जैसे बैक्टीरिया) खोजने में सफल हो जाएंगे।

क्यों बरकरार है संभावना

वैज्ञानिकों के अनुसार, हमारे ब्रह्मांड में अरबों आकाशगंगाएं हैं और हर आकाशगंगा में खरबों तारे और ग्रह हैं। इतनी बड़ी जगह में सिर्फ हमारी पृथ्वी पर ही जीवन हो, ऐसा होना थोड़ा मुश्किल लगता है। इसलिए लगता है कि इस यूनिवर्स में कोई न कोई दूसरी दुनिया हो सकती है। खगोल वैज्ञानिक भी इस विषय पर यही सोचते हैं। इसीलिए वे सालों से एलियंस की खोज कर रहे हैं।

क्या एलियन पृथ्वी पर आएंगे!

हालांकि आम लोगों का मानना है कि कभी न कभी एलियन पृथ्वी पर आए होंगे या आएंगे। लेकिन वैज्ञानिक इस सवाल का जवाब तर्क के आधार पर खोजते हैं। एलियन पृथ्वी पर क्यों आना चाहेंगे? इसके वे कई तर्क देते हैं-

नए घर की खोज: जैसे हमारे वैज्ञानिक मंगल ग्रह पर जीवन तलाश रहे हैं, वैसे ही एलियन भी अपने रहने के लिए एक नए और सुरक्षित ग्रह की तलाश में पृथ्वी पर आ सकते हैं।

संसाधनों की तलाश: अगर उनके अपने ग्रह के प्राकृतिक संसाधन जैसे पानी, खनिज या ऊर्जा आदि खत्म हो गए हों, तो वे पृथ्वी के संसाधनों का उपयोग करने के लिए यहां का रुख कर सकते हैं।

जिज्ञासा और शोध: हो सकता है कि एलियन भी हमारी पृथ्वी के वैज्ञानिकों की तरह खोजी स्वभाव के हों। वे ब्रह्मांड के दूसरे जीवों यानी हम इंसानों के बारे में जानने और हमसे दोस्ती करने के लिए हमारे पास आ सकते हैं।

तकनीकी श्रेष्ठता: अगर कोई सभ्यता हमसे लाखों साल पुरानी है, तो उनके पास ऐसे स्पेसशिप हो सकते हैं जो रोशनी की रफ्तार से

भी तेज चल सकें। ऐसी तकनीक होने पर उनके लिए पृथ्वी तक आना बहुत आसान होगा।

इसके विपरीत एलियन का आना क्यों मुश्किल है, इसके भी कुछ तर्क देते हैं-

अत्यधिक दूरी: ब्रह्मांड इतना बड़ा है कि हमारे सबसे करीबी तारे प्रॉक्सिमा सेंचुरी तक पहुंचने में भी आज की तकनीक से हजारों साल लग जाएंगे। एलियंस के लिए भी इतनी लंबी दूरी तय करना एक बड़ी चुनौती होगी।

समय का चक्र: हो सकता है कि ब्रह्मांड के किसी कोने में एलियन रहे हों, लेकिन वे इंसानों के पैदा होने से करोड़ों साल पहले ही खत्म हो चुके हों, या फिर वे तब आएंगे, जब इंसान धरती से गायब हो चुके होंगे।

संवाद की कमी: हमारी भाषा, रेडियो सिग्नल और सोचने का तरीका उनसे बिल्कुल अलग हो सकता है। मुमकिन है कि वे हमारे सिग्नलों को समझ ही न पा रहे हों।

वैज्ञानिक शोध और प्रयास

वैज्ञानिकों ने एलियंस को ढूंढ़ने और उनसे संपर्क करने के लिए कई प्रयास किए हैं।

सेटी प्रोजेक्ट: सर्च फॉर एक्स्ट्रा टेरेस्ट्रियल इंटेलिजेंस, दुनिया का सबसे बड़ा संगठन है, जो अंतरिक्ष से आने वाले रहस्यमयी सिग्नलों पर नजर रखता है। वैज्ञानिक बड़े-बड़े रेडियो टेलीस्कोप का इस्तेमाल करके आसमान से आने वाली आवाजों और तरंगों को सुनते हैं, ताकि एलियंस का कोई संदेश पकड़ा जा सके।

वोयाजर के गोल्डन रिकॉर्ड्स: साल 1977 में नासा ने अंतरिक्ष में दो स्पेसक्राफ्ट भेजे थे, जिनका नाम 'वोयाजर 1' और 'वोयाजर 2' है। इन स्पेसशिप में एक तांबे की बनी सीडी जैसी 'गोल्डन डिस्क' रखी गई है। इस डिस्क में पृथ्वी की आवाजें, संगीत, 55 भाषाओं में नमस्कार और हमारे ग्रह का नक्शा दर्ज है, ताकि अगर कभी यह किसी एलियन को मिले, तो वे हमारे बारे में जान सकें।

यूएफओ और यूएपी की जांच: दुनिया भर में कई बार आसमान में उड़ने वाली अजीबो-गरीब चीजों जैसे उड़न तश्तरी को देखने का दावा किया गया है। अब अमेरिकी सरकार और नासा जैसी एजेंसियां इन्हें 'यूएपी' (अनआइडेंटिफाइड एनोमैलुअस फैनोमेना) कहकर इन पर आधिकारिक रिसर्च कर रही हैं, ताकि यह साफ हो सके कि ये एलियंस के यान हैं या कोई प्राकृतिक घटना।

बहरहाल, भविष्य में कभी दूसरे ग्रह के वासियों एलियंस से पृथ्वीवासियों की कभी मुलाकात हो पाएगी या नहीं यह तो अभी नहीं कहा जा सकता लेकिन दुनिया भर के वैज्ञानिक इस कोशिश में हर संभव प्रयास कर रहे हैं। *

केपलर-जेम्स वेब टेलीस्कोप

नासा के इन आधुनिक टेलीस्कोपों का काम अंतरिक्ष में 'एक्सोप्लैनेट्स' यानी हमारे सौर मंडल से बाहर के ग्रह को खोजना है। वैज्ञानिकों ने अब तक हजारों ऐसे ग्रह खोजे हैं, जो 'गोल्डीलॉक्स जोन' में हैं। इसका मतलब है कि ये ग्रह अपने तारे से न तो बहुत ज्यादा गर्म हैं और न ही बहुत ज्यादा ठंडे, जहां पृथ्वी की तरह पानी और जीवन मौजूद हो सकता है। इसमें जीवन की संभावना भी हो सकती है।

मार्स मिशन

हमारे सबसे नजदीकी ग्रह मंगल पर पानी और जीवन के निशान खोजने के लिए भारत का 'मंगलयान', नासा के 'परसवेरेंस' रोवर जैसे कई मिशन भेजे गए हैं। इनके जरिए वैज्ञानिक मंगल ग्रह पर सूक्ष्मजीवों के जीवाश्म ढूंढ़ रहे हैं, जो अंतरिक्ष वासी एलियन या जीवन का पहला ठोस सबूत हो सकते हैं।

चिंताजनक है लगातार बढ़ता अंतरिक्ष में वेस्ट मैटर

जिस तरह से हम सबने अपनी पृथ्वी पर प्रदूषक वस्तुओं और कूड़े-कचरे का अंबार लगा रखा है, कुछ ऐसा ही हाल अंतरिक्ष का भी होता जा रहा है। स्पेस में स्पेसक्राफ्ट, एस्ट्रोनॉट्स और सैटेलाइट्स का वेस्ट मैटर भविष्य में गंभीर समस्या पैदा कर सकता है।

स्पेस इश्यू
अंजू जैन

जब हम रात में आसमान की तरफ देखते हैं, तो हमें टिमटिमाते तारे, चंद्रमा और कभी-कभी गुजरते हुए सैटेलाइट्स (उपग्रह) दिखाई देते हैं। यह नजारा बेहद जादुई लगता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हमारे इस खूबसूरत अंतरिक्ष में एक बहुत बड़ी मुसीबत धीरे-धीरे पैर पसार रही है? इस मुसीबत का नाम है-'अंतरिक्ष का कचरा' या 'स्पेस डेब्री'।

क्या है स्पेस डेब्री: जैसे हम अपनी पृथ्वी पर प्लास्टिक, रैपर्स और खराब सामान फेंककर इसे गंदा कर रहे हैं, ठीक वैसे ही इंसानों ने अंतरिक्ष को भी कबाड़खाना बनाना शुरू कर दिया है। अंतरिक्ष कचरा या स्पेस जंक उन सभी मानव-निर्मित बेकार चीजों को कहते हैं, जो अब किसी काम की नहीं रहीं और पृथ्वी के चारों ओर अंतरिक्ष में चक्कर काट रही हैं। इस कचरे में बेकार हो चुके पुराने सैटेलाइट्स, रॉकेट्स के छूटे हुए टुकड़े, अंतरिक्ष यात्रियों के हाथ से छूटे हुए औजार (जैसे स्क्रू-ड्राइवर, ग्लव्स) और सैटेलाइट्स के आपस में टकराने से बने करोड़ों छोटे-छोटे टुकड़े शामिल हैं। वैज्ञानिकों के अनुमान के अनुसार, इस समय अंतरिक्ष में लाखों छोटे-बड़े टुकड़े तैर रहे हैं, जो एक बड़े खतरे की घंटी हैं।

स्पेस डेब्री में शामिल चीजें: स्पेस डेब्री में बहुत कुछ हो सकता है। जैसे-जब किसी उपग्रह का जीवनकाल खत्म हो जाता है या उसका ईंधन समाप्त हो जाता है, तो वह वहीं अंतरिक्ष में निष्क्रिय होकर घूमने लगता है। उपग्रहों को अंतरिक्ष में छोड़ने के बाद रॉकेट के निचले और ऊपरी हिस्से अलग हो जाते हैं। ये हिस्से अंतरिक्ष में ही तैरते रह जाते हैं। जब दो सैटेलाइट्स आपस में टकराते हैं, तो उनके परखच्चे उड़ जाते हैं। एक टक्कर से हजारों नए छोटे-छोटे तीखे टुकड़े बन जाते हैं।

कुछ देश अपनी मिसाइल क्षमता को जांचने के लिए अंतरिक्ष में अपने ही पुराने सैटेलाइट को मिसाइल से उड़ा देते हैं। इससे पल भर में बेशुमार कचरा फैल जाता है।

स्पेस वेस्ट से संकट: अब आप सोच रहे होंगे कि अंतरिक्ष तो इतना विशाल है, फिर वहां थोड़े से कबाड़ से क्या फर्क पड़ता है? अंतरिक्ष हमारा भविष्य है। अगर आज हमने इसकी सफाई पर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाली पीढ़ी के लिए ब्रह्मांड के रहस्य जानने के सारे रास्ते बंद हो जाएंगे। इसके कई खतरनाक परिणाम हो सकते हैं। अंतरिक्ष में ये टुकड़े धीरे-धीरे नहीं तैरते। इनकी रफ्तार बंदूक की गोली से भी 10 से 15 गुना तेज होती है, लगभग 28,000 किलोमीटर प्रति घंटा। इतनी रफ्तार में एक छोटा-सा पेंट का टुकड़ा या पेंच भी किसी सैटेलाइट से टकराए, तो उसे पूरी तरह तबाह कर सकता है। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में हमेशा हमारे वैज्ञानिक रहते हैं। यदि कोई बड़ा टुकड़ा स्पेस स्टेशन से टकरा जाए, तो वहां रहने वाले अंतरिक्ष यात्रियों की जान पर बन आ सकती है। उन्हें कई बार खुद को बचाने के लिए आपातकालीन कैप्सूल में छिपना पड़ता है।

हम मोबाइल के जरिए जो बात करते हैं, जीपीएस से रास्ता देखते हैं, टीवी देखते हैं और मौसम का पूर्वानुमान लगाते हैं, वे सब अंतरिक्ष में मौजूद सैटेलाइट्स की वजह से संभव होता है। अगर कचरे की वजह से ये सैटेलाइट्स नष्ट हो गए, तो हमारी पृथ्वी की आधुनिक लाइफलाइन एकदम रुक-सी जाएगी। अगर अंतरिक्ष में कचरा बहुत ज्यादा बढ़ गया, तो वे आपस में टकराकर और अधिक कचरा बनाएंगे। एक समय ऐसा आएगा कि पृथ्वी के चारों ओर कचरे की ऐसी घनी दीवार बन जाएगी कि इंसान कभी नया रॉकेट या सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेज ही नहीं पाएगा। हम हमेशा के लिए पृथ्वी पर कैद हो जाएंगे।

निदान और समाधान: अंतरिक्ष में बढ़ रहे कचरे की इस समस्या के समाधान के लिए वैज्ञानिक लगातार प्रयास कर रहे हैं। दुनिया भर की स्पेस एजेंसियां जैसे भारत की इसरो, अमेरिका की नासा इस मलबे को साफ करने के लिए बेहद अनोखे तरीकों पर काम कर रही हैं। वैज्ञानिक ऐसे विशेष सैटेलाइट बना रहे हैं, जो अंतरिक्ष में जाकर बड़े मलबे पर जाल फेंकेंगे या हारपून (भाला) मारकर उसे पकड़ेंगे और खींचकर पृथ्वी के वायुमंडल की तरफ ले आएंगे।

कुछ जापानी कंपनियां ऐसे सैटेलाइट्स का परीक्षण कर रही हैं, जिनमें बहुत शक्तिशाली चुंबक लगे होंगे। ये चुंबक लोहे और धातु के मलबे को अपनी ओर आकर्षित करके चिपका लेंगे। इस तरह कई और तकनीकें अपनाई जा रही हैं। संभव है इसका स्थायी समाधान खोज लिया जाएगा। *

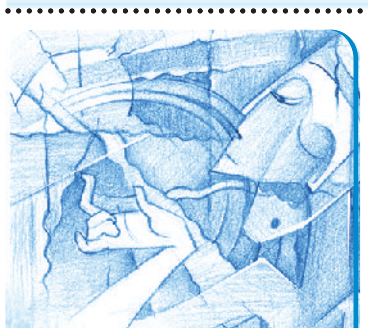

गजल
हबीब कैफी

चला गया कोई

उम्र अपनी बढ़ा गया कोई
नाम लेते ही आ गया कोई
मैंने थामा था हाथ कांटों में
फूल पाकर छुड़ा गया कोई
उसके सारे निशान ज़िंदा हैं
कैसे कह दूं चला गया कोई
इक तने पर लिखे थे बरसों से
नाम दोनों मिटा गया कोई
नींद यूं ही नहीं हुई गायब
तेरे किस्से सुना गया कोई
सिर्फ इक बात मैंने पूछी थी
बातें क्या-क्या सुना गया कोई
ज़िक्र जब भी वफा का आया है
सर झुका कर चला गया कोई

व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय

महंगाई से मुलाकात

चाहने को हम भी बहुत कुछ चाहते हैं। हमारी पहली चाहत तो यह ही है कि अपने पास अकूत वैध संपत्ति हो। वैध इसलिए, क्योंकि बुल्डोजर से सबको डर लगता है। बड़े-बड़े मुर्गे हलाल हो गए, फिर भला इस पिद्दी के शोरबे की क्या ही औकात है? हमारी दूसरी चाहत है कि महंगाई नाम की चीज को अपने देश से धक्के मार कर बाहर निकाल देना चाहिए। अंतर्मन में कुछ ऐसी भी चाहतें हैं, जिन्हें सार्वजनिक कर दें तो जूते पड़ने लगेंगे। हमारे एक मित्र ने एक महिला को सिर्फ 'आइ लव यू' कहा था। एक वह दिन था और एक आज का दिन है, अस्पताल से लौटकर आया है और प्रत्येक महिला को बुआ-दीदी से नीचे नहीं बोलता है।

इंसान कामनाओं का कोष है। मनुष्य की इच्छाएं अनंत हैं। सबको फेसबुक-एक्स आदि के दरिया में डालकर अपनी भड़ास निकालने से अच्छा है कि भाग्यवादी बन जाओ। 'जाही विधि राखे राम, ताही विधि रहिए।' हम भी रह ही रहे हैं। घोर महंगाई की चपत खाकर भी हंस रहे हैं। यूं किसी के चाहने या न चाहने से क्या होता है? भला मैं भी कहां चाहता था, फिर भी आज महंगाई से मेरी मुलाकात हो ही गई। वैसे यह कोई नई बात नहीं है। पहले कभी-कभार भेंट होती थी। इन दिनों वह मुझसे रोज ही किसी-न-किसी बहाने मेरे घर पर मिलने आ जाया करती है। जब मैं घर से बाहर रहता हूं तो वह वहां पर भी मुझसे टकरा जाती है। बाजार जाऊं तो वहां भी मिल जाती है। सड़क पर चल रहा होता हूं, तब भी वह हमारा पीछा नहीं छोड़ती है। पत्नी कहती है, 'यह मुई मेरी सौत है। इसकी निगाह तुम्हारे शरीर के साथ तुम्हारी जेब पर भी रहती है।'

मैं अकसर यह महसूस करता हूं कि मेरी जेब में रखा हुआ पर्स भी जरूरत से ज्यादा दुबला हो चुका है। महंगाई डायन के प्रकोप के चलते 'चंद क्वॉइन' ही शेष बचे हुए हैं। गनीमत है कि वह पूरी तरह खाली नहीं हुआ है। शायद इसी दुबले पर्स पर महंगाई डाका डालने पर उतारू है। जिसके पास धन नहीं है, उसको न चोरी का डर सताता है और न रहजनी का। उसे एकमात्र डर सताता है तो महंगाई का।

मेरा प्रतिदिन महंगाई से इसी तरह मिलना होता रहा तो एक दिन इस गरीब की जान ही निकल जाएगी। आप जानते हैं कि गरीब की जान उसकी हलक में अटकी होती है। यह उस चिड़िया की तरह होती है, जिसे जब तक दाना-पानी मिलता रहता है, चहकती रहती है, जिस दिन मिलना बंद हो गया, फुर्र से उड़ जाती है। लोग यूं ही प्राण को पखेरू नहीं कहते हैं।

मैं इस नामाकूल महंगाई से कितना भी बचना चाहता हूं, लेकिन वह है कि हाथ धोकर मेरे गले पड़ती जा रही है। आज महंगाई फिर एक बार मुझसे मिलने आई है। वह आवश्यकता से अधिक मोटी दिख रही है। पिछली बार जब उससे मिलना हुआ था, तब भी वह मोटी ही थी, लेकिन इस बार उसके शरीर की चर्बी पर एक और परत चढ़ चुकी है। वैसे भी जो प्रतिदिन दूसरों की जेब पर डाका डालता हो, उसका मोटा हो जाना अचरज की बात नहीं है। मैं अपने आस-पास के ऐसे तमाम लोगों को जानता हूं, जो दूसरों को लूटते रहते हैं और मोटे हो जाते हैं। महंगाई भी पुष्ट हो रही है। वह मुझसे कहने लग गई, 'तुम मेरे नाम का रोना रोते रहते हो, मैंने सोचा आज एक बार और मिल लेती हूं! कहो, कैसे मिजाज हैं?' मैंने कहा, 'मिजाज की छोड़ो। तुमने हमें कहीं का नहीं छोड़ा है। तुम जिस अनुपात में मोटी होती चली जा रही हो, हम उसी अनुपात में दुबले हो रहे हैं। उधर तुम्हारी खुराक बढ़ती जा रही है, इधर हम अपने को किसी दिहाड़ी मजदूर की पगार जैसा बेबस पाते हैं।'

महंगाई जैसे आज विश्व हास्य दिवस मनाने के मूड में थी। वह पहले खूब हंसी, फिर मुझे छेड़ती हुई बोली, 'देख रही हूं। तुम्हारे पांवों में बेबसी के घुंघरू बंधे हुए है, फिर भी तुम ठुमक रहे हो। तुम जैसे बकरे को कहां पता है कि कल मैं तुमको किस भारी-भरकम रूप में मिलने वाली हूं!' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

विडंबनाओं पर कटाक्ष

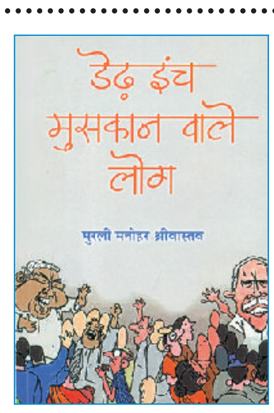

आज के बहुरूपिए समय में तमाम तरह की विडंबनाओं और विसंगतियों के संग जीने के लिए हम सब इतने अभ्यस्त हो गए हैं कि किसी भी प्रकार के विद्रूप में असहज महसूस नहीं करते हैं। लेकिन एक व्यंग्यकार की सजग दृष्टि न केवल जीवन और व्यवस्था में धंसे विद्रूप को इंगित करती है, उस पर कटाक्ष भी करती है। सुपरिचित व्यंग्यकार मुरली मनोहर श्रीवास्तव के ऐसे ही चुने हुए 65 व्यंग्यों का संग्रह 'डेढ़ इंच मुसकान वाले लोग' हाल में छपकर आया है। इनमें कहीं वे नेशनल कैरेक्टर से लेकर, आटा से ज्यादा डाटा की चिंता करते नजर आते हैं, तो कहीं चुटकी लेते हुए मीडिया का महिमा मंडन करते दिखते हैं। 'ऑफिस रस' शीर्षक व्यंग्य में वह लिखते हैं, 'जिसे एक बार ऑफिस रस की लत लग गई, वह इसकी प्रॉपर डोज के बिना रह ही नहीं पाता। वह कहीं भी रहे, किसी भी हाल में पड़ा हो, इस रस की प्राप्ति के लिए छटपटाता रहता है।' हर खास-ओ-आम की जिंदगी में आज की तारीख में इंटरनेट डाटा का क्या महत्व हो चुका है, इस बारे में व्यंग्यकार की टिप्पणी ध्यान देने योग्य है। 'आटा और डाटा' शीर्षक व्यंग्य में वह कहते हैं, 'कई बार लगता है कि आटा न भी मिले तो चलेगा पर डाटा खत्म हो गया तो जीकर क्या करेंगे? लड़ाई यह है कि आटा जन-जन तक पहुंचा कि डाटा?' *

पुस्तक: डेढ़ इंच मुसकान वाले लोग (व्यंग्य संग्रह), **लेखक:** मुरली मनोहर श्रीवास्तव, **मूल्य:** 400 रुपए, **प्रकाशक:** विद्या विहार, नई दिल्ली

ममता को बड़ा झटका चंद्रिमा ने छोड़ा 'साथ'

कोलकाता। विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद पहले ही संकट से जूझ रही तृणमूल कांग्रेस को एक बड़ा झटका लगा है। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बेहद करीबी और टीएमसी की 'राइट हैंड' मानी जाने वाली चंद्रिमा भट्टाचार्य ने पार्टी के सभी संगठनात्मक पदों से इस्तीफा दे दिया है। टीएमसी में मच रही उठापठक के बीच ममता बनर्जी की सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में शुमार चंद्रिमा का इस तरह अचानक जाना टीएमसी के लिए एक बहुत बड़ा सियासी झटका माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, टीएमसी की प्रदेश अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी को एक पत्र लिखकर अपने इस फैसले की जानकारी दी है।

उमर और शरजील की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। कड़कड़डूमा कोर्ट ने वर्ष 2020 के दंगा मामले से जुड़ी कथित साजिश में आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम की ताजा जमानत याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अदालत द्वारा इस मामले में आदेश शनिवार को ही सुनाए जाने की संभावना जताई जा रही है। सुनवाई के दौरान उमर खालिद की ओर से पेश अधिवक्ता त्रिदिप ने अदालत को बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने अंद्राबी केस में दोनों आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज किए जाने को लेकर सवाल खड़े किए थे।

दो उग्रवादी गिरफ्तार, बड़ी मात्रा में गोला-बारूद जब्त

इंफाल। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के दो जिलों से प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पुलिस के एक बयान के अनुसार, इंफाल ईस्ट जिले के संजेनबम खुलेन से प्रतिबंधित 'पीपुल्स लिबरेशन आर्मी' के 45 वर्षीय सक्रिय सदस्य को पकड़ा गया। बयान में कहा गया है कि सुरक्षा बलों ने उसी दिन इंफाल वेस्ट जिले के नागामापाल कांगजाबी लीराक से प्रतिबंधित संगठन 'प्रेपाक' के 44 वर्षीय सदस्य को भी गिरफ्तार किया। बयान के अनुसार, एक अन्य अभियान में पुलिस ने पोरोमपट पुलिस थाना क्षेत्र के वाखा चिंग से हथियार, विस्फोटक और गोला-बारूद का जखीरा जब्त किया। तीन साल पहले जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से ही सुरक्षा बल मणिपुर के बाहरी और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और 'एरिया डोमिनेशन' (इलाके पर नियंत्रण बनाए रखने की कार्रवाई) चला रहे हैं।

खामेनेई की अंतिम विदाई में काले कपड़े पहनकर पहुंचे लाखों लोग

शिया परंपरा के मुताबिक छाती पीटकर मनाया मातम

'खून बहेगा...बदला-बदला'

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान की राजधानी तेहरान में 3 जुलाई से पूर्व सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़ी रस्में शुरू हो गई हैं जो 9 जुलाई तक चलेंगी। शनिवार को खामेनेई को आखिरी विदाई देने के लिए लाखों लोग तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला में जुटे। शिया परंपरा के मुताबिक काले कपड़े पहने लोग छाती पीटकर मातम मनाया। इस दौरान लोगों ने 'खून बहेगा', 'अमेरिका मुर्दाबाद' और 'बदला, बदला' जैसे नारे भी लगाए।

अंतिम संस्कार के बाद फिर शुरू होगी वार्ता

कतर ने बताया कि खामेनेई के अंतिम संस्कार के बाद अमेरिका-ईरान वार्ता का अगला दौर फिर शुरू होगा। वहीं ईरान ने आईएईए को फोर्डो, नतांज और इस्फहान परमाणु ठिकानों के निरीक्षण की अनुमति देने से इंकार कर दिया है।

5 शहरों से गुजरेगी अंतिम यात्रा

खामेनेई की अंतिम यात्रा पहले ईरान के तेहरान, कोम से इराक के कर्बला, नजफ से होकर गुजरेगी। आखिर में 9 जुलाई को मशहद में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। खामेनेई के अंतिम संस्कार को लेकर तेहरान की सड़कों पर सेना और पुलिस की भारी तैनाती की गई है। सभी मुख्य सड़कों, चौराहों और सरकारी इमारतों के बाहर सेना और पुलिस बल तैनात है। मेन रोड्स पर मिलिट्री गाड़ियां पहरा दे रही हैं।

100 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर खामेनेई का ताबूत शुक्रवार को तेहरान के इमाम खुमैनी ग्रैंड मुसल्ला पहुंचाया गया। यहां उनके अंतिम संस्कार के कार्यक्रम में कई देशों के प्रतिनिधिमंडल शामिल हुए। अली खामेनेई के साथ उनकी 14 महीने की पोती, बेटी, पत्नी और दामाद को भी अंतिम श्रद्धांजलि दी गई। शुक्रवार को कार्यक्रम में 100 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। हालांकि रूस, चीन, भारत और तुर्किये जैसे देशों के टॉप लीडर्स ने इससे दूरी बरती। ईरान की तरफ से न्योता भेजे जाने के बावजूद इन्होंने अपने निचले स्तर के प्रतिनिधियों को भेजा।

आगरा का सनसनीखेज मामला

पति की हत्या कर बाथरूम में दफनाया, रोज नहाती रही

एजेंसी ▶▶ आगरा

मध्य प्रदेश के चर्चित सोनम रघुवंशी और मेरठ के मुस्कान हत्याकांड के बाद अब उत्तर प्रदेश के आगरा से भी एक सनसनीखेज मामला सामने आया है।

सिकंदरा थाना क्षेत्र में एक महिला पर अपने पति की हत्या कर शव को घर के बाथरूम के फर्श के नीचे दफनाकर फर्श पर प्लास्टर करा दिया और उसी बाथरूम में रोजाना नहाती रही। आरोपी महिला का नाम रूबी है, उसने जुर्म कबूल लिया है। उसका कहना है पति के अक्सर मारपीट करने के कारण उसने उसकी हत्या की।

कैसे की हत्या

डीसीपी सिटी सैय्यद अली अब्बास ने बताया कि सुरेंद्र नशे का आदी था। वह शराब के साथ-साथ नशे की गोलियां भी खाता था। हत्या वाले दिन रूबी ने सुरेंद्र को नशे की गोलियों की ओवरडोज दे दी। इसके बाद उसकी हत्या करके बाथरूम में उसके शव को गाढ़ दिया था। अंतिम निष्कर्ष पोस्टमार्टम, फोरेंसिक रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर तय होगा।

डेढ़ माह तक किया नाटक

पुलिस ने बताया, मृतक 44 वर्षीय सुरेंद्र शर्मा के भाई अनिल शर्मा यानी रूबी के जेठ को उसके व्यवहार से शक हो गया था। उसने रूबी से कहा कि अगर कोई परेशानी हो तो वह साथ देगा। इसके बाद रूबी ने जुर्म कबूला। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर बाथरूम का फर्श तोड़ा, जहां से केवल कंकाल बरामद हुआ। इसके पहले रूबी ने करीब डेढ़ महीने तक पति के लापता होने का नाटक किया था।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल अमसेना उप तहसील सकर्रा तहसील सकरी, जिला बिलासपुर (छ.ग.)
सूचना
क्रमांक/9/ रार.नि./अमसेना
दिनांक 14/06/2026
प्रति, 1. सुषमा दुआ पति जगदीश दुआ 2. आलोक अग्रवाल 3. परमेश्वर लाल रजक पिता उमराव प्रसाद रजक 4. सुखसागर रजक 5. बी.एल.साहू 6. हल्का पटवारी परसदा 7. हल्का पटवारी बोदरी 8. अन्य हितबद्ध पक्षकार
विषय:- सीमांकन/मौका जांच/नक्सा बटांकन के समय उपस्थित रहने बावत।
संदर्भ:- न्यायालय तह. सकरी क्रमांक/क/तह./रीडर/2026 दिनांक 24/04/2026
ग्राम सैदा म.न.7 प.ह.न.41 रा.नि.म. अमसेना तहसील सकरी जिला बिलासपुर (छ.ग.) आवेदक सुषमा दुआ पिता जगदीश दुआ के द्वारा खसरा नंबर 100 रकबा 0.547 के सीमांकन/मौका जांच/नक्सा बटांकन हेतु तहसीलदार/नायब तहसीलदार के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया है उपरोक्त संदर्भित न्यायालयीन आदेश के परिपालन में भूमि का सीमाकन/मौका जांच/नक्सा बटाकन की कार्यवाही दिनांक 06/07/2026 और समय 02:00 बजे को किया जायेगा जिसमे आपकी उपस्थिति अनिवार्य है
अत: आप उक्त तिथि को नियत समय पर मौके में भूमि सम्बन्धी दस्तावेज के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित कर उपस्थित नहीं होने की दशा में सीमाकन कार्य बाधित होने की सम्पूर्ण जिम्मेदारी आपकी होगी तथा बाद की आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।
टीप:- विशेष परिस्थिति में समय और दिनांक परिवर्तनशील होंगे आवेदक सीमा-चिन्ह स्थित करने हेतु आवश्यक सामाग्री एवं मजदूर की व्यवस्था करना सुनिश्चित करे
राजस्व निरीक्षक अमसेना

समक्ष श्रीमान नोटरी सिविल जिला बिलासपुर (छ.ग.)
शपथपत्र
मैं सुरेश कुमार साहू, उम्र 58 वर्ष, पिता स्व. सुरित राम साहू, निवासी संजय हाईट्स अपार्टमेंट, राजस्व कॉलोनी सरकंडा बिलासपुर तह. व जिला बिलासपुर (छ.ग.) का हूं जो निम्न कथन शपथ पूर्वक करता हूं कि-
1. यह कि मैं उपरोक्त पते का निवासी हूं, मेरा आधार कार्ड नं. 7658 8226 8081 हैं। 2. यह कि मेरे पिता सुरित राम साहू पिता स्व. सदाराम साहू के हक एवं स्वामित्व की भूमि मौजा-मोपका, प.ह.नं. 29, रा.नि.मं. बिलासपुर तह. व जिला बिलासपुर (छ.ग.) में स्थित खसरा नं. -2062/1 रकबा 0.94 एकड़, खसरा नं.-2062/2 रकबा 0.23 एकड़, खसरा नं.-2062/2 रकबा 0.61 एकड़ स्थित है, जो समस्त राजस्व अभिलेखों में मेरे पिता का नाम दर्ज है। 3. यह कि मेरे पिता की मृत्यु दिनांक 24/01/2023 को हो चुकी है, एवं उनके निम्न वारिसान है-सुरेश कुमार साहू (पुत्र), राजकुमारी साहू (पुत्री), विद्या साहू (पुत्री) श्रीमती सावित्र साहू (पत्नी) है। 4. यह कि उक्त भूमि की फौती दर्ज की प्रक्रियाधीन है। 5. यह कि उक्त भूमि का सौदा / इकरारनामा निष्पादित नहीं किया गया है। 6. यह कि इस शपथ पत्र के माध्यम से यह जानकारी सार्वजनिक की जा रही है। 7. यह कि यह शपथ पत्र उपरोक्त कथनों के समर्थन में प्रस्तुत कर रहा हूं। 8. यह कि मेरे द्वारा दी गई समस्त जानकारी सत्य व सही है, किसी भी जानकारी को जानबूझकर नहीं छिपाया गया है। अत: यह शपथ पत्र आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं।
शपथकर्ता
सत्यापन
मैं सुरेश कुमार साहू शपथपूर्वक सत्यापित करता हूं कि इस शपथपत्र की कंडिका क्रं. 01 से लेकर 08 तक में उल्लेखित कथन सत्य व सही है, जिसे आज दिनांक 04/07/2026 को स्थान बिलासपुर में पढ़कर, सम्झकर अपना हस्ताक्षर सत्यापित किया।
पहचानकर्ता
शपथकर्ता

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपने पक्षकार श्रीमती पदमिनी डहरिया पति श्री सुरेश कुमार डहरिया पेशा गृहिणी जाति सतनामी निवासी ग्राम पीथमपुर साल्हेघोरी, तहसील लोरमी, जिला मुंगेली छ.ग. से अधिकृत होकर आम सूचना प्रकाशित कर रहा हूं कि मेरे पक्षकार/क्रेता श्रीमती पदमिनी डहरिया, विक्रेता किरण सुल्तानिया पति श्री अनिल कुमार सुल्तानिया जाति अग्रवाल निवासी- एल-1 विनोबा नगर गायत्री मंदिर के पास बिलासपुर तहसील व जिला बिलासपुर छ.ग. के स्वामित्व, आधिपत्य की परिवर्तित आवासीय भूमि स्वीकृत लेआउट - गिरधर विहार, मौजा उस्लापुर रा.नि.मं. सकरी तहसील सकरी जिला बिलासपुर छ.ग. में स्थित है जिसका रेरा रजिस्ट्रेशन नंबर PCGRERA290618000390 है। उपरोक्त कालोनी में खसरा नं. 157/1 में से रकबा 1896 वर्गफुट (स्वीकृत ले आउट भूखंड क्र.06) को दिनांक 12/06/2026 को क्रय करने का पक्का सौदा तय कर एक इकरारनामा निष्पादित किया गया है तथा उक्त आवासीय भूमि 02 माह के अंदर मेरे पक्षकार के पक्ष में विक्रेता द्वारा विकय पंजीयन अविलंब निष्पादित कराना चाहते हैं उक्त क्रय-विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति संस्था, निकाय, शासकीय अर्धशासकीय संस्था आदि द्वारा किसी प्रकार की आपत्ति हो तो मेरे कार्यालय में 07 दिवस के अंदर दावा आपत्ति दर्ज करावें अन्यथा समयावधि पश्चात दावा आपत्ति अमान्य होगा।
सो सूचना जाने।
दिनांक- 4/07/2026
स्थान- बिलासपुर छ.ग.
भवदीय
हलधर प्रसाद पात्रे
(अधिवक्ता)
निवासी गीता पैलेस के सामने
घुरू रोड, उस्लापुर
जिला बिलासपुर छ.ग.
मो.नं.-9755955982

गैंगरेप का आरोपी निकला पाक उप-प्रधानमंत्री का पोता

नई दिल्ली। भारत द्वारा आतंकवाद के मामले पर पिछले साल पहलगाम हमले के बाद स्थगित की गई सिंधु जल संधि के मामले को लेकर अक्सर भारत को धमकी देने वाले पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार की इन दिनों अपने ही देश में जमकर छीछालेदर हो रही है। मामला बेहद गंभीर है, जिसमें डार के पोते रजा डार को दो विदेशी महिलाओं (नीदरलैंड और वेनेजुएला) से गैंगरेप के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। लाहौर की एक अदालत ने मामले से जुड़े सभी चार आरोपियों को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। जबकि एक अन्य आरोपी अभी तक फरार है। यह पूरा मामला पिछले महीने 29 जून का है। जब रजा डार ने चार अन्य लोगों के साथ मिलकर इन दोनों विदेशी महिलाओं का अपहरण कर उन्हें जबरन बंधक बनाकर रखा और फिर उनका गैंगरेप किया।

जैश-लश्कर के 23 सदस्य हुए आतंकवादी घोषित

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को बड़ा कदम उठाते हुए पाकिस्तान में सक्रिय जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के 23 सदस्यों को आधिकारिक रूप से आतंकवादी घोषित किया।

सरकार के अनुसार ये लोग भारत, खासकर जम्मू-कश्मीर में आतंक फैलाने, युवाओं की भर्ती करने, हथियार भेजने और हमलों की साजिश रचने में शामिल रहे हैं। सरकार ने कहा है कि ये आतंकी सीमा पार से भारत के खिलाफ गतिविधियां चला रहे थे। इनमें ड्रोन के जरिए हथियार भेजना, सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को बहकाना और आतंकियों को ट्रेनिंग देना जैसी गतिविधियां शामिल हैं।

हाफिज सईद के 3 करीबी- इन 23 आतंकियों में तीन लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद के बेहद करीबी बताए गए हैं। इनमें अब्दुल रऊफ, हाफिज खालिद वलीद और राणा इफ्तिखार शामिल हैं।

अधीक्षक-भू-अभिलेख परिवर्तित भूमि क्षेत्र बिलासपुर जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
ईश्तहार
देवेन्द्र मिश्रा पिता स्व. उधौ प्रसाद मिश्रा निवासी साई प्रभा अपार्टमेंट उसलापुर.....आवेदक
विरुद्ध
छ.ग.शासन....................अनावेदक
इस न्यायालय में आवेदक श्री देवेन्द्र मिश्रा पिता स्व.उधौ प्रसाद मिश्रा निवासी साई प्रभा अपार्टमेंट उसलापुर ने मौजा उसलापुर प.ह.न.45 तहसील व जिला बिलासपुर में स्थित भूमि खसरा नं 166/3 में से शीट नं. 9 ब्लाक नं... प्लाट नं 05 निर्मित साई प्रभा अपार्टमेंट के द्वितीय तल के प्रको क्र. 205 का क्षेत्रफल 935 वर्गफुट के धारक गरिमा मिश्रा का दिनांक 30.04.21 को मृत्यु हो गई है, इनके विधिक वारिस देवेन्द्र मिश्रा का नाम दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।
जिस किसी संस्था निकाय को कोई आपत्ति हो इस न्यायालय के समक्ष प्रकाशित होने के दिनांक 02.07.26 से दिनांक 13.07.26 तक कार्यालयीन दिवस एवं कार्यालयीन अवधि में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से समस्त दस्तावेज सहित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। सुनवाई के दिनांक के पश्चात प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही प्रारंभ की जावेगी। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति मान्य नहीं होगा।
इस न्यायालय की सील मुद्रा से जारी किया गया।
बिलासपुर
दिनांक : 02/07/26
अधीक्षक भू-अभिलेख परिवर्तित भूमि बिलासपुर (छ.ग.)

//आम-सूचना//
मैं अपने मुवक्किल अनरूद्ध कुमार शर्मा उर्फ रितेश, पिता स्व.रामकुमार शर्मा, उम्र-44 वर्ष, निवासी-ग्राम कर्रा, पोस्ट गढ़वट, तहसील-रतनपुर, जिला-बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा अधिकृत होकर निम्नलिखित आशय की आम सूचना का प्रकाशन कर रहा हूँ :-
यह कि, मेरा मुवक्किल ग्राम कर्रा, पोस्ट गढ़वट, तहसील-रतनपुर, जिला-बिलासपुर (छ.ग.) का स्थाई निवासी है, जहाँ मेरे मुवक्किल की समस्त चल, अचल संपत्ति विद्यमान है, तथा कक्षा 12 वीं तक की पढ़ाई पूर्ण कर चुका है। मेरे मुवक्किल के शैक्षणिक दस्तावेजों, अंकसूचीयों में मेरे मुवक्किल का नाम ''अनरूद्ध कुमार शर्मा'' अंकित है तथा आधार कार्ड, पैन कार्ड, मतदाता पत्र, बैंक पासबुक एवं अन्य सभी शासकीय दस्तावेजों में मेरे मुवक्किल का नाम ''रितेश'' अंकित है। उक्त ''अनरूद्ध कुमार शर्मा'' एवं ''रितेश'' दो अलग-अलग व्यक्ति नहीं है। उक्त दोनों नाम मेरे ही मुवक्किल के हैं। मेरे मुवक्किल के नाम के संबंध में उपरोक्त अनिमितता की परिशुद्धि किये जाने हेतु मेरा मुवक्किल अपने नाम में परिवर्तन कर अपना नाम ''अनरूद्ध कुमार शर्मा उर्फ रितेश'' कर रहा है, इसके पश्चात से मेरे मुवक्किल का नाम ''अनरूद्ध कुमार शर्मा उर्फ रितेश'' होगा तथा मेरा मुवक्किल अब इसी नाम से जाना एवं पहचाना जाएगा तथा मेरे मुवक्किल का यही नाम ''अनरूद्ध कुमार शर्मा उर्फ रितेश'' समस्त दस्तावेजों में इन्द्राज होगा।
सो सूचना जाने।
भवदीय
कविश्वर कुमार घोड़ीचोरे
(अधिवक्ता)
कार्यालय- सांई चेम्बर्स, आज़ाद चौक, मंगला-कुदुदंड रोड, बिलासपुर (छ.ग.)
मोबाइल नंबर- 7974150543, 9926159404

न्यायालय तहसीलदार मरवाही, जिला- गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही (छ.ग.)
// ईश्तहार //
क्रमांक क/तह.वा/री-1/2026 मरवाही
दिनांक 24/06/2026
प्र.क.202307281100003/
अ-6 अ/2025-26
सर्व साधारण आपको सूचित किया जाता है। आवेदिक लल्लू प्रसाद गुप्ता पिता प्रेमलाल उम्र 44 वर्ष जाति बानी निवासी ग्राम कुम्हारी तहसील मरवाही जिला गौरेला पेण्ड्रा मरवाही (छ.ग.) ग्राम कुम्हारी स्थित भूमि खसरा नंबर 207/2 में से रकबा 0.012 ए0 लगभग 0.10 पैसा भूमि को आवेदक आर्वेश अंसारी से क्रय किया था। और हल्का पटवारी द्वारा वर्ष 2016-17 में नामांतरण क्रमांक 34 आदेश दिनांक 15.07.2017 को दर्ज किया जाकर मैन्युअल रिकार्ड दुरुस्त किया था। जो कि मैन्युअल रिकार्ड के आधार पर उक्त वाद भूमि आवेदक के नाम पर ऋण पुस्तिका क्रमांक 2514544 बी-1 खसरा नाम दर्ज किया था। आवेदक अपने नाम पर ऑनलाईन रिकार्ड दुरुस्त किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
उक्त वाद भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति / दावा है तो पेशी दिनांक 20/07/2026 तक अपने अभिभावक में स्वंय उपस्थित होकर अपना आपत्ति पेश कर सकता है। समय, पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।
अत: इस सूचना पत्र के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि प्रकरण में आगामी सुनवाई दिनांक 20/07/26 को इस न्यायालय में उपस्थित होवें।
टीप:- दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशन हो।
तहसीलदार
मरवाही
जिला - गौरेला पेण्ड्रा-मरवाही (छ.ग.)

न्यायालय प्रथम अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, बिलासपुर (छ.ग.)
नोटिस
प्र.क्र. 52A /2026
आदेश दिनांक - 15/05/2026
पेशी दिनांक - 13/07/2026
प्रोसेस क्रमांक 128/2026
श्रीमती एकता मिश्रा, पति श्री प्रकाश मिश्रा, आयु 35 वर्ष, निवासी-पड़रिया रोड, आजाद चौक तखतपुर, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
......आवेदिका
विरुद्ध
प्रकाश मिश्रा, पिता राममनोहर मिश्रा, आयु 45 वर्ष, निवासी-ग्राम-गमजू, पो.आ. पाली, तह. तखतपुर, व्हाया-तखतपुर, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
......अनावेदक
इस न्यायालय में आवेदिका श्रीमती एकता मिश्रा ने अनावेदक प्रकाश मिश्रा के विरूद्ध आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 13(1) हि.विवाह अधि.का पेश किया गया है, जिसकी आगामी पेशी दिनांक 13/07/2026 को है।
अनावेदक प्रकाश मिश्रा, पिता राममनोहर मिश्रा, आयु 45 वर्ष, निवासी-ग्राम-गमजू, पो.आ. पाली, तह. तखतपुर, व्हाया तखतपुर, जिला-बिलासपुर (छ.ग.) को इस समाचार पत्र के प्रकाशन के द्वारा आवेदन का नोटिस प्रेषित किया जा रहा है कि इस प्रकरण में पेशी दिनांक 13/07/2026 को न्यायालय में प्रात: 11:00 बजे स्वयं उपस्थित होकर दावा आपत्ति जवाब पेश कर प्रकरण की कार्यवाही में भाग लेने अथवा आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।
यदि किसी कारणवश पेशी दिनांक 13/07/2026 को इस न्यायालय में अवकाश घोषित हो जाता है या सार्वजनिक अवकाश घोषित हो जाता है या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर रहते हैं तो अगले कार्य दिवस पर कार्यवाही की जावेगी।
अत: आज दिनांक 15-06-26 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।
स्थान - बिलासपुर छ.ग.
दिनांक - 15/06/2026
(मुकेश कुमार पात्रे)
प्रथम अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, बिलासपुर (छ.ग.)

न्यायालय प्रथम अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, बिलासपुर (छ.ग.)
नोटिस
प्र.क्र. 64/2026
आदेश दिनांक 15/05/2026
पेशी दिनांक 13/07/2026
प्रोसेस क्रमांक 336/2026
श्रीमती एकता मिश्रा, पति श्री प्रकाश मिश्रा, आयु 35 वर्ष, निवासी-पड़रिया रोड, आजाद चौक तखतपुर, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
......आवेदिका
विरुद्ध
प्रकाश मिश्रा, पिता राममनोहर मिश्रा, आयु 45 वर्ष, निवासी-ग्राम-गमजू, पो.आ. पाली, तह. तखतपुर, व्हाया-तखतपुर, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
......अनावेदक
इस न्यायालय में आवेदिका श्रीमती एकता मिश्रा ने अनावेदक प्रकाश मिश्रा के विरूद्ध आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 144 भा.ना.सु.संहिता का पेश किया गया है, जिसकी आगामी पेशी दिनांक 13/07/2026 को है।
अनावेदक प्रकाश मिश्रा, पिता राममनोहर मिश्रा, आयु 45 वर्ष, निवासी-ग्राम-गमजू, पो.आ. पाली, तह. तखतपुर, व्हाया-तखतपुर, जिला-बिलासपुर (छ.ग.) को इस समाचार पत्र के प्रकाशन के द्वारा आवेदन का नोटिस प्रेषित किया जा रहा है कि इस प्रकरण में पेशी दिनांक 13/07/2026 को न्यायालय में प्रात: 11:00 बजे स्वयं उपस्थित होकर दावा आपत्ति जवाब पेश कर प्रकरण की कार्यवाही में भाग लेने अथवा आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।
यदि किसी कारणवश पेशी दिनांक 13/07/2026 को इस न्यायालय में अवकाश घोषित हो जाता है या सार्वजनिक अवकाश घोषित हो जाता है या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर रहते है तो अगले कार्य दिवस पर कार्यवाही की जावेगी।
अत: आज दिनांक 08/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।
स्थान- बिलासपुर छ.ग.
दिनांक-08/06/2026
(मुकेश कुमार पात्रे)
प्रथम अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, बिलासपुर (छ.ग.)

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकता है। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृष — बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

कर्क — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जाना हो सकता है। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे।

सिंह — मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। अफसरों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। सफलता के योग बन रहे हैं।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सुस्वादु खान-पान में रुचि बढ़ेगी। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

तुला — शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — किसी पैतृक सम्पत्ति के लिए विवाद की स्थिति बन सकती है। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। लाभ के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में सद्भाव बनाये रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

मकर — मन अशान्त रहेगा। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिकित्सीय खर्च बढ़ेंगे। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कुंभ — मन शान्त रहेगा। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। जीवनसाथी के परिवार के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है।

मीन — संयत रहें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

शब्द पहेली - 6277

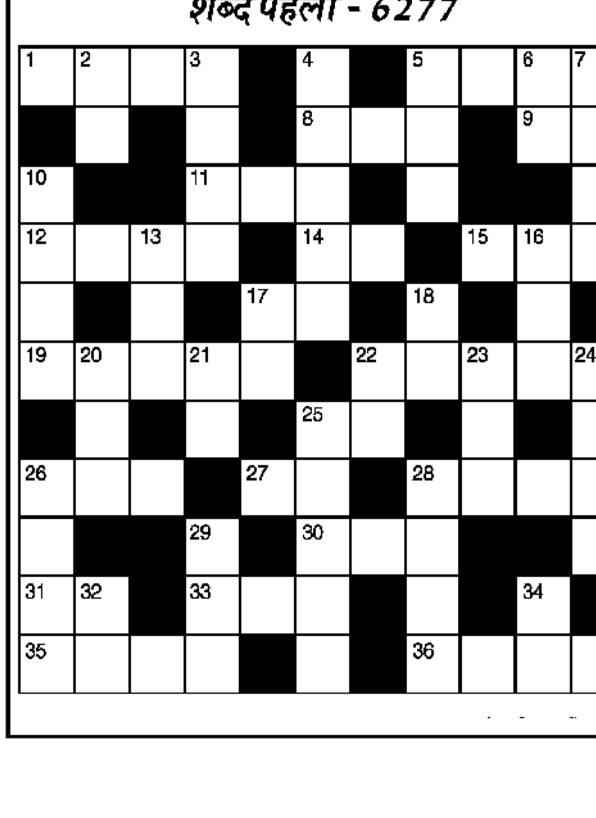

बाएँ से दाएँ
1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे
2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली- 6276 का हल

■	सो	नि	या	गां	धी	■	म	हा	न	ता
खा	ला	■	प	■	र	क्ष	क	■	म	ल
ना	■	म	न	सि	ज	■	र	ग	■	मे
ब	ला	त	■	■	वा	दा	■	म	ह	ल
दो	■	दा	■	क	ला	■	आ	■	व	■
श	य	न	क	क्ष	■	दि	शा	ही	न	ता
■	म	■	प	■	ह	ल	■	न	■	क
का	ज	ल	■	शा	म	■	■	त	ह	त
म	■	त	य	■	व	फा	दा	र	■	व
चो	र	■	की	म	त	■	म	■	का	र
र	म	जा	न	■	न	य	न	ज	ल	■

सूडोकु नवताल - 6287

★★★★☆ कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल - 6286 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

■ 60 हजार बचाने के चक्कर में गंवा सकते हैं 82 लाख रुपये

■ कंपाउंडिंग बताता है कि निवेश में समय ही सबसे बड़ी पूंजी

■ जल्दी शुरुआत करने वालों को मिलता है सबसे बड़ा फायदा

एसआईपी में सिर्फ 1 वर्ष की देरी पड़ सकती है भारी

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले ज्यादातर लोग यह मानते हैं कि जितना अधिक पैसा निवेश करेंगे, उतना बड़ा फंड तैयार होगा। यह बात सही है, लेकिन पूरी सच्चाई नहीं। निवेश विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश की रकम से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है निवेश की शुरुआत का समय। यदि कोई व्यक्ति एसआईपी शुरू करने में सिर्फ एक साल की भी देरी करता है तो उसे भविष्य में लाखों रुपये का नुकसान उठाना पड़ सकता है। वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार कंपाउंडिंग की ताकत समय के साथ सबसे अधिक काम करती है। यही वजह है कि एसआईपी की पहली किस्त की कीमत आखिरी किस्त से कई गुना ज्यादा होती है। एक साल की देरी केवल 12 किस्तों का नुकसान नहीं कराती, बल्कि उन किस्तों पर मिलने वाले वर्षों के रिटर्न से भी निवेशक वंचित रह जाता है।

क्यों सबसे अहम है पहली एसआई

कंपाउंडिंग का अर्थ है कि निवेश पर मिलने वाला रिटर्न भी आगे चलकर रिटर्न कमाने लगता है। यानी आपका पैसा केवल बढ़ता नहीं, बल्कि बढ़ा हुआ पैसा भी कमाई करता है। यदि कोई निवेशक 30 वर्ष तक लगातार एसआईपी करता है, तो पहले साल जमा की गई रकम को पूरे 30 वर्षों तक बढ़ने का मौका मिलता है। वहीं अंतिम वर्ष में जमा की गई राशि को केवल कुछ महीनों का ही समय मिलता है। यही कारण है कि शुरुआती निवेश की ताकत सबसे अधिक होती है। विशेषज्ञ इसे निवेश की दुनिया का सबसे बड़ा जादू मानते हैं। जितनी जल्दी शुरुआत होगी, कंपाउंडिंग उतना ही अधिक काम करेगी।

एक साल की देरी का बड़ा नुकसान

मान लीजिए कोई निवेशक हर महीने 5,000 रुपये की एसआईपी करता है और उसे औसतन 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न मिलता है। यदि वह लगातार 30 वर्षों तक निवेश करता है तो कुल निवेश राशि 18 लाख रुपये होगी। इस अवधि के अंत में उसका फंड लगभग 1.76 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। लेकिन यदि वही निवेशक एसआईपी शुरू करने में सिर्फ एक वर्ष की देरी कर देता है और केवल 29 वर्ष निवेश करता है, तो उसका अंतिम फंड घटकर लगभग 1.56 करोड़ रुपये रह जाएगा। यानी केवल 60 हजार रुपये (12 किस्तें) का निवेश टालने की कीमत लगभग 20.43 लाख रुपये हो सकती है। यह उदाहरण बताता है कि निवेश में सबसे बड़ा नुकसान बाजार की गिरावट नहीं, बल्कि समय गंवाने से होता है।

जितनी बड़ी एसआई, उतना नुकसान

एक साल की देरी का असर निवेश राशि बढ़ने के साथ और भी ज्यादा दिखाई देता है। यदि कोई निवेशक हर महीने 2,000 रुपये की एसआईपी करता है तो एक साल की देरी से लगभग 8.17 लाख रुपये का संभावित नुकसान हो सकता है। 10,000 रुपये मासिक एसआईपी करने वाले निवेशक के लिए यही नुकसान बढ़कर लगभग 40.87 लाख रुपये तक पहुंच सकता है। वहीं यदि मासिक एसआईपी 20,000 रुपये की है तो केवल एक साल की देरी भविष्य में करीब 82 लाख रुपये के संभावित फंड को कम कर सकती है। यही कारण है कि निवेश विशेषज्ञ हमेशा कहते हैं कि ₹सही समय का इंतजार मत कीजिए, समय को अपने पक्ष में कीजिए।

आखिर में रफ्तार पकड़ती है कंपाउंडिंग

एसआईपी का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि शुरुआती वर्षों में निवेश की रफ्तार धीमी लगती है, लेकिन बाद के वर्षों में वही निवेश तेजी से बढ़ने लगता है।
उदाहरण के तौर पर 5,000 रुपये की मासिक एसआईपी में

- 10 वर्ष बाद कुल निवेश लगभग 6 लाख रुपये होगा और फंड करीब 11.62 लाख रुपये बन सकता है।
- 20 वर्ष बाद कुल निवेश 12 लाख रुपये होगा, लेकिन फंड करीब 50 लाख रुपये तक पहुंच सकता है।
- 30 वर्ष पूरे होने पर कुल निवेश 18 लाख रुपये रहेगा, जबकि फंड बढ़कर लगभग 1.76 करोड़ रुपये हो जाएगा।
- यानी अंतिम दस वर्षों में केवल 6 लाख रुपये का अतिरिक्त निवेश पूरे फंड को 50 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.76 करोड़ रुपये तक पहुंचा देता है। यही कंपाउंडिंग की असली ताकत है।

शुरुआत में देरी हो गई तो क्या करें?

यदि किसी कारणवश एसआईपी शुरू करने में देरी हो गई है तो भी नुकसान की भरपाई की जा सकती है।
विशेषज्ञों के अनुसार यदि आपने पहला साल गंवा दिया है तो शेष अवधि में अपनी मासिक एसआईपी थोड़ी बढ़ाकर इस अंतर को काफी हद तक पूरा किया जा सकता है। उदाहरण के लिए यदि आपकी योजना 5,000 रुपये मासिक एसआईपी की थी और एक साल की देरी हो गई, तो अगले 29 वर्षों तक लगभग 5,655 रुपये प्रति माह निवेश करके उस संभावित अंतर को काफी हद तक भरा जा सकता है। यानी हर महीने केवल 655 रुपये अतिरिक्त निवेश भविष्य में लाखों रुपये का अंतर पैदा कर सकता है।

छोटी एसआईपी भी बनेगी बड़ा फंड

- कई लोग सोचते हैं कि निवेश शुरू करने के लिए बड़ी रकम होना जरूरी है, जबकि वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है।
- वित्तीय सलाहकारों का कहना है कि यदि फिलहाल बड़ी राशि उपलब्ध नहीं है तो 500 रुपये, 1,000 रुपये या 2,000 रुपये से भी एसआईपी शुरू की जा सकती है। जैसे-जैसे आय बढ़े, वैसे-वैसे एसआईपी की राशि भी बढ़ाई जा सकती है।
- नियमित निवेश और लंबी अवधि का अनुशासन ही बड़ा कोष तैयार करने की सबसे प्रभावी रणनीति है।

समय ही सबसे बड़ा निवेश है

विशेषज्ञों का मानना है कि निवेश की दुनिया में सबसे मूल्यवान चीज पैसा नहीं, बल्कि समय है। बाजार में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, लेकिन लंबे समय तक निवेश बनाए रखने वाले निवेशकों को कंपाउंडिंग का सबसे बड़ा लाभ मिलता है। यदि आप भविष्य में आर्थिक रूप से मजबूत बनना चाहते हैं तो निवेश की शुरुआत टालने के बजाय जितनी जल्दी संभव हो, उतनी जल्दी एसआईपी शुरू करें। छोटी-सी शुरुआत भी समय के साथ करोड़ों रुपये का फंड तैयार कर सकती है। इसलिए निवेश का सबसे अच्छा समय आज है, क्योंकि एक साल की देरी भविष्य में लाखों नहीं, बल्कि बड़े निवेशकों के लिए करोड़ों रुपये तक का अंतर पैदा कर सकती है।

पीपीएफ या म्यूचुअल फंड पर लें लोन?

- इमरजेंसी में कौन सा विकल्प है बेहतर
- अचानक पैसों की जरूरत पड़ने पर निवेश तोड़े बिना मिल सकती रकम
- दोनों विकल्पों के फायदे, नुकसान और किसके लिए कौन बेहतर

बिजनेस डेस्क

अचानक मेडिकल इमरजेंसी, बिजनेस में नकदी की जरूरत या किसी अन्य जरूरी खर्च के लिए अक्सर लोग अपने निवेश तोड़ देते हैं। लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी अवधि के निवेश को समय से पहले भुनाने के बजाय उसके बदले लोन लेना कई बार अधिक फायदेमंद साबित होता है। पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) और म्यूचुअल फंड, दोनों पर लोन लेने की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन दोनों की शर्तें, ब्याज दरें और लोन की सीमा अलग-अलग हैं। ऐसे में जरूरत और निवेश के आधार पर सही विकल्प चुनना जरूरी है।
पीपीएफ पर लोनः कम ब्याज, लेकिन सीमित सुविधा
पीपीएफ पर लोन केवल एक निश्चित अवधि के दौरान ही लिया जा सकता है। खाता खुलने वाले वित्तीय वर्ष के तीसरे साल से लेकर छठे वित्तीय वर्ष तक ही यह सुविधा मिलती है। यदि पहले लिया गया लोन पूरी तरह चुका दिया गया हो, तभी अगला लोन लिया जा सकता है। लोन की अधिकतम राशि आवेदन से दो वित्तीय वर्ष पहले के खाते में उपलब्ध बैलेंस के केवल 25 प्रतिशत तक सीमित होती है। चूंकि पीपीएफ सरकार समर्थित बचत योजना है, इसलिए इस पर ब्याज भी कम लगता है। वर्तमान में पीपीएफ पर 7.1 प्रतिशत ब्याज मिलता है और लोन की ब्याज दर इससे केवल 1 प्रतिशत अधिक यानी लगभग 8.1 प्रतिशत है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी निवेशक को चार लाख रुपये का लोन चाहिए तो उसके पीपीएफ खाते में लगभग 16 लाख रुपये का बैलेंस होना आवश्यक होगा, क्योंकि केवल 25 प्रतिशत राशि ही लोन के रूप में मिल सकती है।

म्यूचुअल फंड पर लोन : ज्यादा रकम और अधिक लचीलापन

म्यूचुअल फंड के बदले लोन निवेशकों के लिए अधिक लचीला विकल्प माना जाता है। यह सुविधा फिजिकल और डीमैट दोनों रूपों में रखी गई म्यूचुअल फंड यूनिट्स पर उपलब्ध है। इसका लाभ व्यक्तिगत निवेशकों के अलावा एचयूएफ, कंपनियां, एलएलपी, ट्रस्ट और साझेदारी फर्में भी ले सकती हैं। इक्विटी, डेट, हाइब्रिड और लिक्विड फंड सभी पर लोन मिल सकता है, हालांकि लोन की सीमा फंड के प्रकार पर निर्भर करती है। डेट और लिक्विड फंड पर आमतौर पर 70 से 80 प्रतिशत तक लोन मिल जाता है, जबकि इक्विटी फंड पर यह सीमा लगभग 50 प्रतिशत रहती है। यदि किसी निवेशक को चार लाख रुपये की जरूरत है तो करीब आठ लाख रुपये के म्यूचुअल फंड निवेश के आधार पर यह राशि मिल सकती है। सबसे बड़ा फायदा यह है कि निवेशक की यूनिट्स बिकती नहीं हैं और वे बाजार में निवेशित बनी रहती हैं, जिससे लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण जारी रहता है।

ब्याज और जोखिम में बड़ा अंतर

म्यूचुअल फंड पर लोन की ब्याज दर आमतौर पर 9 से 12 प्रतिशत के बीच होती है। कई बैंक और वित्तीय संस्थान इसे ओवरड्राफ्ट सुविधा के रूप में देते हैं, जिसमें केवल इस्तेमाल की गई राशि पर ही ब्याज देना पड़ता है। हालांकि इसमें एक जोखिम भी है। यदि बाजार गिरता है और म्यूचुअल फंड की नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) कम हो जाती है, तो बैंक अतिरिक्त सिक्योरिटी या आंशिक भुगतान की मांग कर सकता है। ऐसा नहीं करने पर गिरवी रखी गई यूनिट्स बेची भी जा सकती हैं।

किसके लिए कौन सा विकल्प बेहतर

वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए, जो नियमित एसआईपी करते हैं और अच्छा म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो बना चुके हैं, म्यूचुअल फंड पर लोन बेहतर विकल्प माना जाता है। इससे निवेश टूटता नहीं और कंपाउंडिंग का लाभ भी जारी रहता है। स्वरोजगार या व्यवसाय करने वालों के लिए भी म्यूचुअल फंड पर लोन अधिक उपयोगी है, क्योंकि इसमें बड़ी राशि अपेक्षाकृत जल्दी मिल सकती है।

एसआईएफ की बढ़ती लोकप्रियता से लंपसम निवेश को मिल रही है चुनौती

10 लाख की न्यूनतम निवेश सीमा के बावजूद एसआईएफ की ओर बढ़ा रुझान

जानकारी
बिजनेस डेस्क

विशेषज्ञों का कहना है कि पहले लॉन्ग-शॉर्ट निवेश रणनीति का लाभ केवल कैटेगरी-III अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड (एआईएफ) के माध्यम से ही मिल पाता था। लेकिन एआईएफ में निवेश की न्यूनतम सीमा एक करोड़ रुपये होती है, जो अधिकांश निवेशकों की पहुंच से बाहर है। इसके विपरीत एसआईएफ में केवल 10 लाख रुपये से निवेश संभव है। इससे संपन्न निवेशकों को कम पूंजी में वही निवेश रणनीति अपनाने का अवसर मिल रहा है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में एचएनआई निवेशक अब एसआईएफ को अपनाने लगे हैं।

म्यूचुअल फंड उद्योग में लंपसम निवेशकों के लिए एक नया विकल्प तेजी से उभर रहा है। स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) की बढ़ती लोकप्रियता अब पारंपरिक इक्विटी म्यूचुअल फंडों के लंपसम निवेश को चुनौती देती दिखाई दे रही है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि हाल के महीनों में इक्विटी म्यूचुअल फंडों में लंपसम निवेश घटने के पीछे एसआईएफ की बढ़ती स्वीकार्यता भी एक अहम वजह हो सकती है। पिछले महीने इक्विटी म्यूचुअल फंडों में शुद्ध निवेश (नेट इनफ्लो) में करीब 40 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि दूसरी ओर एसआईपी (एसआईपी) निवेश लगातार मजबूत बना रहा। इससे यह संकेत मिला कि छोटे निवेशक नियमित निवेश जारी रखे हुए हैं, जबकि बड़े निवेशक अब नए विकल्पों की तलाश कर रहे हैं।

सात माह में सात गुना बढ़ा एयूएम

पिछले वर्ष शुरू किए गए स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड्स ने बेहद कम समय में निवेशकों का भरोसा जीत लिया है। अक्टूबर 2025 में इनका एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) लगभग 2,010 करोड़ रुपये था, जो मई 2026 तक बढ़कर 13,814 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया। यानी महज सात महीनों में इनका आकार लगभग सात गुना बढ़ गया। हालांकि एसआईएफ में निवेश के लिए न्यूनतम 10 लाख रुपये की सीमा तय की गई है, फिर भी हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल (एचएनआई) निवेशकों में इसका आकर्षण लगातार बढ़ रहा है।

हाइब्रिड लॉन्ग-शॉर्ट स्कीम पसंद

एसआईएफ के भीतर सबसे अधिक लोकप्रियता हाइब्रिड लॉन्ग-शॉर्ट स्कीम को मिली है। मई 2026 तक इस श्रेणी में करीब 9,709 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो कुल एसआईएफ एसेट्स का लगभग 70 प्रतिशत है। इन योजनाओं में प्रति फोलियो औसत निवेश भी सबसे अधिक रहा। हाइब्रिड लॉन्ग-शॉर्ट स्कीम में औसत निवेश करीब 33.86 लाख रुपये प्रति फोलियो दर्ज किया गया। इसके मुकाबले इक्विटी लॉन्ग-शॉर्ट स्कीम में यह आंकड़ा 15.64 लाख रुपये और इक्विटी एक्स-टॉप-100 लॉन्ग-शॉर्ट स्कीम में 12.77 लाख रुपये रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि यह आंकड़ा बताता है कि संपन्न निवेशक इस नई श्रेणी पर तेजी से भरोसा जता रहे हैं।

क्यों बढ़ रही है एसआईएफ मांग

बाजार जानकारों के अनुसार एसआईएफ की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह निवेशकों को बेहतर जोखिम-समायोजित रिटर्न देने की कोशिश करता है। विशेष रूप से हाइब्रिड लॉन्ग-शॉर्ट रणनीति बाजार में गिरावट के दौरान भी नुकसान को सीमित रखने का प्रयास करती है। हालिया बाजार सुधार के दौरान इन योजनाओं ने सकारात्मक रिटर्न देकर निवेशकों का भरोसा और मजबूत किया है। यही वजह है कि कई निवेशक अब पारंपरिक लंपसम इक्विटी निवेश की जगह एसआईएफ को प्राथमिकता दे रहे हैं।

म्यूचुअल फंडों पर पड़ेगा असर?

विशेषज्ञों का मानना है कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि एसआईएफ पारंपरिक म्यूचुअल फंडों का स्थान ले लेंगे। फिलहाल इसका प्रभाव मुख्य रूप से बड़े लंपसम निवेशकों तक सीमित है। एसआईपी निवेश में किसी प्रकार की कमजोरी देखने को नहीं मिली है। इससे स्पष्ट है कि खुदरा निवेशक अभी भी नियमित निवेश के लिए पारंपरिक म्यूचुअल फंडों पर भरोसा बनाए हुए हैं। हालांकि यदि एसआईएफ का प्रदर्शन लगातार बेहतर रहता है तो आने वाले वर्षों में बड़े निवेशकों का एक हिस्सा इस श्रेणी की ओर शिफ्ट हो सकता है।

किन निवेशकों के लिए बेहतर है एसआईएफ

विशेषज्ञों के अनुसार एसआईएफ उन निवेशकों के लिए उपयुक्त हो सकता है जिनके पास पहले से बड़ा निवेश पोर्टफोलियो है और जो बाजार की अस्थिरता के बीच बेहतर जोखिम प्रबंधन चाहते हैं। विशेष रूप से ऐसे निवेशक जो एकमुश्त बड़ी राशि निवेश करते हैं और केवल इक्विटी पर निर्भर नहीं रहना चाहते, उनके लिए यह एक बेहतर विकल्प बन सकता है। इसके अलावा फिक्स्ड इनकम निवेशक, जो सीमित जोखिम के साथ अपेक्षाकृत बेहतर रिटर्न चाहते हैं, वे भी भविष्य में इस श्रेणी की ओर आकर्षित हो सकते हैं।

अभी भी कई चुनौतियां बाकी

हालांकि विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि एसआईएफ को व्यापक स्तर पर लोकप्रिय होने में अभी समय लगेगा। निवेशकों में जागरूकता बढ़ाने, वितरकों को प्रशिक्षित करने और लंबी अवधि का प्रदर्शन रिकॉर्ड तैयार होने के बाद ही यह श्रेणी बड़े पैमाने पर स्वीकार की जाएगी। निवेशकों के लिए यह भी जरूरी होगा कि वे केवल शुरुआती प्रदर्शन देखकर निवेश न करें, बल्कि फंड की रणनीति, जोखिम, शुल्क और अपने वित्तीय लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लें।

लंबी अवधि में बदल सकता है निवेश का परिदृश्य

वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय निवेश उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है। जैसे-जैसे निवेशकों की समझ बढ़ेगी, वे पारंपरिक इक्विटी और डेट फंडों से आगे बढ़कर नई निवेश रणनीतियों को भी अपनाएंगे। स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड इसी बदलाव का संकेत हैं। यदि इनका प्रदर्शन स्थिर और बेहतर बना रहता है तो आने वाले वर्षों में यह हाई नेटवर्थ निवेशकों के पोर्टफोलियो का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकते हैं। हालांकि खुदरा निवेशकों के लिए एसआईपी आधारित म्यूचुअल फंड अभी भी सबसे सरल, अनुशासित और प्रभावी निवेश विकल्प बने हुए हैं।

20 साल की एसआईपी में सिर्फ पांच फंड ही बने असली 'वेल्थ क्रिएटर'

बिजनेस डेस्क। म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले अधिकांश निवेशकों का सपना होता है कि उन्हें लंबे समय तक लगातार बेहतर रिटर्न मिले। हालांकि, ऐसा करने वाले फंड बहुत कम हैं। करीब 600 सक्रिय इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के विश्लेषण में केवल पांच ऐसी योजनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने 3, 5, 10, 15 और 20 वर्ष जैसी सभी प्रमुख निवेश अवधियों में 15 प्रतिशत से अधिक सालाना एसआईपी रिटर्न दिया है। यह विश्लेषण वैल्यू रिसर्च के 29 जून 2026 तक के आंकड़ों पर आधारित है। सबसे खास बात यह है कि इस सूची में कोई भी फ्लेक्सी-कैप या लार्जकैप फंड शामिल नहीं है। दो मिडकैप, दो हेल्थकेयर और एक इंफ्रास्ट्रक्चर थीम आधारित फंड ने निवेशकों को लंबी अवधि में शानदार संपत्ति बनाने का अवसर दिया। यह दर्शाता है कि मजबूत सेक्टरों में लंबे समय तक धैर्य के साथ निवेश करने वाले निवेशकों को बेहतरीन रिटर्न मिला।

ये हैं पांच सबसे सफल एसआईपी फंड

- इस सूची में एचएसबीसी मिडकैप फंड (रेगूलर) पहले स्थान पर है। इस फंड ने 3 वर्ष में 20.05%, 5 वर्ष में 21.46%, 10 वर्ष में 18.39%, 15 वर्ष में 18.96% और 20 वर्ष में 17.70% का वार्षिक एसआईपी रिटर्न दिया। निवेशक ने 20 वर्षों तक हर महीने 10,000 की एसआईपी की होती, तो उसका निवेश बढ़कर 1.86 करोड़ हो जाता।
- दूसरे स्थान पर एसबीआई हेल्थकेयर ऑपर्च्युनिटी फंड (रेगूलर) रहा। इसने 20 वर्षों में 16.80 प्रतिशत वार्षिक एसआईपी रिटर्न दिया और 10,000 मासिक निवेश को लगभग 1.68 करोड़ रुपये में बदल दिया।
- तीसरे स्थान पर आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मिडकैप फंड रहा। इस फंड ने 20 वर्षों में 16.52 प्रतिशत का रिटर्न दिया और लगभग 1.61 करोड़ का कोष तैयार किया।
- चौथे स्थान पर यूटीआई हेल्थकेयर म्यूचुअल फंड (रेगूलर) रहा, जिसने 20 वर्षों में 15.61 प्रतिशत रिटर्न देते हुए 10,000 की मासिक एसआईपी को लगभग 1.45 करोड़ रुपये तक पहुंचाया।
- पांचवें स्थान पर डीएसपी इंडिया टीआईजीईआर फंड (रेगूलर) रहा। इंफ्रास्ट्रक्चर थीम पर आधारित इस फंड ने 20 वर्षों में 15.40 प्रतिशत रिटर्न दिया और निवेशकों का कोष करीब 1.40 करोड़ रुपये तक पहुंचा दिया।

अमेरिकी ब्याज दरों, ट्रेजरी यील्ड और वैश्विक अनिश्चितता से बढ़ा दबाव

सात माह के निचले स्तर पर सोना-चांदी, ऐसे में क्या करें निवेशक

बिजनेस डेस्क

जुलाई की शुरुआत सर्राफा बाजार के लिए झटके भरी रही। 1 जुलाई को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में तेजी, फेडरल रिजर्व की सख्त मौद्रिक नीति के संकेत और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इसका असर यह हुआ कि सोना और चांदी दोनों सात महीने के निचले स्तर के करीब पहुंच गए। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि यह गिरावट केवल नकारात्मक संकेत नहीं है, बल्कि लंबी अवधि के निवेशकों के लिए अवसर भी बन सकती है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अगस्त डिलीवरी वाला सोना 1,701 रुपये यानी 1.19 प्रतिशत टूटकर करीब 1.40 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं सितंबर डिलीवरी वाली चांदी में और बड़ी गिरावट देखने को मिली। चांदी 5,380 रुपये यानी 2.35 प्रतिशत लुढ़ककर 2.23 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई।
अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कमजोरी का यही रुख दिखाई दिया। कॉमेक्स पर सोना करीब 4,000 डॉलर प्रति औंस के महत्वपूर्ण स्तर के आसपास सात महीने के निचले स्तर पर कारोबार करता रहा, जबकि चांदी लगभग तीन प्रतिशत गिरकर 57.73 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

अमेरिकी फेड की सख्ती बनी सबसे बड़ी वजह

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व का सख्त रुख है। हाल के दिनों में फेड अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि यदि महंगाई पूरी तरह नियंत्रण में नहीं आती है तो इस वर्ष के अंत तक ब्याज दरों में एक और बढ़ोतरी की जा सकती है। ब्याज दरें बढ़ने से निवेशकों का रुझान सोने जैसी बिना ब्याज वाली परिसंपत्तियों से हटकर बॉन्ड और अन्य ब्याज देने वाले निवेश विकल्पों की ओर बढ़ जाता है। यही कारण है कि सोने और चांदी पर बिकवाली का दबाव लगातार बना हुआ है।

ट्रेजरी यील्ड और मजबूत डॉलर का असर

अमेरिकी सरकारी बॉन्ड यानी ट्रेजरी की यील्ड में तेजी ने भी सोने की चमक फीकी कर दी है। जब ट्रेजरी यील्ड बढ़ती है तो निवेशकों को सुरक्षित और बेहतर रिटर्न वाले विकल्प मिलने लगते हैं। इससे सोने की मांग घटती है। इसके साथ ही डॉलर इंडेक्स में मजबूती आने से भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों पर दबाव बढ़ा। चूंकि सोने का कारोबार डॉलर में होता है, इसलिए डॉलर मजबूत होने पर अन्य देशों के निवेशकों के लिए सोना महंगा हो जाता है और मांग कमजोर पड़ जाती है।

मध्य-पूर्व में बढ़ता तनाव भी चिंता का कारण

मध्य-पूर्व में एक बार फिर बढ़ते तनाव ने बाजार की चिंता बढ़ा दी है। ईरान और अमेरिका के बीच रिश्तों में आई तल्खी तथा शांति वार्ता को लेकर अनिश्चितता ने निवेशकों को सतर्क बना दिया है। हालांकि सामान्य परिस्थितियों में ऐसे तनाव के दौरान सोने को सुरक्षित निवेश माना जाता है, लेकिन इस समय ब्याज दरों और डॉलर की मजबूती का प्रभाव अधिक देखने को मिल रहा है। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने भी वैश्विक महंगाई को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। यदि तेल महंगा होता है तो महंगाई बढ़ सकती है, जिससे केंद्रीय बैंक ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची रख सकते हैं।

अब अमेरिकी आंकड़ों पर टिकी नजर

बाजार की अगली दिशा काफी हद तक अमेरिका से आने वाले आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगी। निवेशकों की नजर जून के **ADP** रोजगार आंकड़ों और नॉन-फार्म पेरोल डेटा पर है। यदि रोजगार के आंकड़े मजबूत आते हैं तो फेड के लिए ब्याज दरें ऊंची बनाए रखने का आधार मजबूत होगा, जिससे सोने पर दबाव बना रह सकता है। वहीं, यदि आंकड़े उम्मीद से कमजोर आते हैं तो ब्याज दरों में नरमी की उम्मीद बढ़ेगी और सोना-चांदी में रिकवरी देखने को मिल सकती है।

विशेषज्ञ बोले- जल्दबाजी नहीं, रणनीति के साथ ही करें निवेश

विशेषज्ञों की रायः अभी सतर्कता जरूरी

सर्राफा बाजार के जानकारों का कहना है कि फिलहाल तकनीकी रूप से सोना और चांदी दोनों कमजोर स्थिति में हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 4,000 डॉलर प्रति औंस के स्तर से नीचे बना रहता है तो अगला मजबूत सपोर्ट 3,600 डॉलर प्रति औंस के आसपास दिखाई देता है। इसी तरह चांदी यदि 60 डॉलर प्रति औंस के नीचे टिकती है तो इसमें 50 डॉलर प्रति औंस तक गिरावट की संभावना बनी रह सकती है। हालांकि लगातार बिकवाली के कारण दोनों धातुएं अब ओवरसोल्ड जोन में पहुंच चुकी हैं। ऐसे में किसी भी सकारात्मक वैश्विक संकेत या कमजोर अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों के बाद तेज तकनीकी रिकवरी भी संभव है।

क्या यह खरीदारी का सही समय है?

विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी अवधि के निवेशकों को घबराने की जरूरत नहीं है। यदि किसी का निवेश लक्ष्य पांच से दस वर्ष या उससे अधिक का है तो ऐसी गिरावट चरणबद्ध निवेश (स्टैगर्ड इन्वेस्टमेंट) का अवसर बन सकती है। एकमुश्त निवेश करने के बजाय किस्तों में खरीदारी करना अधिक सुरक्षित रणनीति मानी जा रही है। इससे यदि कीमतें और गिरती हैं तो औसत खरीद मूल्य कम किया जा सकता है। वहीं अल्पकालिक ट्रेडर्स को फेडरल रिजर्व के अगले संकेत, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, डॉलर इंडेक्स और वैश्विक घटनाक्रमों पर लगातार नजर बनाए रखनी चाहिए।

दीर्घकाल में बनी रहेगी सोने की अहमियत

सोना सदियों से महंगाई, आर्थिक संकट और वैश्विक अनिश्चितताओं के दौरान सबसे भरोसेमंद निवेश विकल्प माना जाता रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अल्पकाल में कीमतों में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक है, लेकिन लंबी अवधि में सोना निवेश पोर्टफोलियो को स्थिरता देने का महत्वपूर्ण माध्यम बना रहेगा। यही कारण है कि वित्तीय सलाहकार कुल निवेश का एक हिस्सा सोना और चांदी जैसी कीमती धातुओं में रखने की सलाह देते हैं। मौजूदा गिरावट को केवल कमजोरी के रूप में नहीं, बल्कि रणनीतिक निवेश के अवसर के रूप में भी देखा जा सकता है। हालांकि किसी भी निवेश निर्णय से पहले अपनी जोखिम क्षमता, निवेश अवधि और वित्तीय सलाहकार की राय को जरूर ध्यान में रखना चाहिए।

केप वर्दे ने छुड़ाए अर्जेंटीना के पसीने, मेस्सी सेना ने एक्स्ट्रा टाइम में जीता कड़ा मुकाबला

एजेंसी ▶▶| मियामी गार्डन्स

इस विश्व कप में साहस और कौशल की नई परिभाषा लिखने वाले छोटे से देश केप वर्दे ने खिताब की प्रबल दावेदार मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को नाकों चने चबवा दिए और अतिरिक्त समय तक चले इस मुकाबले को जीतने के बाद लियोनेल मेस्सी और उनकी टीम ने मस्तक पर छलके पसीने को पोछकर मानों राहत की सांस ली। इसके साथ ही विश्व कप में 'छिपे रुस्तम' केप वर्दे का शानदार अभियान यही खत्म हो गया और जीत के साथ अर्जेंटीना अंतिम 16 में पहुंच गया। आसानी से हार नहीं मानने वाले केप वर्दे ने नियमित समय में और फिर अतिरिक्त समय में बराबरी के गोल दागे। अर्जेंटीना के तीसरे गोल का वह जवाब नहीं दे सके और मेस्सी की टीम ने 3-2 से मुकाबला जीता।

छोटे देश ने कराया इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज

हारने के बावजूद अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित इस द्वीप देश ने विश्व कप के इतिहास के पन्नों में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा लिया। जीत के बाद अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने कहा,' मैं केप वर्दे को श्रेय देना चाहूंगा। सच यही है कि जब लोग कहते हैं कि कोई विरोधी टीम कमतर नहीं होती और आज केप वर्दे ने साबित कर दिया कि वह शानदार टीम है। केप वर्दे के लिए डाइनी बोर्गेस ने 111वें मिनट में गोल दागा जबकि क्रिस्टियन रोमेरो का आत्मघाती गोल अर्जेंटीना के खाते में गया।

शर्मनाक रिकार्ड

एक विश्व कप में दो आत्मघाती गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बने हानी

अर्लिंगटन। मिस्र के डिफेंडर मोहम्मद हानी एक ही टूर्नामेंट में दो आत्मघाती गोल करने वाले विश्व कप के इतिहास के पहले खिलाड़ी बन गए। आस्ट्रेलिया के मिडफील्डर एडेन ओ नील की 55वें मिनट में लगाई गई फ्रीकिक पर गेंद हानी के सिर से टकराकर मिस्र के गोल के भीतर ही चली गई। इससे पहले आस्ट्रेलियाई मिडफील्डर कोनोर मेटकाफे से टकराने के कारण हानी को चिकित्सा सहायता लेनी पड़ी थी। बेल्जियम के खिलाफ ग्रुप चरण में 1-1 से ड्रॉ रहे मैच में भी उन्होंने आत्मघाती गोल किया था।

हमने अच्छा प्रदर्शन किया: मेस्सी

मेस्सी ने मैच के बाद कहा,' हमने अच्छा प्रदर्शन किया और जहां गलतियां हुई हैं, उन्हें सुधारना होगा।' मेस्सी के साथ अर्जेंटीना और इंटर मियामी के लिये खेलने वाले रौद्रिगो डि पॉल ने कहा ,' मेरे लिए उसकी दोस्ती सबसे अहम चीज है और मैं खुशकिस्मत हूं कि इन पलों में उसके साथ मैदान पर हूं।'

'गोल्डन बूट' की दौड़ में एमबाप्पे 1 गोल पीछे

इस साल टूर्नामेंट में मेस्सी ने सातवां गोल दागा और 'गोल्डन बूट' की दौड़ में एमबाप्पे उनसे एक गोल पीछे हैं । पिछले आठ विश्व कप मैचों में मेस्सी 12 गोल कर चुके हैं। मेस्सी का विश्व कप में लगातार गोल करने का सिलसिला 2022 में मिली खिताबी जीत से चला आ रहा है।

पहली बार नॉकआउट मुकाबला जीता मिस्र, ऑस्ट्रेलिया बाहर

अर्लिंगटन। होसाम अब्दुलमागुद ने शूटआउट में निर्णायक गोल किया, जिसके दम पर पहली बार विश्व कप नॉकआउट मुकाबला खेलते हुए मिस्र ने आस्ट्रेलिया के पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हरा दिया जबकि निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 से बराबर था। मिस्र ने चौथी बार विश्व कप खेलते हुए यह जीत दर्ज की है। वहीं आस्ट्रेलिया नॉकआउट में तीन में से एक भी बार जीत नहीं सका है। अब मिस्र का सामना मंगलवार को गत चैम्पियन अर्जेंटीना से होगा, जिसने केप वर्दे को अतिरिक्त समय में 3-2 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई है। शूटआउट में आस्ट्रेलिया के हैरी साउटार का निशाना चूका और 18 वर्ष के लुकास हेरिंगटन का शॉट क्रॉसबार से टकरा गया। मिस्र के लिए होसाम के अलावा महमूद साबिर, रामी राबिया और लिवरपूल के पूर्व स्टार मोहम्मद सालाह ने गोल दागे। मांसपेशी की चोट के बावजूद सालाह ने यह मैच खेला। आस्ट्रेलिया के लिए ये शूटआउट में जैकसन इरविन और अवेर माबिल ने गोल किए। इमाम अशूर ने 13वें मिनट में हेडर पर गोल करके मिस्र को बढत दिला दी थी। आस्ट्रेलिया ने 55वें मिनट में बराबरी की जब मिस्र के डिफेंडर मोहम्मद हानी एक ही विश्व कप में दो आत्मघाती गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

घाना को हराकर कोलंबिया अंतिम 16 में

कंसास सिटी। जोन एरियास ने शुरुआती मिनटों में लुई सुआरेस के क्रॉस पर गोल किया और इसी एक गोल के दम पर कोलंबिया ने भीषण गर्मी के बीच घाना को हराकर विश्व कप के अंतिम 16 में जगह बना ली। कोलंबिया का सामना अब मंगलवार को वैंकूवर में स्विटजरलैंड से होगा। मैच शुरू होने के कुछ मिनट के भीतर ही कोलंबिया के फॉरवर्ड जोन कोरडोबा को जांघ के पीछे की मांसपेशी में चोट लग गई, जिसके बाद कोच नेस्टर लोरेंजो को सुआरेज को बुलाना पड़ा। यह इंटर मियामी के स्टार फुटबॉल खिलाड़ी सुआरेज नहीं बल्कि स्पोर्टिंग सीपी के लिए खेलने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। उन्होंने आते ही अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ी और 14वें मिनट में डेनियल मुनोज से गेंद लेकर एरियास को जबर्दस्त क्रॉस दिया, जिन्होंने घाना के गोलकीपर लारेंस एटि जिगि को छकाकर गोल कर दिया।

खबर संक्षेप

हुलेनकोर्ट महिला ओपन खिताब की दौड़ में दीक्षा

हुलेनकोर्ट। दीक्षा डागर खिताब की दौड़ में बनी हुई है और भारत की चारों गोल्फर ने हुलेनकोर्ट महिला ओपन के कट में प्रवेश कर लिया। दीक्षा बढ़त पर थी लेकिन इवन पार 72 का स्कोर करके संयुक्त तीसरे स्थान पर खिसक गई। उन्होंने तीन बर्डी लगाए लेकिन तीन बोगी भी किए। भारत की अदिति अशोक ने भी लेडीज यूरोपीय टूर पर प्रभावी वापसी करके संयुक्त आठवां स्थान हासिल कर लिया। अवनि प्रशांत संयुक्त 18वें स्थान पर है जबकि प्रणवी उर्स संयुक्त 56वें स्थान पर है। स्पेन की कैरोलिना चाकारा ने सात अंडर 65 और कुल नौ अंडर स्कोर करके बढत बना ली है।

20 को ग्लास्गो रवाना होगी जिम्नास्टिक्स टीम

नई दिल्ली। भारत की कलात्मक जिम्नास्टिक्स टीम आगामी राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों के तहत लंदन में तीन सप्ताह का प्रशिक्षण शिविर पूरा करने के बाद 20 जुलाई को ग्लास्गो के लिए रवाना होगी। यह प्रशिक्षण शिविर 29 जून से शुरू हुआ, जिसके लिए कोष भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने 'टारगेट एशियन गेम्स ग्रुप' और 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम' के तहत दिया था। राष्ट्रमंडल खेलों के लिए महिला टीम में ओलंपियन प्रणति नायक, निश्का अग्रवाल, ईशिता रेवाले और प्रतिष्ठा सामंता शामिल हैं। पुरुष टीम में तपन मोहंती, तपेश्वरनाथ दास, स्वातिश केपी और योगेश्वर सिंह को जगह मिली है। राकेश पात्रा पुरुष टीम के कोच हैं जबकि पायल भट्टाचार्जी और अशोक कुमार मिश्रा महिला टीम के कोच के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

उपलब्धि

क्रिकेट में वैभव का नया राज मास्टर ब्लास्टर का टूटा रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

बिहार के समस्तीपुर जिले के 15 वर्षीय प्रतिभाशाली क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने भारतीय क्रिकेट इतिहास में नया अध्याय लिखते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले देश के सबसे युवा खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया।

उन्होंने लगभग 37 वर्षों से कायम महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। दोनों खिलाड़ियों के दौर और बल्लेबाजी शैली में जमीन-आसमान का अंतर है। सचिन ने 16 वर्ष 205 दिन की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था। उनकी बल्लेबाजी मजबूत रक्षात्मक तकनीक और कलात्मक स्ट्रोक्स के लिए जानी जाती थी, जो मुंबई की 'खड़ूस' क्रिकेट संस्कृति की पहचान मानी जाती है। सूर्यवंशी ने महज 15 वर्ष 99 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से भारतीय टीम में पदार्पण किया। उनकी बल्लेबाजी आक्रामक अंदाज की है, जो आधुनिक टी-20 क्रिकेट की तेज-तर्रार शैली के अनुरुप है।

सचिन फ्लॉपी डिस्क और सूर्यवंशी एआई की पीढ़ी के

सचिन फ्लॉपी डिस्क के दौर के खिलाड़ी थे जबकि सूर्यवंशी की पीढ़ी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित भविष्य की ओर बढ़ रही है। बदलते समय के बावजूद एक बात समान है कि देश को अपनी नई क्रिकेट प्रतिभाओं में भविष्य की उम्मीदें नजर आती हैं।

वैभव के डेब्यू को लेकर देशभर में उत्साह

सचिन के बाद शायद ही किसी युवा खिलाड़ी के पदार्पण को लेकर पूरे देश में ऐसा उत्साह देखने को मिला हो। इंग्लैंड से पहले आयरलैंड पहुंचने के बाद से ही प्रशंसक सूर्यवंशी के साथ सेल्फी लेने के लिए उत्सुक दिखाई दिए। लोकप्रियता का आलम यह रहा एक प्रशंसक ने राजस्थान रॉयल्स की ओर से नियुक्त उनके संरक्षक रोमी भिंडर के साथ भी सेल्फी खिंचवाई, वो भी केवल इसलिए कि वह सूर्यवंशी से जुड़े व्यक्ति के साथ तस्वीर लेना चाहता था। सोशल मीडिया और स्मार्टफोन के इस दौर में हर प्रशंसक मानो एक डिजिटल रिपोर्टर बन गया है।

अनुष का शानदार प्रदर्शन जीता रजत पदक

नई दिल्ली। भारत के स्टार घुड़सवार खिलाड़ी अनुष अग्रवाला ने जर्मनी के हेगन में आयोजित कैवालिएरो ड्रेसेज डेज प्रतियोगिता के सीडीआई1 प्री सेंट जॉर्ज वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। 'स्ट्रेट हॉर्स फ्लोरियाना' पर सवार अनुष ने 70.147 प्रतिशत अंक हासिल किए और 22 प्रतिभागियों के बीच दूसरे स्थान पर रहे। अनुष और फ्लोरियाना के बीच बेहतरीन तालमेल तथा सटीक प्रदर्शन की बदौलत उन्होंने प्रतिष्ठित 70 प्रतिशत का आंकड़ा पार किया, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी निरंतरता को दर्शाता है। इस स्पर्धा में जर्मनी की चार्लोट-मारिया शूर्मन 72.304 प्रतिशत अंक के साथ पहले स्थान पर रहीं। यह उपलब्धि ऐसे समय में आई है, जब 2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय ड्रेसेज टीम के चयन को लेकर अनुष विवाद के केंद्र में हैं। उन्हें चार सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया बल्कि रिजर्व खिलाड़ी के रूप में नामित किया गया है।

दूसरा टी20: बेथेल की विस्फोटक पारी इंग्लैंड ने भारत को 4 विकेट से हराया

मैनचेस्टर। रवि बिश्नोई का एक महंगा ओवर 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के बहुप्रतीक्षित अंतरराष्ट्रीय पदार्पण पर भारी पड़ा, जहां इंग्लैंड ने शनिवार को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत को 4 विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। इंग्लैंड ने 191 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक ओवर शेष रहते 6 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

खास बातें

- सीरीज में 1-0 से बढ़त
- सूर्यवंशी का डेब्यू फीका

निर्णायक मोड़

मैच का निर्णायक मोड़ 17वां ओवर साबित हुआ, जिसमें रवि बिश्नोई ने 29 रन लुटा दिए। ओवर की शुरुआत उन्होंने लगातार दो नो-बॉल से की और इसके बाद जैकब बेथल ने 3 शानदार छक्के जड़कर मैच पूरी तरह इंग्लैंड की झोली में डाल दिया। बेथल ने 46 गेंदों पर नाबाद 76 रन की मैच जिताऊ पारी खेली।

बेथेल ने किया वैभव को डेब्यू फीका

दिन की शुरुआत 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के पदार्पण को लेकर उत्साह के साथ हुई थी, लेकिन अंत 22 वर्षीय जैकब बेथल की विस्फोटक बल्लेबाजी के नाम रहा। इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। अर्शदीप सिंह (40 रन पर तीन विकेट) ने फिल सॉल्ट और जोस बटलर को खाता खोले बिना आउट कर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। कप्तान हैरी ब्रूक ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 15 गेंदों में 39 रन बनाए। उन्होंने अर्शदीप के एक ओवर में तीन छक्कों और दो चौकों की मदद से 27 रन बटोरे और दबाव को काफी हद तक कम कर दिया।

प्रज्ञानानंदा ने जीते तीनों मुकाबले रैपिड वर्ग में 12 अंक

ग्रैंड शतरंज टूर : गुकेश और केमेर ने हासिल किए दस अंक

एजेंसी ▶▶| जगरेब

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने आखिरी दिन तीनों मुकाबले जीतकर ग्रैंड शतरंज टूर के क्रोएशिया चरण में रैपिड श्रेणी में 12 अंक लेकर फ्रांस के फिरोजा अलीरजा के साथ संयुक्त शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। दूसरे दिन पिछड़ रहे प्रज्ञानानंदा ने आखिरी दिन क्रोएशिया के इवान सारिच, रोमानिया के डीक बोगडेन डेनियल और नीदरलैंड के अनीश गिरि को हराया।

फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव और उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव 11 अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहे। विश्व चैंपियन डी. गुकेश और जर्मनी के विंसेंट केमेर ने दस अंक हासिल किए। अब ब्लिट्ज वर्ग के 18 दौर खेले जाने हैं। गिरि के आठ अंक हैं जबकि डीक और नीदरलैंड के जोर्डन वान फोरीस्ट उनसे एक अंक पीछे हैं।

विंबलडन में हार पर बोले भांबरी, हमने बहुत नर्वस मैच खेला

लंदन। भारत के डबल्स खिलाड़ी युकी भांबरी ने कहा है कि विंबलडन के पहले राउंड में मिली हार की वजह उनका और साथी खिलाड़ी माइकल वीनस का टूर्नामेंट का दबाव नहीं झेल पाना है। भांबरी और न्यूजीलैंड के वीनस को पहले राउंड में डच-अमेरिकन जोड़ी जीन-जूलियन रोजर और थियोडोर वाइनगर ने 3-6, 4-6 से हराया, जिसमें इंडो-कीवी जोड़ी को सर्व पर खुद को हावी करने में मुश्किल हुई, और वे किसी भी ब्रेक-पॉइंट के मौके को भुनाने में नाकाम रहे।

पूर्व विश्व चैंपियन क्रामनिक निलंबित

बिलिंग्स। अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने पूर्व विश्व चैंपियन ब्लादीमिर क्रामनिक को कम से कम एक साल के लिए निलंबित कर दिया है, जिन्होंने डेनियल नारोदित्स्की समेत साथी खिलाड़ियों पर धोखेबाजी के आरोप लगाए थे, जो साबित नहीं हुए। नारोदित्स्की का पिछले साल 29 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। क्रामनिक ने उन पर धोखेबाजी का आरोप लगाते हुए इसे सोशल मीडिया पर भी साझा किया था। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर नारोदित्सकी ने शिक्षाप्रद यूट्यूब वीडियो और लाइवस्ट्रीम के जरिए खेल के आनलाइन दौर को लाने में मदद की थी। उन्होंने इन आरोपों को खारिज किया था। क्रामनिक ने एपी को भेजे ईमेल में कहा कि वह इस निलंबन को चुनौती देंगे। शतरंज महासंघ ने कहा कि क्रामनिक ने बिना पर्याप्त सबूतों के सार्वजनिक रूप से धोखाधड़ी का आरोप लगाया जो 'साइबर बुलिंग' के खिलाफ उनके नियमों का उल्लंघन है।

tifr HBCSE
होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र
टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च

भारतीय गणित ओलंपियाड पात्रता परीक्षा (IOQM) 2026-27

भारतीय राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड (INMO) 2027 में भाग लेने के इच्छुक छात्रों के लिए, राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड पात्रता परीक्षा (IOQM) में शामिल होना अनिवार्य है।
यह परीक्षा 6 सितंबर, 2026 को आयोजित की जाएगी।
IOQM में सफल होने वाले छात्र INMO 2027 में भाग लेने के पात्र होंगे। यह अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड (IMO) 2027 और यूरोपीय गर्ल्स गणित ओलंपियाड (EGMO) 2028 में भारतीय टीम के आधिकारिक सदस्य के रूप में भागीदारी की दिशा में पहला चरण है।

अधिक जानकारी और पंजीकरण लिंक:
https://olympiads.hbcse.tifr.res.in एवं https://www.mtai.org.in/

पंजीकरण संबंधित परीक्षा केंद्रों पर सीधे किया जा सकता है
इसके अलावा, ऑनलाइन पंजीकरण भी **29 जून 2026** से शुरू होगा
ऑनलाइन पंजीकरण के लिए वेबसाइट: https://ioqm.mtai.org.in/

पंजीकरण की अंतिम तिथि: 25 जुलाई 2026

CBC 48143/11/0004/2627

कार्यालय कार्यपालन अभियंता (सं/स.) संभाग
छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी मर्यादित, बैकुण्ठपुर

क्र./कार्य.अभि./बिजली बंद सूचना/559/ बैकुण्ठपुर, दिनांक 03.07.026

बिजली बंद सूचना

समस्त सम्मानीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र पटना में अति आवश्यक रख रखाव एवं सुधार कार्य संपादित किये जाने हेतु निम्नलिखित क्षेत्रों में दर्शायी गयी तिथि एवं समय पर विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी :-

क्र	विद्युत आपूर्ति बंद रहने की तिथि	समय	फीडर/उपकेन्द्र का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	05-07-2026	सुबह 9:00 बजे से 4:00 PM बजे तक	33/11 के.व्ही. पटना सबस्टेशन से निकलने वाले समस्त 11 केव्ही फीडर	पटना, बुडार, कुडेली. छिदिया, डुमरिया, रनई, खाडा, महोरा, डकईपारा, टेंगनी, बिलारो, सरबोक्का, तेंदुवा, टेमरी, सावाराव, अमहर, कोचिला, करजी, पीपरा, गिरजापुर, मानपुर, जमगहना, शिवपुर एवं संबंधित क्षेत्र

टीप :- आवश्यतानुसार बंद की अवधि घटाई या बढ़ाई जा सकती है इस दौरान विद्युत उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा कि लिए वितरण कंपनी को खेद है।
विद्युत देयक का भुगतान समय पर करें।
विद्युत चोरी दण्डनीय अपराध है।

कार्यपालन अभियंता (सं/स.) संभाग
छ.रा.वि.वित.कं.मर्या. बैकुण्ठपुर

प्रथम पृष्ठ का शेष

अबूझमाड़ से महाराष्ट्र...

कार्रवाई कर करीब आधा दर्जन तस्करों व शिकारियों को दबोच लिया है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक, इस कार्रवाई में अब तक करीब एक दर्जन लोग पकड़े जा चुके हैं और एक तस्कर के कब्जे से बाघ की मुंडी भी जब्त की गई है। आशंका जताई जा रही है कि इस गिरोह ने इलाके में चार से ज्यादा बाघों का शिकार किया है। डेढ़ दशक में 25 खालें - **जब्त, कांकेर-बस्तर 'हॉटस्पॉट'** - वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो एनटीसीए और वन विभाग के रिकॉर्ड गवाही दे रहे हैं कि छत्तीसगढ़ में पिछले डेढ़ दशक में बाघों का बड़े पैमाने पर संहार हुआ है। साल 2010 से लेकर अब तक राज्य में बाघों के शिकार, खाल और अंगों की तस्करी के करीब 40 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से 25 मामलों में सीधे बाघों की खाल जब्त की गई है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन कुल मामलों में से 80 प्रतिशत से ज्यादा प्रकरण अकेले कांकेर जिले और उसके नीचे के बस्तर रिजन में दर्ज हुए हैं, जो साबित करता है कि यह पूरा इलाका तस्करों का मुख्य केंद्र बन चुका है।

नक्सलियों के पूर्व...

'कुरियर ब्वाय' बन गए हैं। अंदरूनी रास्तों और जंगलों की सटीक भौगोलिक जानकारी होने के कारण ये लोग वन विभाग की नजरों से बचकर खाल और अंगों को बार्डर पार कराने में तस्करों की मदद कर रहे हैं।

आंकड़ों में शिकार...

0 19 अगस्त 2021 और 08 सितंबर 2021: एक ही साल में 1-1 बाघ की खाल बरामद। 0 08 अक्टूबर 2022: 1 बाघ की खाल जब्त 0 बस्तर कॉरिडोर: 'डेथ जोन' में खाकी भी दागदार (10 मामले) 0 भानुप्रतापपुर (पूर्व/पश्चिम): वर्ष 2006 से 2017 के बीच अलग-अलग कार्रवाइयों में कुल 7 बाघों की खालें पकड़ी गईं (18 अप्रैल 2012 को एक साथ 2 खालें मिली थीं)। 0 दक्षिण कोंडागांव: 02 नवंबर 2015 और 14 अगस्त 2016 को 1-1 बाघ की खाल बरामद। 0 बस्तर जिला: 13 जनवरी 2015 को 1 खाल जब्त। 0 जगदलपुर (12 मार्च 2021): यहाँ 1 बाघ की खाल जब्त हुई थी, जिसमें खुद पुलिस विभाग की संलिप्तता उजागर हुई थी। 0 कबीरधाम (कवर्धा) जिला: अंगों का सौदा (5 मामले), 10 फरवरी 2010 और 22 दिसंबर 2011: शिकारियों ने 1-1 बाघ का सीधा शिकार किया। 04 दिसंबर 2017: बाघ के प्रतिबंधित नाखून बरामद हुए। 05 फरवरी 2018: तस्करी के लिए रखी बाघ की 40 पीस हड्डियां और बाल जब्त। भोरमदेव (चिल्पी): साल 2020 में 1 बाघ का संदिग्ध शव बरामद हुआ। टाइगर रिजर्व और नेशनल पार्क: दांव पर सुरक्षा उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व: 31 मई 2014 को बाघ के नाखून और 15 फरवरी 2018 को 1 खाल जब्त। गुरुघासीदास नेशनल पार्क: 05 जून 2022 को 1 बाघ का शव मिला (सीधा शिकार)। अचानकमार टाइगर रिजर्व: 25 जनवरी 2025 को आपसी लड़ाई (**Infight**) के कारण 1 बाघ की मौत हुई।

बदहाल स्कूलों की...

की जगह अतिरिक्त कमरे बनवाए जा रहे हैं। वहां इसके निर्माण में ही सालभर निकल जाएगा। इस स्थिति में विद्यार्थियों को बैठने की समस्या जस की तस बनी रहेगी।

सरकारी स्कूलों की...

लगभग 531 जर्जर स्कूलों को लेकर हरिभूमि द्वारा खबर प्रकाशित होने के बाद इस खबर का असर हुआ है और अब मरम्मत योग्य सभी जर्जर स्कूल भवनों के लिए स्वीकृति दी गई है।

पहाड़ी के ऊपर...

के 79 वर्षो बाद भी स्कूल भवन का निर्माण नहीं किया गया है जहां आज भी स्कूली बच्चे खुले आसमान के नीचे या फिर किसी ग्रामीण के झोपड़ी मे बैठकर पढ़ाई करने विवश हो रहे है इस खबर को भी प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया गया था। इसके बाद मैनपुर के दुर्गम पहाड़ी के उपर बसे ताराझर ग्राम मे अब स्कूल भवन का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर प्रारंभ किया गया है यहां 11 लाख रुपए की लागत से स्कूल भवन निर्माण कार्य किया जा रहा है।

हरिभूमि-आईएनएच का...

अध्यक्ष बीज निगम, विधायक योगेश्वर राजू सिंहा, डॉ. संपत अग्रवाल, द्वारिकाधीश यादव, श्रीमती चातुरी नंद, एतराम साहू भाजपा जिलाध्यक्ष, निखिलकांत साहू नपाध्यक्ष महासमुंद, इंद्रजीत सिंह गोल्डी, राज्य आयुक्त स्काउट गाइड के अलावा पूर्व राज्य मंत्री पूनम चंद्राकर, अमरजीत चावला पूर्व महामंत्री पीसीसी, पूर्व विधायक एवं संसदीय सचिव विनोद चंद्राकर, अंकित बागबाहरा पूर्व सदस्य पर्यटन मंडल शामिल होंगे। इस दौरान आम जनता और विभिन्न वर्गों से जुड़े प्रतिनिधियों के सवालों के माध्यम से जिले की वर्तमान स्थिति और भविष्य की योजनाओं पर भी संवाद होगा। कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, वन मंडलाधिकारी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे। इस आयोजन में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया जाएगा।

करंट लगने से...

परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें—मां और उसके दो सगे बेटे—काल के गाल में समा गए। इन दोनों ही घटनाओं ने निर्माण कार्यों और ग्रामीण इलाकों में बिजली सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रोफेसर कालोनी के सेक्टर-1 में शनिवार को सोलर पैनल लगाते समय जो मजदूर हाईटेंशन वायर की चपेट में आ गए, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मजदूर बगैर सुरक्षा उपकरण के सोलर पैनल लगा रहे थे। इस कारण दोनों करंट की चपेट में आ गए। करंट की चपेट में आने वाले मजदूरों की पहचान दुर्ग, औंधी निवासी प्रमोद चंद्राकर (25) और आशीष चंद्राकर (19) के रूप में हुई है। पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक 3 मजदूर एक मकान की छत पर सोलर पैनल लगाने का काम कर रहे थे। इसी दौरान सोलर प्लेट स्लाइड होकर नीचे गिरने लगी। गिर रहे सोलर प्लेट को पकड़ने के लिए दोनों मजदूर पहुंचे और दोनों करंट की चपेट में आ गए। एक मजदूर कोई और काम कर रहा था, इस वजह से वह करंट की चपेट में आने से बच गया। **देर शाम मिला तीनों का शव-** मृतका के पति सीताराम सिंगरौल ड्राइवरी करते हैं। 3 जुलाई को वे गाड़ी लेकर केंदा गए थे। देर शाम में घर लौटे तो दरवाजा में ताला लटका था। एक घण्टे बाद भी मां बेटो के नहीं आने पर उन्होंने रिश्तेदारों से पूछताछ की। तीनों के खेत की ओर जाने की जानकारी मिलने पर वे गांव नंदकुमार कौशिक के साथ टार्च लेकर अपने खेत डोंगरीपारा गए तो तीनों की लाश मिली। **घटनास्थल नहीं गया थाना प्रभारी-** करंट लगने से खेत में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। उसके बाद भी थाना प्रभारी मौके पर नहीं गए। हवलदार को मौके पर भेजकर लाश मरच्यूरी में रखवाने व दूसरे दिन एएसआई को मरच्यूरी में भेजकर पोस्टमार्टम कराकर खानापूर्ति कर ली गई। तीनों करंट के चपेट में कैसे आए कोटा पुलिस नहीं बता पा रही है।

खेत में जीआई तार...

बेटा विवेक कुमार 23 साल, सत्यव्रत सिंगरौल 14 साल 3 जुलाई की सुबह 9 बजे अपने खेत काम करने चले थे। सुबह 11 बजे उनकी पत्नी दसन बाई खेत गई। उस दौरान बारिश हो रही थी, काम करने के दौरान विवेक कुमार मवेशियों को रोकने अपने खेत में जीआई तार व रस्सी से घेराबंदी कर रहे थे। इसी दौरान करंट की चपेट में आकर बड़े भाई को चीखते देख सत्यव्रत व उसकी मां दसन बाई ने छुड़ाने के लिए उसे पकड़ा तो वे भी करंट की चपेट में आ गए और तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जाता है बारिश व आंधी से उनके खेत में लगे बोरवेल का तार टूटकर जीआई तार पर गिर गया था, जिससे करंट फैल गया था, पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुट गई है।

बद्रीनाथ में भी...

आडवाणी और विश्व हिंदू परिषद ने राममंदिर के लिए ब्रिक्स इकट्ठा करनी शुरू कीं, तो फर्स्ट ब्रिक्स त्रिवेंदरम में मेरे ससुराल में लोड हुई जिन्हें पहले कन्याकुमारी ले जाया गया और वहां से शुरू हुआ। मेरी पत्नी भी चाहती थीं और मेरी मां भी जिंदगी भर राम, राम लिखती थीं। हमने सोचा कि जब इतना बड़ा राम मंदिर बन रहा है तो फिर क्यों नहीं राम चरित मानस बनाकर दें, उसकी भी पूजा होती रहेगी, लोग भी दर्शन करेंगे, भगवान का आशीर्वाद ले सकेंगे। तो मैंने 8 अप्रैल 2024...वो पहली राम नवमी थी, जब रामलला की स्थापना हो चुकी थी। मुझे पुलिस ने बताया था कि रामनवमी के दिन आएंगे तो लाखों की भीड़ होगी, आप रख नहीं पाएंगे इसलिए रामनवमी जब शुरू हो रही है तो...पंडितों ने भी कहा कि बहुत शुभ दिन है...पहले दिन रख आइए। मुझे रखवाने में वहां की स्थानीय पुलिस ने बहुत मदद की क्योंकि सवा कुंतल की रामचरित मानस को ऊपर चढ़कर रखवाना पड़ा। लेकिन तीन-चार महीने बाद मुझे एक दिन बताया गया कि रामचरित मानस नहीं दिख रही है। मंदिर में दर्शन करने गए मेरे रिश्तेदारों ने इस बारे में बताया। पूर्व गृह सचिव एस.लक्ष्मीनारायण का कहना है कि मैं अयोध्या गया तो नौ घंटे के इंतजार के बाद चंपत राय से मुलाकात हुई।

नकटी ग्राम पर...

राजनीतिक रोटी सेकने और भोले-भाले लोगों को गुमराह करके बरगला रही है। प्रदेश सरकार ने नकटी के 62 लोगों को नया रायपुर में नया घर भी दे दिया है, इन लोगों ने घर लेने की सहमति देते हुए हस्ताक्षर भी किए, इसके बाद कांग्रेस अपनी राजनीति के लिए इन लोगों को गुमाराह करने में लगी है, जबकि नकटी में आवास बनाने के लिए कांग्रेस की सरकार के समय ही स्थान का चयन किया गया था। ठाकरे परिसर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए डॉ. मार्कण्डेय और गौरीशंकर ने कहा, 2020 में पूर्ववर्ती भूपेश सरकार के शासनकाल में नकटी की योजना बनी थी। उस समय हाउसिंग बोर्ड के जरिए वहां आवासीय कॉलोनी तैयार करने की प्रक्रिया शुरू हुई। हाउसिंग बोर्ड द्वारा जमीन मांगे जाने पर, पटवारी, आरआई व तहसीलदार ने चिह्नांकित कर सारी विधिसम्मत प्रक्रिया पूरी कर शासन को सौंपी। 2022 में वहां आवासीय कॉलोनी बनने की जानकारी मिलते ही 2022-23 में वहां कब्जाधारियों की बाढ़ आ गई। पहले वहां लगभग 3 हेक्टेयर जमीन पर कब्जा था, जिस पर कच्चे मकान चिन्हांकित हुए। ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों को आवास के लिए ढाई डिसमिल जमीन दी जाती है। लेकिन यहां के कई लोगों ने 10 से 20 हजार वर्ग फीट जमीन पर कब्जा कर लिया है और उन लोगों ने 50 लाख रुपए मूल्य तक के बड़े मकान बना लिए हैं।

पुल टूटा, जान...

कदम नहीं उठाए जा रहे है। बता दें कि सूरजपुर जिले के प्रतापपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत सुखदेव पुर में फुलझर नदी के सुखाड़ नाला पर बना पुल 12-13 मई की दरमियानी रात धराशायी हो गया था। महज 10-12 साल पुराना पुल बीचो बीच से दो टुकड़ों में टूट गया था। पुल टूटने के बाद इस मार्ग पर आवागमन बंद हो गया था। पुल टूटने से सबसे ज्यादा असर एसईसीएल को पड़ा क्यों कि इस सडक और पुलिया का उपयोग महान-3 खदान से कोयला उत्खनन के लिए किया जाता है। पुल टूटने के बाद एसईसीएल कल्याणपुर की तरफ से कोयला परिवहन कर रहा है लेकिन इस मार्ग से आवागमन करने वाले आम नागरिकों की परेशानी बढ़ गई है। ऐसा इसलिए क्यों कि इस मार्ग पर आवागमन हेतु अस्थायी रपटा के निर्माण की योजना एसईसीएल व सेतु निगम द्वारा बनाई गई थी और टूटे हुए पुल के बगल में रपटा निर्माण का कार्य शुरू भी कराया गया लेकिन रपटा निर्माण का कार्य बेहद धीमा है। चूंकि अब बारिश का मौसम प्रारंभ हो चुका है और इस नदी का जलस्तर बढने लगा है। ऐसे में इस मार्ग से आवागमन करने वाले लोग अपनी जान जोखिम में डालकर नदी पार कर रहे है। वर्तमान में स्कूल खुलने के बाद छोटे छोटे बच्चों की भी परेशानी बढ़ गई है। क्षेत्र बोझा, सुखाड़, चन्दरपुर सहित अन्य गांव के बच्चे पढाई करने के लिए खडगवां आते है। पुल टूट जाने के बाद बच्चों को नदी पार कर आवगमन करना पड़ रहा है। बच्चों के नदी पार कर स्कूल जाने का वीडियो अब सोशल वायरल हो रहा है।

चिंतन शिविर से...

पर व्यापक मंथन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा, चिंतन शिविर केवल विचार-विमर्श का मंच नहीं, बल्कि शासन की कार्यसंस्कृति में निरंतर सुधार और नवाचार का माध्यम बन चुका है। पिछले दो संस्करणों से प्राप्त सुझावों को सरकार ने प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारा है, जिसके सकारात्मक परिणाम आज प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था में स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं।

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यूं जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली
केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें।
रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें।
ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
HMS देखकर खरीदें

सीला मलहम ®
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देखे
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य करने के लिए (महिला/युवती) कम्प्यूटर आपरेटर की आवश्यकता है। वेतन 15000 से 20000 तक सम्पर्क करें- 8817395214 (41339)

आवश्यकता है- ऑनलाइन कम्प्यूटर अनुभवी लड़का चाहिए (जो पर्सनल असिस्टेंट और फील्ड कार्य कर सके) वेतन योग्यता अनुसार बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- शिवा एंटरप्राइजेज, अरपा कॉम्प्लेक्स पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 7067124226. 9238421379 (41332)

आवश्यकता है- घर में रहकर झाड़ पोछा एवं साफ सफाई कार्य करने हेतु पुरुष कर्मचारी या लड़के की आवश्यकता है। दोपहर 12 बजे के बाद सम्पर्क करें- 9827195555 (41334)

आवश्यकता है- सनराइज पब्लिक स्कूल में कक्षा पहली से छठवीं तक गणित, हिन्दी पढ़ाने के लिए शिक्षिका एव सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सुबह 9बजे से दोपहर 12बजे तक 9691700427 (41335)

आवश्यकता है- बिलासपुर सरकण्डा, गतौरी रतनपुर राजकिशोर के लिए चौकीदार की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9691059371, 90393 55895 (41333)

आवश्यकता है- दो लड़के हॉस्टल में ऑफिस कार्य, रूम सर्विस हेतु, साफ सफाई कपड़े बर्तन हेतु तीन कामवाली बाई, खाना बनाना हेतु एक मिस्त्री चाहिए, रहने खाने सुविधा सम्पर्क करें- बिलासपुर 8839169907 (41338)

आवश्यकता है- बच्ची को संभालने हेतु शिक्षित महिला या लड़की की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पूर्ण बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- फ्लैट नं.-304, सी-ब्लॉक सांई परिसर रामा मैग्नेटो मॉल के पास 7389640567 (41322)

Siddhi Softwares
आवश्यकता है
(1) PHP Laravel Developer- 02 Post
(2) Computer/ CCTV Hardware Engineer- 02 Post
-योग्यता-
संबंधित क्षेत्र में डिप्लोमा, स्नातक, समकक्ष योग्यता एवं अनुभव
Contact-
6265197680
6260537847

आवश्यकता है- आर्टिफिशियल ज्वेलरी शॉप में लड़कों, लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- संध्या ज्वेलरी एण्ड कॉस्मेटिक श्रीराम क्लॉथ मार्केट, अग्रसेन चौक बिलासपुर (प्रातः 11बजे के पहले फोन ना करें) 96910 83080, 7987423847 (41326)

आवश्यकता है- बालमुकुन्द उच्च. माध्य. विद्यालय भारतीय नगर चौक तालापारा बिलासपुर में निम्न पदों की आवश्यकता है चपरासी- 1पद (वेतन 4अंको में) शिक्षक- कला संकाय (अंग्रेजी माध्यम) 1पद, वाणिज्य संकाय (अंग्रेजी माध्यम) 1पद, रसायन शास्त्र (अंग्रेजी माध्यम) 1पद हिन्दी व्याख्याता 1पद, अंग्रेजी सहायक शिक्षक TGT प्राथमिक, विज्ञान हेतु बीएड, टेट उत्तीर्ण उम्मीदवार को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9329875378 (41325)

आवश्यकता है- निष्कर्ष पैथोलॉजी क्लीनिक में पैथोलॉजी लैब टेक्नीशियन की आवश्यकता है बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- दोपहर 1बजे से 7बजे, प्रथम तल, डॉ. अग्रवाल डिजिटल एक्स-रे एवं सोनोग्राफी सेन्टर, जूनीलाइन, बिलासपुर 7869911027 (41329)

आवश्यकता है- क्लीनिक में काम करने हेतु लड़की की आवश्यकता है। सैलरी 4000 से 5000 (समय सुबह 10बजे से शाम 8बजे) सम्पर्क करें- पुराना बस स्टैण्ड, राजीव प्लाजा के पास, बिलासपुर 97704 10332 (41324)

आवश्यकता है- टायर शोरूम में कार्य हेतु सेल्समैन 4पद (वेतन योग्यतानुसार 15000- 20000) एवं हेल्पर कार्य हेतु मेहनती लड़कों की (वेतन 10000-12000) सम्पर्क- (1) टायर सेन्टर विनायक नेत्रालय के बाजू अग्रसेन चौक बिलासपुर (2) टायर सेन्टर, महिन्द्रा शोरूम के पास सिरगिट्टी (41309)

आवश्यकता है- BUSY Software Operator (Transport Billing) प्रतिष्ठित ट्रांसपोर्ट फर्म को BUSY Software Operator की आवश्यकता है। योग्यता- BUSY Software पर Billing / Accounting का अनुभव Transport Billing, Challan, Invoice, LR का ज्ञान MS Excel एवं Computer का सामान्य ज्ञान, ट्रांसपोर्ट लाइन का अनुभव वांछनीय वेतन- अनुभव अनुसार आकर्षक। सम्पर्क करें- 93014 89299 (41315)

आवश्यकता है- बाइक ऑटो पार्ट्स (एक्सेसरीज) दुकान में काम करने हेतु सेल्समैन, हेल्पर और सॉफ्टवेयर ऑपरेटर (बीजी) चाहिए। नोट- वेतन अनुभव एवं योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 7869523344, 7301717175 (41328)

आवश्यकता है- थोक कपड़ा रेडीमेड दुकान में बिलिंग, एकाउंटिंग हेतु न्यूनतम 1वर्ष अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- श्री साई होजियरी, गली नं-5, कश्यप कॉलोनी, बिलासपुर 9111111377 (41316)

आवश्यकता है- बिलासपुर एवं मस्तूरी स्थित ऑफिस में कार्य करने हेतु अनुभवी अकाउंटेंट की आवश्यकता है। जिसे टैली एवं एक्सेल की जानकारी हो। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 9425549722 (0160)

आवश्यकता है- बच्चे के साथ रहने के लिए महिला की आवश्यकता है समय दोपहर 12बजे से 8.30 बजे तक सम्पर्क 9425899221 स्थान इन्दु चौक के पास बिलासपुर (41321)

Requirment- Manager Qualification Roles And Responsibilities- Genral Administration Statutory Compliances Legal Matters Salary Will be Commensurate With Qualification And Experience Intersted Candidate may send Resume Mo.- 8283848502 (41317)

आवश्यकता है- प्लाईवुड दुकान में अकाउंटेंट की आवश्यकता है जिसे Busy Software आता हो। अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- आहूजा ट्रेडर्स, सरकंडा बिलासपुर 70004 84949, 6267343749 (41318)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में पिकर, चेकर, लोकल डिलीवरी एवं पैकर कार्य करने हेतु लड़के और लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- जगत फार्मा, होटल अजीत के पीछे मेडिकल काम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर (41313)

आवश्यकता है- मेडिकल सर्जिकल ऑफिस में कार्य हेतु लड़कियों (योग्यता 12वीं से ग्रेजुएट) एवं साफ सफाई हेतु लड़कियों की आवश्यकता है (कार्य समय- 10घंटे), पता- श्रीविनायक सेल्स ए/158, अज्ञेय नगर बिलासपुर 9893367787 (5396)

आवश्यकता है- झाड़ू पोछा, सफाई वेटर (18वर्ष से ऊपर) (10000) कर्मचारी, मेहनती कार्य हेतु लड़कों की। वेतन 10000 से 12000 ग्रामीणों को रहना खाना, निशुल्क पता- अग्रवाल लॉज गोल बाजार, बिलासपुर 9406390898 (41297)

आवश्यकता है- श्री गुरुतेग बहादुर उ.मा. शाला 27खोली विकास नगर में अंग्रेजी पढ़ाने हेतु शिक्षक एवं आफिस कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- प्रातः 8 से 1बजे तक 9827405850, 9039768650 (41306)

आवश्यकता है- शीघ्र आवश्यकता जो बाहर रह कर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के, आयु 18 से 30वर्ष वेतन 12000+कमीशन+बोनस के साथ 20000 रहना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क- 78800 03160, 7880003190 (528)

आवश्यकता है- सीसीटीवी कैमरा की वायरिंग एवं फिटिंग हेतु युवकों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- पारस इन्टरप्राइजेस, GF-26, अम्बे अंजनी ई-प्लाजा, सीएमडी कॉलेज चौक, लिंक रोड बिलासपुर 94255 30470, 9826598526 (41308)

आवश्यकता है- होलसेल दवाई दुकान में कार्य करने हेतु लड़की, लड़को एवं ड्राइवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें-के. एस. एजेन्सीज मेडिकल काम्प्लेक्स बिलासपुर (41312)

आवश्यकता है- तेलीपारा मेडिकल कॉम्प्लेक्स बिलासपुर में दवाई दुकान में कार्य करने हेतु डिलीवरी बॉय की आवश्यकता है। सम्पर्क करें-7974882279 (5119)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए सेल्समैन की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- महामाया बैग हाउस शॉप नम्बर बी-4 वृन्दावन परिसर तेलीपारा बिलासपुर (41310)

आवश्यकता है- कुत्ते के आश्रम में जिम्मेदार स्टाफ चाहिए। कुत्तों को खाना देना, देख-भाल, मल मूत्र सफाई का कार्य. 10,000 मासिक वेतन, रहना व खाना उपलब्ध। चंदखुरी रायपुर, छत्तीसगढ़ 72258 88800 (095)

आवश्यकता है- तत्काल भर्ती सुरक्षागार्ड 25, ड्राइवर 10, फिल्ड ऑफिसर 10 बाइक अनिवार्य, वेतन- 11000 से 18000+ रहना फ्री, साईट बिलासपुर, भूपदेवपुर पता- शॉप नं.-210 फर्स्ट फ्लोर बालाजी प्लाजा 8461881110, 91110 00881, 8889823100 (41295)

आवश्यकता है- यदुनन्दन नगर तिफरा में महिला ट्यूटर की आवश्यकता है जो घर पर आकर दो घंटे क्लास 3 के बच्चे को पढ़ा सके। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- रविन्द्र पाटनवार 97533 11111 (612)

आवश्यकता है- भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन 500-1000 तक की गारंटीड कमाई करें बिना किसी कमीशन के। जुड़ने के लिए कॉल करें-89294 49955 (63586)

आवश्यकता है- UTN Shop में सर्वे कार्य हेतु लड़के, लड़कियों चाहिए सैलरी 10000 से 15000, रिसेप्शनिस्ट 1पद, वेतन 6000 पता- शॉप नम्बर FS16 प्रथम तल, सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 79995 94790, 7806007192 (41302)

आवश्यकता है- दो बाई एवं मिस्त्री खाना बनाने के लिए एवं दो लड़कों की रूम सर्विस के लिए आवश्यकता है सम्पर्क करें- होटल राज दयालबंद बिलासपुर (41299)

बेचना

बेचना है- बिलासपुर में आकाश मार्ग, शुभम विहार उस्लापुर में सर्वसुविधायुक्त 1280 वर्गफीट में निर्मित 4BHK डुप्लेक्स मकान अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 7697590551 (41323)

बेचना है- रायपुर रोड छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के सामने एयरपोर्ट रोड पर 50×200= 10000 वर्गफिट व्यावसायिक डायवर्टेड बाऊन्ड्रीवाल किया हुआ प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 9340685602 (41330)

बेचना है- 4BHK, 4लेटबाथ 2मंजिला नया लक्जरियस मकान 1525 वर्गफीट दो कार पार्किंग गार्डन वॉश एरिया पोर्च, रघु विहार अशोक नगर सरकंडा, 2BHK फर्स्ट फ्लोर फ्लैट विजया रीजेंसी, विजयापुरम, सरकंडा सम्पर्क- 97520 11980 (41228)

बेचना है- श्रीं अम्बा टावर्स फेस 1 में 2BHK फ्लैट, 4th फ्लोर लिफ्ट सुविधा उपलब्ध। बेचना है, अथवा किराये (सरकारी कर्मचारी कोप्राथमिकता) से देना हैं, L-2 विद्या नगर बिलासपुर सम्पर्क करें- 7415651736 (41327)

बेचना है- दुकान बेचना है शनिचरी पड़ाव में 8×12 साईज की तीन मंजिला दुकान वर्तमान की स्टेशनरी की चालू हालत में जमीं जमाई दुकान बेचना है। सम्पर्क करें- 9131452265, 9827473604 (41336)

किराया

किराया- राजेन्द्र नगर बिलासपुर में एक कमरा किचन, लेटबाथ 24 घंटे पानी सर्व सुविधा युक्त मकान किराये के देना है सम्पर्क करें- 9301260984 (41337)

किराया- 600 वर्गफिट का हाल छोटे व्यवसाइयों को किराए से देना है। आयुर्वेदिक अस्पताल के पीछे, नूतन चौक के पास सरकंडा में (पार्किंग सुविधा) सहित सम्पर्क करें- 9329879789, 9303483227 (41331)

किराया- बिलासपुर में उस्लापुर के पास मेन रोड के किनारे सागर होम्स कालोनी फेस-II में मकान नम्बर ए-94 के प्रथम तल पर 2BHK. परिवार वाले या छात्राओं को प्राथमिकता। सम्पर्क- 9993283308 (41314)

किराया- 2BHK स्वतन्त्र मकान पोर्च सहित किराए पर देना है किराया 7500/- पता- काली मन्दिर के सामने, मन्नाडोल तिफरा बिलासपुर सम्पर्क करें- 9098468103, 9770128995 (41307)

फाइनेन्स

लोन- Sai Kripa Financial Service पर्सनल लोन, मॉर्गेज लोन, बिजनेस लोन,लोन ट्रांसफर (BT),होम लोन, केसीसी लोन, पट्टे पर लोन, कार एवं हेवी व्हीकल लोन, बिना बैंक के चक्कर लगायें लोन प्राप्त करें पता- शॉप नं.- 231 आकाशंगगा, ढिल्लन कॉम्पलेक्स सुपेला भिलाई मो.-नुरज सिंह राजपुत 7587287565, 91650 58207, 83139119645 (307)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
59 वर्षीय अविवाहित ब्राह्मण पुरुष, बिलासपुर निवासी हेतु 50 से 62 वर्षीय कामकाजी या सेवानिवृत वधू चाहिए (जाति बंधन नहीं, बिना बच्चों वाली तलाकशुदा/ विधवा भी स्वीकार्य)
सम्पर्क करें
7898655147

वधु चाहिए- 34 वर्ष-5'6'' मनवा (कुर्मी), (US) अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजिनियर हेतु शिक्षित मांगलिक वधु चाहिए मो.- 99819-096941, 97552-05590 (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) (313)

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार)
17.09.82 / 5'-11"
एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्रायवेट क्लीनिक, मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दु उच्च जाति मान्य। ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें
9131453175

Medicare Specialists
गुप्त रोगी स्वयं मिले

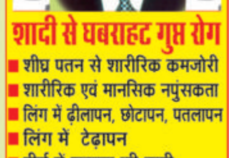

शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढ़ीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि
समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
➡जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
➡जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
➡शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
➡ एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
➡श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
➡रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
➡जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
➡रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
➡भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
➡श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
➡एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
➡श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
➡अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
➡विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
➡माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
➡बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
➡ हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

SHRI KHATU SHYAM JYOTISH

15 वर्षों से आपकी सेवा में

जन्मकुण्डली विशेषज्ञ

पं. रविकांत शर्मा / पं. एस. के. शास्त्री

हर मुश्किल से मुश्किल समस्या का समाधान
"ज्योतिष मेरा काम नहीं, मेरी साधना है"
"जब कहीं ना हो काम, तो हमसे ले समाधान"

पं. एस. के. शास्त्री
जन्मकुण्डली विशेषज्ञ

ऑफिस आने पर मात्र ₹101/- फोन से परामर्श केवल ₹251/-

व्यापार बढ़ोतरी, किया कराया, शादी के लिए माता-पिता को मनाना

जब कही ना हों काम, तो हमसे ले समाधान

जन्म पत्रिका बनाई जाती है

- नवग्रह आदि समस्त प्रकार के ज्योतिष समाधान
- व्यापार, विवाह, नौकरी में प्रमोशन
- मकान - संतान योग
- दुकान, बच्चो के कैरियर मार्गदर्शन
- कालसर्प दोष निवारण
- प्रेम विवाह, मोहनी
- मांगलिक दोष निवारण

बुकिंग के लिए संपर्क करें : +91 7470674060

असुविधा से बचने के लिए आपॉइंटमेंट लेकर ही मिलें

नोट : मिलने के लिए अपॉइंटमेंट लेना आवश्यक है।

पोलसाय पारा चौक के पास, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

संपर्क सूत्र :- पं. रविकांत शर्मा एवं पं. एस. के. शास्त्री : +919755964567

दुनियाभर में अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है पहली बारिश का जश्न

बरसात का आगमन गर्मियों के अंत और मानसून की शुरुआत का संकेत है। भारत में यह जून से सितंबर तक रहता है। पहली बारिश का दुनिया भर के लोग बेसब्री से इंतजार करते हैं। हालांकि, दुनिया भर में बरसात के मौसम के दौरान पहली बारिश से जुड़ी अलग-अलग परंपराएं और रीति-रिवाज निभाए जाते हैं। आइए आज हम आपको बताते हैं कि इन देशों में पहली बारिश का जश्न कैसे मनाया जाता है।

भारत

भारत में बरसात की शुरुआत के साथ ही लोग 'आषाढ़' नामक महीने का स्वागत करते हैं। इस दौरान उत्तर भारत में तीज का त्योहार मनाया जाता है, जिसमें महिलाएं नाचते-गाते हुए मानसून का स्वागत करती हैं। इसी मौसम में ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली जाती है। हर घर में चाय के साथ गर्मा-गर्म पकौड़ों का आनंद लिया जाता है और बच्चे बारिश में भीगते हुए आनंद लेते हैं।

जापान में घरों में लटकाते हैं गुड़िया

जापान की संस्कृति में पहली बारिश के मौसम को बहुत शुभ माना जाता है और इसे 'रैइतेन' के नाम से जाना जाता है। यहां के लोग सुंदर सांस्कृतिक परंपराओं और प्रकृति के प्रति गहरे सम्मान के साथ इस मौसम का स्वागत करते हैं। बच्चे टिश्यू पेपर से ये गुड़िया बनाते हैं और उन्हें अपने घरों के छज्जों या खिड़कियों के नीचे लटकाते हैं। हर शहर इस दौरान गुलाबी और बैंगनी रंग के सुंदर फूलों से ढक जाता है।

फिलीपींस में प्रवेश द्वार में नमक छिड़काव

फिलीपींस में पहली बारिश के मौसम को 'लूनास' या 'लूनास मूसन' के नाम से जाना जाता है। यहां के लोग मानते हैं कि पहली बारिश के मौसम के दौरान पानी का इस्तेमाल करके व्यक्ति अपने जीवन में आने वाली समस्याओं से छुटकारा पा सकता है। इसके अलावा लोग अपने घरों के प्रवेश द्वार पर नमक छिड़कते हैं और घर के आंगन में पानी का छिड़काव करते हैं। इस दौरान वे अपने पारंपरिक व्यंजनों का भी आनंद लेते हैं।

चीन में शुरू की जाती है खेती-बाड़ी

चीन मानसून के दौरान खेती-बाड़ी से जुड़ी '24 सोलर टर्म्स' परंपरा (मौसम में बदलाव बताने वाले पुराने कृषि-संकेत) का पालन करता है। मौसम के अनुसार होने वाली बारिश की शुरुआत खास नामों से पहचानी जाती है, जिनसे खान-पान, संस्कृति और आध्यात्मिकता की समृद्ध परंपराएं जुड़ी होती हैं। फरवरी के मध्य में युशुई होता है, जो तापमान और बढ़ती बारिश का संकेत है। इसके बाद अप्रैल में गुयु होता है, जिसकी बारिश फसलों के लिए अहम है।

पति को पुलिस ने 10 महीने पहले बांग्लादेश भेजा, उसके बाद से गायब, पत्नी ने लगाई हाईकोर्ट से गुहार

बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर केन्द्र और राज्य सरकार को अंतिम नोटिस

बिलासपुर। बंदी प्रत्यक्षीकरण के तहत देवरीखुर्द निवासी दुर्गा शर्मा ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इसमें कहा गया है कि उनके पति सुब्रिती शर्मा (37) को अगस्त 2025 में पुलिस ने बांग्लादेश भेजा था लेकिन वह वहां भी नहीं पहुंचे। अब तक उनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। वह कहां है और किस हालत में है इसकी कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने मामले में केंद्र और राज्य सरकार दोनों को सख्त निर्देश जारी किया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को जवाब-दावा दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का अंतिम समय दिया है। कोर्ट ने दो टूक कहा है कि इसके बाद केंद्र सरकार को जवाब पेश करने के लिए और समय नहीं दिया जाएगा। यह मामला छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में लंबित बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ता दुर्गा शर्मा की ओर से अधिवक्ता अदिति सिंघवी ने पक्ष रखा। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि दुर्गा और सुब्रिती का विवाह तकरीबन 15 वर्ष पूर्व हुआ था। सुब्रिती लंबे समय से भारत में रह रहा था और उसके पास भारतीय नागरिकता के वैध दस्तावेज भी हैं। मामला मार्च 2025 में शुरू हुआ, जब तोरवा पुलिस ने एक युवक को बांग्लादेश से नाबालिग लड़की भगाने और दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से उपस्थित अधिवक्ता अनमोल शर्मा ने जवाब दाखिल करने के लिए समय देने का अनुरोध किया। कोर्ट ने उनके अनुरोध को स्वीकार करते हुए कहा, केंद्र सरकार को जवाब हलफनामा दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का और अंतिम समय दिया जाता है। कोर्ट ने कहा, इसकी एक अग्रिम प्रति याचिकाकर्ता के वकील को भी सौंपी जाए।

डीटीसी की बर्खास्तगी का आदेश निरस्त

बिलासपुर। हाईकोर्ट के जस्टिस बिभु दत्त गुरु की एकलपीठ ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में जिला प्रशिक्षण समन्वयक (डीटीसी) के पद पर कार्यरत दिलीप कुमार मधुकर की सेवा समाप्ति (बर्खास्तगी) के आदेश को निरस्त कर दिया है। कोर्ट ने माना कि, विभाग द्वारा कार्रवाई करते समय प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का समुचित पालन नहीं किया गया है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि, यदि सक्षम प्राधिकारी आवश्यक समझे तो विधि एवं विभागीय नीति के अनुरूप समुचित प्रक्रिया का पालन करते हुए पुनः कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र रहेगा।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता श्रीकांत कौशिक ने न्यायालय के समक्ष पक्ष रखते हुए तर्क दिया कि विभाग द्वारा सेवा समाप्ति की कार्रवाई अपनी ही मानव संसाधन नीति के अनुरूप निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना की गई है। यह भी बताया कि, किसी भी कर्मचारी के विरुद्ध इस प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई से पूर्व निष्पक्ष एवं विधिसम्मत प्रक्रिया अपनाना आवश्यक है, किन्तु वर्तमान मामले में ऐसा नहीं किया गया। सुनवाई के दौरान न्यायालय के समक्ष यह तथ्य भी आया कि, कर्मचारी के विरुद्ध सेवा समाप्ति का निर्णय पूर्ण एवं विधिसम्मत प्रक्रिया का पालन किए बिना लिया गया। न्यायालय ने माना कि केवल कारण बताओ सूचना जारी कर उत्तर प्राप्त कर लेना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि विभागीय नीति के अनुरूप आवश्यक प्रक्रिया का पालन किया जाना आवश्यक था। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि, जब किसी कर्मचारी के विरुद्ध कदाचार के आरोपों के आधार पर सेवा समाप्ति की जाती है और उससे उसकी प्रतिष्ठा प्रभावित होती है, तब ऐसी कार्रवाई पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी एवं विधिसम्मत प्रक्रिया के अनुरूप होना आवश्यक है।

इंडोनेशिया में रहता है दुनिया का सबसे लंबा सांप, लंबाई जानकर उड़ जाएंगे होश

रेटिकुलेटेड अजगर दुनिया के सबसे लंबे सांप होते हैं, जिनकी औसत लंबाई आमतौर पर 10 से 20 फीट के बीच होती है। हालांकि, इंडोनेशिया के जंगलों में दुनिया का सबसे बड़ा रेटिकुलेटेड अजगर मिला है, जिसकी लंबाई 23 फीट 8 इंच है। यह एक मादा अजगर है, जिसका शरीर एक बड़ी डिलिवरी ट्रक इतना लंबा है। इसकी लंबाई के चलते इस अजगर का नाम गिनीज बुक में शामिल कर दिया गया है। आइए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं। **कहां पाया गया था यह अजगर :** 2025 में सुलावेसी के मारोस क्षेत्र में इस विशालकाय सांप को देखा गया था। इसके नाम दुनिया के सबसे लंबे ज्ञात सांप का विश्व रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। बेहोशी की हालत में, जब उसका शरीर पूरी तरह से शिथिल होता है तो वह 10 प्रतिशत और लंबा हो सकता है। देखा जाए तो वास्तव में उसकी लंबाई 26 फीट के करीब होने की संभावना है।

पुरवांतो ने ही सबसे पहले देखा था यह सांप

जैसे ही पुरवांतो को इबू के बारे में पता चला, वह तुरंत उसे बचाने पहुंच गए थे। उनका अभयारण्य मैरोस काउंटी में है, जहां वह ऐसे कई सांपों को रखते हैं। इससे न केवल सांप स्वस्थ रहते हैं, बल्कि स्थानीय लोग भी सुरक्षित रहते हैं। इस असाधारण सांप का मूल्यांकन डियाज नुग्राहा ने किया था, जो बोर्नियो के कालीमंतन के एक वन्यजीव गाइड, बचावकर्ता और प्रशिक्क्षक हैं। उनका सहयोग राडू फ्रेंटियू ने किया था, जो एक अन्वेषक और फोटोग्राफर हैं।

शिकार निगलते समय और बड़ा हो जाता है इबू का शरीर

नुग्राहा और फ्रेंटियू ने इबू के बारे में सुनते ही सुलावेसी की टिकट बुक कर ली थीं। दोनों यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि उसका उचित दस्तावेजीकरण हो। उन्हें उम्मीद है कि इससे भविष्य में इबू और उसके जैसी अन्य प्रजातियों की रक्षा करने में मदद मिलेगी।फ्रेंटियू ने इस सांप के बारे में कहा, उसकी हर मांसपेशी एक शक्ति का स्रोत है। ऐसे सांप की ताकत और विशाल शिकार को निगलते समय उसके फैलने की क्षमता प्रभावित करती है।

उच्च न्यायिक संवर्ग के 4 अधिकारियों का तबादला

हिडको बिलासपुर स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष बने

बिलासपुर। विधि एवं विधायी कार्य विभाग के अनुशंसा पर हाईकोर्ट रजिस्ट्रार जनरल कार्यालय से प्रदेश के चार उच्च न्यायिक सेवा संवर्ग के अधिकारियों को तबादला आदेश जारी किया गया है। रजिस्ट्रार जनरल कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार छत्तीसगढ़ स्टेट ट्रांसपोर्ट अपीलेंट ट्रिब्यूनल के प्रोसाईडिंग ऑफिसर श्रीमती सुमन एक्का को प्रिंसिपल जज परिवार न्यायालय दुर्ग, एवं पंकज कुमार सिन्हा विशेष न्यायाधीश एट्रोसिटी एक्ट रायपुर को द्वितीय अतिरिक्त प्रिंसिपल जज परिवार न्यायालय दुर्ग में पदस्थ किया गया है। इसी प्रकार रायपुर में पदस्थ जिला एवं सत्र न्यायाधीश एफटीसी कोर्ट रायपुर सांतनू कुमार देशलहरे को अध्यक्ष स्थायी लोक अदालत रायपुर तथा अंबिकापुर में पदस्थ षष्ठम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जनक कुमार हिंडको को बिलासपुर स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष के पद में पदस्थ किया गया है। अधिकारियों को 9 जुलाई तक नए पदस्थापना में कार्यभार ग्रहण करने का निर्देश दिया गया है।

होटलों में 13 नंबर क्यों नहीं होता...? जानिए हैरान करने वाला राज

क्या आपने कभी किसी होटल में ठहरते समय रूम नंबरों पर ध्यान दिया है? कई बार 11, 12 के बाद सीधे 14 नंबर दिखाई देता है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर रूम नंबर 13 कहां गायब हो गया? दरअसल, यह कोई गलती नहीं बल्कि दुनिया के कई होटलों की सोच-समझकर अपनाई गई परंपरा है। दुनिया के कई होटल मालिक मानते हैं कि 13 नंबर को कई लोग अशुभ मानते हैं। इसी कारण वे रूम नंबर 13 या 13वीं मंजिल का इस्तेमाल नहीं करते। इस डर को ट्रिस्काइडेक फोबिया कहा जाता है, जिसका अर्थ है 13 संख्या का भय। होटलों का मानना है कि कुछ मेहमान 13 नंबर वाले कमरे में ठहरना पसंद नहीं करते। इससे कमरे खाली रहने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए कई होटल 13 की जगह 12ए, एम या सीधे 14 नंबर का इस्तेमाल करते हैं। कुछ इमारतों में 13वीं मंजिल को तकनीकी या रखरखाव कार्यों के लिए आरक्षित रखा जाता है।

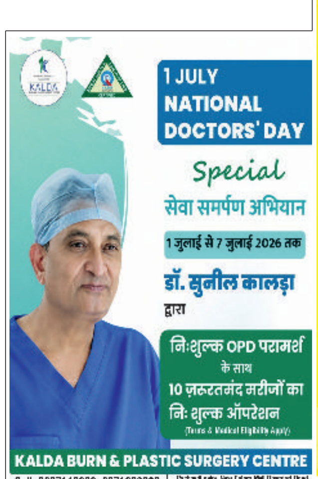

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com